ಶುಭ್ ಲಾಭ್

शुभ लाभ

DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सरकार ने केन्द्रीय बजट से विभिन्न अपेक्षाएं रखते हुए अनुदान की मांग की @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 01 फरवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-31

सोनिया ने कहा: राष्ट्रपति का भाषण पूअर-थिंग / राहुल ने कहा: बोरिंग

संसद सत्र की शुरुआत ही गांधी परिवार के फूहड़ बयान से हुई

तीसरे कार्यकाल में तीन गुना गति से काम कर रही सरकार : मुर्मू

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। संसद सत्र की शुरुआत में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी ने पूअर-थिंग कहा और राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी ने बोरिंग कहा। गांधी परिवार के ऐसे फूहड़ और ओछे बयान पर संसद का सत्र शुरू होने के साथ ही बवाल-सत्र भी शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत भाजपा के सभी वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेस नेताओं के ऐसे अभद्र आचरण की निंदा की है और सोनिया गांधी से माफी मांगने को कहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को संसद में सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया, तो गांधी परिवार को मिर्ची लग गई। राष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के इस तीसरे कार्यकाल में तीन गुना तीव्र गति से काम हो रहा है। इस कार्यकाल में एक राष्ट्र एक चुनाव और वक्फ (संशोधन) विधेयक जैसे महत्वपूर्ण

कानूनों पर तेज गति से कदम आगे बढ़ाया गया। राष्ट्रपति ने बजट सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भारत की विकास यात्रा के इस अमृतकाल को सरकार अभूतपूर्व उपलब्धियों के माध्यम से नई ऊर्जा दे रही है।

राष्ट्रपति ने कहा, एक राष्ट्र एक चुनाव से संबंधित दो विधेयकों पर इन दिनों संसद की एक संयुक्त समिति विचार कर रही है। वहीं वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार करने वाली संयुक्त संसदीय समिति ने अपनी रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंप दी है। संबंधित विधेयक इस बजट सत्र के लिए सूचीबद्ध किया गया है। राष्ट्रपति ने कहा, सरकार के प्रयासों के कारण देश के 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। सरकार ने युवाओं की शिक्षा और उनके लिए रोजगार के नए अवसर तैयार करने पर विशेष जोर दिया है। राष्ट्रपति ने आठवें वेतन आयोग के गठन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन में बड़ी वृद्धि का आधार बनेगा। सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए आधुनिक शिक्षा प्रणाली तैयार कर रही है। सरकार ने युवाओं की शिक्षा और उनके लिए रोजगार के नए अवसर तैयार करने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। सहकारी क्षेत्र के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों के फलस्वरूप रोजगार के अनेक अवसर सृजित हो रहे हैं।

राष्ट्रपति ने साइबर सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार साइबर सुरक्षा में दक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर कार्यरत है। उन्होंने कहा, भारत में आधुनिक और आत्मनिर्भर कृषि व्यवस्था हमारा लक्ष्य है।

▶10 पर

कांग्रेस के शाही परिवार का दंभ आज देश ने फिर देखा: मोदी
यह केवल राष्ट्रपति का नहीं, आदिवासी समाज का अपमान है

सत्र प्रारंभ होने से पहले पीएम मोदी ने पत्रकारों से कहा

यह पहला सत्र है जब कोई विदेशी चिंगारी नहीं भड़की

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। संसद के बजट सत्र पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद भवन के बाहर पत्रकार वार्ता में विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि 2014 से लेकर अब तक शायद यह पहला, संसद का सत्र है, जिसके एक दो दिन पहले कोई विदेशी चिंगारी नहीं भड़की है, विदेश से आग लगाने की कोशिश नहीं हुई है। उन्होंने कहा, मैं 2014 से देख रहा हूं कि हर सत्र से पहले शरारत करने के लिए लोग तैयार बैठे रहते थे और यहां उन्हें हवा देने वालों की कोई कमी नहीं है। 10 साल बाद यह पहला सत्र मैं देख रहा हूं, जिसमें किसी भी विदेशी कोने से कोई चिंगारी नहीं भड़काई गई।

प्रधानमंत्री ने कहा, नवाचार, समावेशन और निवेश लगातार हमारी आर्थिक गतिविधि के रोडमैप का आधार रहे हैं। इस सत्र में हमेशा की तरह कई ऐतिहासिक बिल पर सदन में चर्चा होगी और व्यापक मंथन के साथ वो राष्ट्र की ताकत बढ़ाने वाले कानून बनेंगे। पीएम मोदी ने कहा, आज बजट सत्र के प्रारंभ में मैं समृद्धि की देवी मां लक्ष्मी को प्रणाम करता हूं। ऐसे अवसर पर सदियों से हमारे यहां मां लक्ष्मी का पुण्य स्मरण किया जाता है। मां लक्ष्मी हमें सिद्धि और विवेक देती हैं। समृद्धि और कल्याण भी देती हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि देश के हर गरीब एवं मध्यम वर्गीय समुदाय पर मां लक्ष्मी की विशेष कृपा रहे।

पीएम मोदी ने कहा, हमारे गणतंत्र ने 75 वर्ष पूरे कर लिए हैं।

▶10 पर

2025-26 में 6.3 से 6.8 प्रतिशत के बीच रह सकती है वृद्धि दर

बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाने की जरूरत : आर्थिक सर्वेक्षण

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा और राज्यसभा में आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 पेश किया। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, विकास के उतार-चढ़ाव को ध्यान में रखते हुए, वित्त वर्ष 2026 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6.3 से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है। आर्थिक सर्वेक्षण एक वार्षिक दस्तावेज है जिसे सरकार द्वारा केंद्रीय बजट से पहले अर्थव्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए प्रस्तुत किया जाता है। यह दस्तावेज अर्थव्यवस्था की अल्पावधि से मध्यम अवधि की संभावनाओं को सामने लाता है। आर्थिक सर्वेक्षण मुख्य आर्थिक सलाहकार की देखरेख में वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के आर्थिक प्रभाग की ओर से तैयार किया जाता है। पहला आर्थिक सर्वेक्षण 1950-51 में अस्तित्व में आया था, जब यह बजट दस्तावेजों का हिस्सा हुआ करता था।

1960 के दशक में इसे केन्द्रीय बजट से अलग कर दिया गया और बजट प्रस्तुत होने से एक दिन पहले इसे पेश किया गया। वित्त मंत्री शनिवार को वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट पेश करेंगी। आर्थिक समीक्षा 2024-25 के अहम आकलन के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.3 से 6.8 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। मजबूत बाह्य खाता और स्थिर निजी खपत के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत होगी। ऊंचे सार्वजनिक व्यय और बेहतर होती कारोबारी उम्मीदों से निवेश गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की आर्थिक संभावनाएं संतुलित हैं। राजनीतिक और व्यापार अनिश्चितताएं वृद्धि के मार्ग की प्रमुख बाधाएं होंगी। चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में खाद्य मुद्रास्फीति के नरम पड़ने की संभावना है। सब्जियों की कीमतों में गिरावट, खरीफ फसलों की आवक से मिलेगी मदद मिलेगी। वित्त वर्ष 2025-26 में जींस की ऊंची कीमतों से मुद्रास्फीति का जोखिम सीमित लगता है, भू-राजनीतिक दबाव अब भी जोखिम उत्पन्न कर रहा है।

▶10 पर

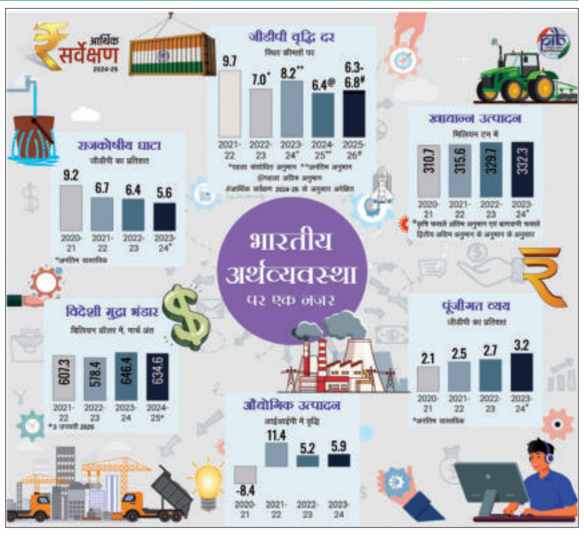

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 84,140/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 95,330/- (प्रति किलोग्राम)

दिल्ली स्टेट वक्फ हज कमेटी की चेयरमैन कौसर जहां ने कहा

जल्द ही पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त होगा वक्फ बोर्ड

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन विधेयक-2024 को लेकर विपक्ष की सियासत के बीच जेपीसी ने इसके संशोधन को स्वीकार कर लिया है। इसकी रिपोर्ट भी लोकसभा स्पीकर को सौंप दी गई है। इस पर खुशी जाहिर करते हुए दिल्ली स्टेट वक्फ हज कमेटी की चेयरमैन कौसर जहां ने कहा कि अब जल्द ही वक्फ बोर्ड एक पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त संस्था बनेगी।

कौसर जहां ने कहा, वक्फ संशोधन विधेयक को जेपीसी की मंजूरी मिल गई है। मुझे खुशी है कि वक्फ संशोधन की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ा। जल्द ही संसद में भी इन सुधारों पर मुहर लगेगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वक्फ बोर्ड एक पारदर्शी, भ्रष्टाचार मुक्त और सभी वर्गों के प्रतिनिधित्व वाली संस्था बन जाएगी। देश को वाकई में इन सुधारों का इंतजार है।

जेपीसी ने वक्फ बिल को लेकर 14 सुधारों को मंजूर कर लिया है। इसके तहत जेपीसी ने राज्य वक्फ बोर्डों में 4 गैर मुस्लिम सदस्यों को शामिल करने का आह्वान किया है। वक्फ बोर्ड के मामले में राज्य सरकार के ऊपर के स्तर के अधिकारी को राज्य सरकार जांच के लिए नामित कर सकती है। बदले जाने वाले नियमों के मुताबिक मुस्लिम होने का दावा करने वाला व्यक्ति अगर अपनी सम्पत्ति वक्फ को दान करना चाहता है, तो उसे सबूत पेश करने होगा कि वह कम से कम 5 साल से इस्लाम का पालन करता आ रहा है। वक्फ से संबंधित विवादों की जांच के लिए राज्य सरकार जिलाधिकारी या ऊपर के अधिकारी को जांच सौंप सकती है। विधवाओं और अनाथों के लिए कल्याणकारी उपायों पर फैसले के लिए

▶10 पर

तेलंगाना हाईकोर्ट ने कहा: वक्फ बोर्ड के सीईओ को हटाओ

हैदराबाद, 31 जनवरी (एजेंसियां)। हमेशा से दूसरों के लिए मुश्किलें खड़ी करने वाला वक्फ बोर्ड तेलंगाना हाईकोर्ट के आदेश के बाद खुद ही मुश्किलों में घिरने वाला है। अवमानना मामले में सुनवाई करते हुए तेलंगाना हाईकोर्ट ने अपने फैसले में राज्य सरकार को आदेश दिया है कि वो स्टेट वक्फ बोर्ड के सीईओ को तत्काल उनके पद से हटाए, क्योंकि उनके पास अपेक्षित योग्यता की कमी है। तेलंगाना वक्फ बोर्ड के सीईओ के चयन के लिए हाईकोर्ट ने सरकार को आदेश दिया था,

▶10 पर

दिल्ली की चुनावी सभा में बोले प्रधानमंत्री मोदी

दिल्ली वालों ने ठाना, आप-दा को भगाना

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। 5 फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले सभी पार्टियों ने प्रचार में अपना पूरा जोर लगा दिया है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्वारका में जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में आम आदमी पार्टी पर जमकर हमले किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि वोटिंग में बस पांच दिन बचे हैं। दिल वालों की दिल्ली ने ठान लिया है, आप-दा वालों को भगाना है। इस बार भारी बहुमत से भाजपा की सरकार बनाना है।

भाजपा दिल्ली को जितना आधुनिक बनाना चाहती है, उसकी एक झलक यहां द्वारका में दिखती है। केंद्र सरकार ने यहां भव्य यशोभूमि का निर्माण करवाया, यशोभूमि की वजह से यहां द्वारका, दिल्ली के हजारों नौजवानों को रोजगार मिला है, यहां लोगों का व्यापार बढ़ा है। आने वाले समय में ये पूरा क्षेत्र एक प्रकार से स्मार्ट शहर होगा। दिल्ली को केंद्र और राज्य सरकार की डबल इंजन वाली सरकार चाहिए। आपने पहले कितने ही साल कांग्रेस को देखा, फिर दिल्ली पर आप-दा वालों ने कब्जा कर लिया। आपने मुझे देश की सेवा करने का बार-बार अवसर दिया है, अब आप मुझे डबल इंजन सरकार बनाकर दिल्ली की भी सेवा करने का मौका दें। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आप-दा वालों ने दिल्ली को अपनी राजनीति चमकाने का एटीएम बना दिया है। आप-दा वालों ने दिल्ली का पैसा निचोड़ लिया है, लूट लिया है। दिल्ली में घोटाले करके ये आप-दा वाले कालेधन से देश के दूसरे राज्यों में राजनीति चमकाते हैं। दिल्ली में तकरार वाली नहीं, तालमेल वाली सरकार चाहिए,

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

इस्लाम और उसके विरासत के नियमों पर सफिया ने उठाए गंभीर सवाल

इस्लाम छोड़ने के बाद भी क्यों लागू हो शरिया कानून?

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका स्वीकृत कर केंद्र से मांगा जवाब

महिलाओं के प्रति भेदभाव से भरा है मुस्लिम पर्सनल लॉ

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में इस्लामी कानून के हिसाब से विरासत को चुनौती देने वाली सफिया ने महिलाओं के अधिकारों के कई सवाल पूछे हैं। सफिया अपनी बेटी को अपनी पूरी सम्पत्ति देना चाहती हैं लेकिन शरिया उन्हें यह करने की इजाजत नहीं दे रहा है। सफिया ने अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का रास्ता अख्तियार किया है। उनका कहना है कि वह इस्लाम छोड़ चुकी हैं, ऐसे में उनके निजी मामले संविधान के हिसाब से तय होने चाहिए, न कि शरिया से। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी इस याचिका को लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से इस मामले में एक हलफनामा दाखिल करने को कहा है। केंद्र सरकार को इस विषय में चार

सप्ताह के भीतर अपना जवाब कोर्ट के सामने रखना होगा। इस मामले की सुनवाई मई माह में होगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इसे एक गंभीर मामला बताया है। वहीं सफिया ने इस बीच महत्वपूर्ण प्रश्न इस्लाम और उसके विरासत को लेकर नियमों पर उठाए हैं।

केरल के अलप्पुझा की रहने वाली सफिया पी. एम. जन्म से मुस्लिम थीं। लेकिन उन्होंने कुछ वर्षों पहले इस्लाम छोड़ दिया था और एक्स मुस्लिम ऑफ़ केरल नाम के एक संगठन की सदस्यता ले ली थी। सफिया का कहना है कि वह अब इस्लाम में विश्वास नहीं रखतीं। सफिया का तलाक हो चुका है। उनकी 25 वर्ष की बेटी है। सफिया का कहना है कि चाहते हुए भी उसके पिता सम्पत्ति का 50 प्रतिशत नहीं दे सकते क्योंकि शरिया में मात्र 33 प्रतिशत हिस्सा ही बेटी को दिया जा सकता है।

सफिया का कहना है कि वह जब इस्लाम में विश्वास नहीं रखतीं तो उनके विरासत के मामले शरीयत से क्यों तय किए जाएं? उनका कहना है कि इसी शरिया के चलते वह अपनी बेटी को भी अपनी पूरी सम्पत्ति नहीं दे सकतीं। सफिया ने इस बात को लेकर भी प्रश्न उठाए हैं कि सम्पत्ति का बाकी हिस्सा रिश्तेदारों को क्यों दिया जाना चाहिए?

▶10 पर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31^0

न्यूनतम : 22^0

आरएमएम कप के क्वाटर फाइनल में पहुंची 8 टीमें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थानी मित्र मंडल विजयनगर आरएमएम कप 2025 एमजेआर प्रजेंट वॉलीबॉल टूर्नामेंट में शुक्रवार को तीसरे दिन 8 टीमों के बीच लीग मैच खेले गए, जिसमें बसवनगुड़ी जैन क्लब ने बाफना मेवाड़ वॉरियर्स को हराया। बेंगलूरु स्पोर्ट्स क्लब नायनदहल्ली ने महालक्ष्मी वॉलीबॉल क्लब महालक्ष्मी लेआउट टीम पर जीत हासिल की तथा एमएस गोल्डन बॉयज ने तुलसी क्लब (बी) यशवंतपुर को हराने में सफलता हासिल की।

महाराजा जैन क्लब जयनगर ने मॉडर्न वॉलीबॉल क्लब विजयनगर पर जीत दर्ज कर अपना दबदबा बनाए रखा। तीसरे दिन के लीग मैच के दौरान तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत, जैन युवा संगठन के पदाधिकारीगण एवं विजय नगर स्थानक से आनंद नाहर, अनेक गणमान्य अतिथियों का पदार्पण हुआ। खेल का आनंद लेते हुए खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया एवं राजस्थानी मित्र मंडल के सत्कार के लिए धन्यवाद अर्पित किया। राजाजीनगर बीबीएमपी पेरेंट्स ग्राउंड में टूर्नामेंट का फाइनल रविवार को आयोजित होगा। शनिवार को क्वाटर फाइनल एवं सेमी फाइनल होगा। क्वाटर फाइनल में महावीर वॉलीबॉल क्लब चिकपेट और जैन क्लब जयनगर, बेंगलूरु स्पोर्ट्सक्लब नायनहल्ली और यंग स्टार क्लब राजाजीनगर, तुलसी क्लब ए यशवंतपुर और बसनगुड़ी जैन क्लब, विजयनगर बॉयस और एमएस गोल्डन बॉयस मल्लेश्वरम का महा संग्राम होगा। मित्र मंडल की तरफ से मैन ऑफ द मैच प्रत्येक विजेता टीम में से चयनित खिलाड़ियों का सम्मान टूर्नामेंट के प्रायोजक एमजेआर बोराणा परिवार से कैलाश चंद्र बोराणा एवं मित्र मंडल के वरिष्ठ एवं संस्थापक अध्यक्ष भीकम चंद मुणोत, अध्यक्ष महेंद्र टेबा, उपाध्यक्ष राजेश चावत एवं पदाधिकारियों और खेल संयोजक जयंतीलाल बोहरा, प्रेम चावत, सुरेश मांडोत, अशोक पितलिया, संजय पितलिया द्वारा किया गया। इस आयोजन को सफल करने एवं कमेंट्री स्कोर के लिए प्रकाश गांधी, लाभेश कांसवा, पारस मेहता, विनोद गांधी, किशोर पोरवार का पूरा सहयोग प्राप्त हुआ। निवर्तमान अध्यक्ष नेमीचंद दलाल, सह संयोजक मनीष देरासरिया की विशेष भूमिका रही। ग्राउंड समिति में हेमंत दलाल, रमेश मेहता, भोजन व्यवस्था में कैलाश गांधी, प्रकाश पोरवाड़ का विशेष योगदान रहा। आभार ज्ञापन मंत्री कैलाश बोहरा ने व्यक्त किया।

जयपुर, अहमदाबाद और कोच्चि के लिए हवाई सेवाओं को शुरू करने की मांग

ओम बिरला को सौंपा ज्ञापन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण हुब्बल्ली के निदेशक रूपेश कुमार ने एक ज्ञापन के माध्यम से लोकसभा अध्यक्ष व कोटा के सांसद ओम बिरला से जयपुर, अहमदाबाद और कोच्चि के लिए हवाई सेवा प्रारम्भ करवाने का आग्रह किया। ज्ञापन में बताया कि कर्नाटक राज्य के जुड़वां शहर हुब्बल्ली- छोटा मुंबई के नाम से मशहूर, मुख्य रूप से कपड़ा, ऑटोमोबाइल, हार्डवेयर सहित अन्य वस्तुओं का व्यापारिक केंद्र है। धारवाड़ एक कला, शिक्षा और कर्नाटक राज्य का सांस्कृतिक केंद्र है। हुब्बल्ली हवाई अड्डा एक घरेलू हवाई अड्डा है जिसका प्रबंधन भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा किया जाता है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने हुब्बल्ली हवाई अड्डे को समर्पित घरेलू कार्गो टर्मिनल के साथ एक पूर्ण हवाई अड्डा बनाने के लिए विभिन्न बुनियादी ढांचे, परिचालन सुविधा, यात्री सुविधा के माध्यम से बहुत सारी विकास गतिविधियां शुरू की हैं। हुब्बल्ली हवाई अड्डे को सर्वश्रेष्ठ आरसीएस हवाई अड्डे से सम्मानित किया गया है। हुब्बल्ली वर्तमान में बेंगलूरु, मुंबई, दिल्ली, पुणे, हैदराबाद जैसे 5 शहरों से जुड़ा हुआ है और 90 प्रतिशत से अधिक की ऑक्यूपेंसी देख रहा है। हुब्बल्ली हवाई अड्डे और इसके हितधारकों की ओर से, मैं आपके सम्मानित कार्यालय से अनुरोध करता हूं कि वह नागरिक उड्डयन मंत्रालय और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ इस मामले को उठाएं, ताकि इन उड़ान सेवाओं को शुरू करने में सुविधा हो। इस दौरान ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर के संस्थापक अध्यक्ष व दक्षिण पश्चिम रेलवे सलाहकार समिति (जेडआरयूसीसी) सदस्य महेंद्र सिंघी, कोटा भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष राकेश जैन, प्रवासी यात्री संघ कर्नाटक के राज्य कार्यदर्शी सुभाष चंद्रा डंक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

वर्षीतप एवं पारणा कर रहे तपस्वियों का सम्मान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मुनिसुव्रत स्वामी जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ बेंगलूरु कैंट के तत्वावधान में वर्षीतप एवं पारणा कर रहे तपस्वियों तथा पारणा सेवा देने वाले एवं कर्मचारियों का अलसूर के वर्षीतप करने वाले तपस्वियों ने बहुमान किया। मंदिर परिसर में उपरोक्त सभी को ट्रस्ट के अध्यक्ष राजमल गोलेछा एवं मंत्री मोहनलाल बोहरा तथा अनेक गणमान्य जनों की उपस्थिति में अनुमोदना पत्र समर्पित कर सम्मानित किया गया। ट्रस्ट अंतर्गत संचालित पारणा व्यवस्था का 45 तपस्वी लाभ ले रहे हैं। इस अवसर पर अलसूर के वर्षीतप तपस्वी प्रकाशचंद नाहटा, सुभद्रा नाहटा, राजू बोहरा, चंद्रा बांठिया, हेमलता तातेड, संतोष बाई छाजेड़, मंजू बाई लोढ़ा, कविता बांठिया उपस्थित थी। मूर्तिपूजक संघ ने अलसूर ग्रुप द्वारा अनुमोदना की प्रशंसा की।

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के वालकेश्वर सोसायटी स्थित प्रवासी राजस्थानी जैन समाज के मुलचन्द सोनमल भंसाली (85) की, जिनका 30 जनवरी को निधन हो गया, दोनों आंखे दान की गई। भंसाली परिवार के सभी सदस्यों की सहमति एवं समाज व धर्म से प्रेरित होकर यह निर्णय लिया गया।

वृद्धाश्रम में मानव सेवा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेयुप राजाजीनगर द्वारा राजाजीनगर स्थित आश्रेया सेवा ट्रस्ट और एक आर्य सेवाश्रम ट्रस्ट में मांगीलाल बोहरा एवं परिवार के सहयोग से सेवा कार्य संपादित किया गया। प्रथम मानव सेवा के तहत राजाजीनगर स्थित आश्रेया सेवा ट्रस्ट में दैनिक जरूरत की राशन सामग्री प्रदान की गई। आश्रम वार्डन ने बताया कि यहां पर 29 वृद्ध महिलाएं प्रवासित है और यह आश्रम पिछले 20 वर्षों से संचालित हो रहा है। वृद्ध महिलाओं ने बोहरा परिवार का आभार व्यक्त किया। द्वितीय मानव सेवा के तहत राजाजीनगर स्थित आर्य सेवाश्रम ट्रस्ट में अनाथ बच्चों में फल, बिस्किट्स एवं जूस वितरित की गई। आश्रम वार्डन ने बताया कि यहां पर 57 अनाथ बच्चे प्रवासित हैं। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने बोहरा परिवार के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर तेयुप से राजेश देरासरिया और विनोद कोठारी की उपस्थिति रही।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का धरना चौथे दिन भी जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। न्यूनतम मजदूरी की मांग को लेकर शहर के फ्रीडम पार्क में आंगनवाड़ी सहायिकाओं और कार्यकर्ताओं का रात भर का धरना चौथे दिन में प्रवेश कर गया।

इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर्नाटक राज्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका संघ कर रहा है और यह विरोध प्रदर्शन जारी है क्योंकि उनकी मांगें अभी तक पूरी नहीं हुई हैं। आईसीडीएस योजना को शुरू हुए 50 साल हो चुके हैं और इस संदर्भ में कार्यकर्ता और सहायिकाएं इस मुद्दे पर अपनी आवाज उठा रही हैं। सहायकों को न्यूनतम वेतन दिया जाना चाहिए। आंगनवाड़ी

कार्यकर्ता देश में महिलाओं, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के सामने आने वाली कुपोषण, एनीमिया और स्वास्थ्य समस्याओं को खत्म करने के लिए 2 अक्टूबर, 1975 को शुरू की गई एकीकृत बाल विकास योजना (आईसीडीएस) को प्रभावी बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हालांकि, प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सरकार उनकी मांगें पूरी नहीं कर रही है। प्रदर्शनकारियों ने कहा हम केंद्र और राज्य सरकार की आईसीडीएस योजना के तहत अन्य कार्य भी कर रहे हैं, जिसमें तीन से छह वर्ष के बच्चों के लिए प्री-स्कूल शिक्षा, पूरक पौष्टिक भोजन का वितरण, बच्चों के लिए टीकाकरण, लाभार्थियों को भाग्य लक्ष्मी एप्लीकेशन, मातृ वृंदा एप्लीकेशन का वितरण आदि शामिल हैं।

लेकिन हमारे प्रयासों को उसके अनुरूप पुरस्कृत नहीं किया जा रहा है। कोरोना महामारी के दौरान, हमने योद्धाओं के रूप में अपनी जान जोखिम में डाली और जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर काम किया। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि वे हमारी सेवा पर गंभीरता से विचार किए बिना हमें पर्याप्त वेतन और अन्य लाभ नहीं दे रहे हैं। उन्होंने इस बात पर खेद व्यक्त किया कि राज्य के विभिन्न जिलों और तालुकों से हजारों आशा कार्यकर्ता और सहायिकाएं फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन करने आई हैं, लेकिन संबंधित अधिकारी उनके प्रति कोई शिष्टाचार भी नहीं दिखा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनका संघर्ष तब तक नहीं रुकेगा जब तक उनकी मांगें पूरी की जाती हैं।

शादी का झांसा देकर महिला कांस्टेबल से 18 लाख की ठगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु में एक अज्ञात व्यक्ति ने महिला कांस्टेबल से शादी का वादा कर 18 लाख रुपए ठग लिए। पुलिस के अनुसार, महिला शादी के लिए साथी की तलाश में कन्नड़ मैट्रिमोनियल साइट के जरिए आरोपी अशोक मस्ती के संपर्क में आई। मस्ती ने पीड़िता से कहा कि वह सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहा है और जल्द ही उसे नौकरी मिल जाएगी। इसके बाद आरोपी उसके घर भी आने लगा। मस्ती ने उससे शादी करने के लिए 20 लाख रुपए दहेज की मांग की। पीड़िता ने पैसे उसे ट्रांसफर कर दिए। हालांकि, पैसे मिलने के बाद आरोपी कोई न कोई बहाना बनाकर शादी टालता रहा। पीड़िता ने जब उससे इस बारे में पूछा तो मस्ती ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया और उसका फोन उठाना बंद कर दिया। पीड़िता के संपर्क में रहने वाले आरोपी के रिश्तेदारों ने भी बात करना बंद कर दिया। इससे निराश होकर पीड़िता ने आरोपी और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। डबसपेट पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है और आरोपी की तलाश में जाल बिछा रही है।

निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में कंचगार गल्ली स्थित महावीर भवन में 30 जनवरी से 1 फरवरी तक तीन दिवसीय निशुल्क होमिओपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

जिसमें होमिओपैथिक चिकित्सक

डॉ. अमित मेहरोत्रा ने विभिन्न बीमारियों जिसमें ब्लड प्रेशर, थायरॉइड, आस्थमा, एलर्जी, एक्जिमा की जांच कर आवशयक दिशा निर्देश दे रहे हैं। इस दौरान श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष बाबूलाल पारेख, मंत्री प्रकाश कटारिया, पूर्व सह मंत्री मदन तातेड़, शिविर आयोजक समिति के दिलीप भुरट, जैन युवा संघठन हुब्बल्ली के कार्यदर्शी सुभाष चंद्र डंक, सेवाभावी संतोष भलगट सहित अन्य उपस्थित थे।

स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, न्यूबर्ग डायग्नोस्टिक एवं आनन्द दास लैब के संयुक्त तत्वावधान में जनरल हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन तेरापंथ सभा भवन में किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र से हुई। 25 लोगों ने अपना रक्त परीक्षण कराके तेरापंथ सभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. जयंतीलाल कोठरी से

परामर्श लिया।

लगभग 51 लोगों ने हेल्थ चेकअप का लाभ लिया। इस कार्यक्रम में टीपीएफ अध्यक्ष प्रकाश भंसाली ने स्वागत किया। मंत्री प्रणव कोठरी ने सभी का आभार व्यक्त किया। कोषाध्यक्ष मुकेश सुराणा, उपाध्यक्ष सुरेश तातेड एवं पूजा कोठरी, श्रेयांस सुराणा, विजय कोठरी, मलनाड अध्यक्ष महावीर भंसाली, तेरापंथ सभा अध्यक्ष सोहनलाल तातेड, मंत्री विमल कोठरी, तेयुप अध्यक्ष नितेश सुराणा, मंत्री मनीष तातेड, पूर्व अध्यक्ष गौरव गुलगुलिया, मांगीलाल आसोरिया, पारस तातेड आदि लोग उपस्थित थे।

बेंगलूरु डिवीजन ने राज्य रानी एक्सप्रेस का संचालन सभी महिला क्रू के साथ किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय रेलवे पर इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन की 100वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में, ट्रेन संख्या 22660 केएसआर बेंगलूरु-मैसूरु राज्य रानी एक्सप्रेस का संचालन शुक्रवार को सभी महिला क्रू के साथ किया गया। यह ट्रेन सेवा पूरी तरह से महिला क्रू द्वारा चलाई गई, जो रेलवे संचालन में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को दर्शाती है। बेंगलूरु डिवीजन के अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष माथुर ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा 3 फरवरी को भारतीय रेलवे विद्युतीकरण के 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाएगा, जो मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और कुर्ला के

बीच पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन के संचालन की एक शताब्दी का प्रतीक है। यह मील का पत्थर रेलवे संचालन में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करता है, जो भाप से चलने वाले इंजनों से आधुनिक, पर्यावरण के अनुकूल विद्युतीकृत प्रणाली में बदल रहा है। यह मील का पत्थर रेलवे संचालन और स्थिरता में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है। उत्सव के एक हिस्से के रूप में, आज राज्य रानी एक्सप्रेस का संचालन और प्रबंधन विशेष रूप से महिला रेलवे कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। यह पहल लैंगिक समावेशिता और पेशेवर उत्कृष्टता के प्रति भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो प्रमुख परिचालन भूमिकाओं में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। राज्य रानी एक्सप्रेस की महिला टीम में लोको पायलट बल्ला शिव पार्वती, सहायक लोको पायलट राम्या कुमारी, ट्रेन मैनेजर शैलजा, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) कर्मी स्वरूपिनी और वरलक्ष्मी और यात्रा टिकट परीक्षक अनिला जकारिया शामिल थी। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (कर्षण संचालन) वी. सुरेन्द्र नाथ, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी - उमा शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रभावती गजलक्ष्मी, वरिष्ठ डीईएनएचएम कु. प्रिया, मंडल वित्त प्रबंधक ए. कमला प्रिया और अन्य रेलवे अधिकारी उपस्थित थे।

सरकार ने केन्द्रीय बजट से विभिन्न अपेक्षाएं रखते हुए अनुदान की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्र सरकार का बजट शनिवार को पेश किया जाएगा, जिसकी उल्टी गिनती शुरू हो गई है और कर्नाटक सरकार को इससे काफी उम्मीदें हैं। राज्य में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए अधिक धनराशि मिलने की उम्मीद है, जिनमें बेंगलूरु की महत्वपूर्ण विकास परियोजनाएं भी शामिल हैं। इस संबंध में मांगों की एक आधिकारिक सूची पहले ही केंद्र को सौंप दी गई है। कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं और कई राज्य परियोजनाओं, मुख्य रूप से बेंगलूरु के व्यापक विकास के लिए वित्त पोषण की मांग की गई है। इस संबंध में डीसीएम डी.के. शिवकुमार ने हाल ही में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर अपनी मांगें रखीं। पश्चिमी घाट, कल्याण कर्नाटक का एक पिछड़ा क्षेत्र तथा विश्व स्तर पर पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र के विकास के लिए विशेष मिलान अनुदान उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने सूखा प्रभावित मध्य कर्नाटक को पानी उपलब्ध कराने के लिए भद्रा ऊपरी नदी परियोजना के लिए केंद्रीय बजट में पूर्व में घोषित 5300 करोड़ रुपये जारी करने की अपील की है। मेकेदातु और महादयी परियोजनाओं को मंजूरी देने का अनुरोध किया गया है। 15वें वित्त आयोग द्वारा अनुशंसित 11,495 करोड़ रुपये के विशेष अनुदान को जारी करने तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाकर 5,000 रुपये तथा रसोइयों और सहायकों का मानदेय बढ़ाकर 2,000 रुपये करने की मांग की गई है। मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने केंद्र को मांगों की एक सूची सौंपी है, जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी परिवारों के लिए सहायता राशि 1.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये और ग्रामीण परिवारों के लिए 72,000 रुपये से बढ़ाकर 3 लाख रुपये करने की मांग की गई है। बेंगलूरु ने 90,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली प्रमुख बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं के लिए केंद्र से वित्तीय सहायता मांगी है। प्रमुख विकास परियोजनाओं में सुरंग सड़क परियोजना और परिधीय रिंग रोड परियोजना शामिल हैं। शहर के समग्र विकास के लिए डबल डेकर फ्लाईओवर, पीआरआर बिजनेस कॉरिडोर और जलापूर्ति सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू की गई हैं और डीसीएम ने अनुरोध किया है कि 2025-26 के केंद्रीय बजट में इनके लिए धनराशि उपलब्ध कराई जाए। राज्य सरकार यातायात की भीड़भाड़ से राहत दिलाने के लिए सुरंग सड़क बनाने की योजना बना रही है। हेब्बल में एस्टीम मॉल से एचएसआर लेआउट में सिल्क बोर्ड जंक्शन तक 18.5 किलोमीटर उत्तर-दक्षिण सुरंग सड़क के निर्माण पर 15,000 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

के.आर.पुरा सर्कल से नयनदनहल्ली जंक्शन तक 28.5 किलोमीटर लंबी सुरंग सड़क के निर्माण पर 25,000 करोड़ रुपये की लागत आएगी। राज्य सरकार ने इस परियोजना के लिए 19,000 करोड़ रुपये की डीपीआर तैयार कर ली है और इसे सार्वजनिक चर्चा के लिए खोल दिया है। चूंकि यह सुरंग राष्ट्रीय राजमार्ग से भी जुड़ती है, इसलिए राज्य सरकार और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण इस परियोजना को हाथ में ले सकते हैं। बजट में इनके लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। मौजूदा मेट्रो रेल लाइनों के विस्तार के लिए पांच कॉरिडोर की पहचान की गई है। लगभग 129 किमी मेट्रो लाइन का विस्तार करने की योजना है। यह प्रस्तावित विस्तारित मेट्रो कॉरिडोर आउटर रिंग रोड और बेंगलूरु उपनगरों को जोड़ेगा। इन पांच मेट्रो कॉरिडोर के लिए मंजूरी हेतु केंद्र सरकार से अनुरोध किया गया है। नम्मा मेट्रो की येलो लाइन के तीसरे चरण पर रागीगुड्डा से सिल्क बोर्ड जंक्शन तक निर्मित डबल डेकर फ्लाईओवर की सफलता के बाद, मेट्रो परियोजना के चौथे चरण का निर्माण डबल डेकर का उपयोग करके करने का निर्णय लिया गया है। जे.पी. नगर से हेब्बल और होसाहल्ली से कडाबागेरे तक की दूरी 45 किमी है। इस लम्बे मार्ग के लिए अतिरिक्त 8,916 करोड़ रुपए की आवश्यकता है तथा अनुपूरक वित्त पोषण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। राज्य सरकार ने बेंगलूरु में वर्षाजनित आपदाओं से बचने के लिए योजना तैयार की है। इसके लिए लगभग 3,000 करोड़ रुपये का प्रावधान है। विश्व बैंक से सहायता की अपील की गई है। इस संबंध में एक प्रस्ताव आर्थिक मामलों के विभाग को प्रस्तुत किया गया है। इसलिए, उन्होंने अनुरोध किया है कि यथाशीघ्र अनुमोदन प्रदान किया जाए। इसके अतिरिक्त, शहर में अत्यधिक यातायात वाले 11 जंक्शनों पर 99.50 किलोमीटर में 17 फ्लाईओवर बनाने की आवश्यकता है, जिसके लिए 12,000 करोड़ रुपये के बजट की आवश्यकता होगी। प्रमुख नदियों, बड़ी झीलों और राजकालुवे के किनारे के बफर क्षेत्रों पर अतिक्रमण किया जा रहा है। इससे बचने के लिए इस बफर जोन में 300 किलोमीटर लम्बी सड़क बनाने का प्रस्ताव है, जिसके लिए 3000 करोड़ रुपये की आवश्यकता है तथा पूरक निधि का अनुरोध किया गया है।

आय से अधिक संपत्ति मामला

लोकायुक्त ने चार जिलों में सरकारी अधिकारियों की संपत्तियों पर छापे मारे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक लोकायुक्त के अधिकारियों ने शुक्रवार सुबह राज्य के चार जिलों में सात स्थानों पर छापेमारी की। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के संदेह में सरकारी अधिकारियों के आवासों और संपत्तियों पर छापेमारी की गई। जिन अधिकारियों पर छापेमारी की जा रही है, उनमें एक प्रभारी उप पंजीयक भी शामिल है।

बेंगलूरु, बेलगावी, रायचूर और बागलकोट जिलों में सुबह एक साथ छापेमारी शुरू हुई। सूत्रों के अनुसार, लोकायुक्त के अधिकारी बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के इंजीनियरिंग डिवीजन से जुड़े एक सहायक कार्यकारी अभियंता (एईई) के आवास पर छापेमारी और तलाशी कर रहे हैं। लोकायुक्त बेलगावी शहर में दो अधिकारियों के आवासों पर भी छापेमारी कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि टीमें अनगोला इलाके में प्रभारी उप पंजीयक के आवास की तलाशी ले रही हैं और उन्होंने बताया कि टीम उनके कार्यालय और एक अन्य संपत्ति पर भी छापेमारी कर रही है। बेलगावी जिले के रायबाग तालुक के हरोगेरी कस्बे में एक पशु चिकित्सा निरीक्षक के घर पर छापा मारा गया, जहां दस्तावेजों की जांच की गई। उप अधीक्षक सिद्धेश के नेतृत्व में लोकायुक्त टीम बागलकोट जिले के होलागेरी गांव के एक पंचायत विकास अधिकारी (पीडीओ) के घर पर भी छापेमारी की। विद्यागिरी इलाके में स्थित एक घर और नरगुंडा गांव में एक अन्य घर की तलाशी की गई। सूत्रों से पता चला है कि पीडीओ ने एक आलीशान घर बनवाया है, और उसके घर से भारी मात्रा में नकदी मिली है। अधिकारी पैसे गिनने के लिए एक गिनती मशीन का इस्तेमाल कर रहे हैं। अधिकारियों ने रायचूर जिला पंचायत से जुड़े एक सहायक लेखा अधिकारी के घर पर छापेमारी की। यह घर रायचूर शहर के जावर कॉलोनी में स्थित है। मामले में अभी और जानकारी सामने आनी बाकी है और कर्नाटक लोकायुक्त की ओर से अभी आधिकारिक बयान जारी होना बाकी है। 8 जनवरी को लोकायुक्त अधिकारियों ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में कर्नाटक के सात सरकारी अधिकारियों के खिलाफ एक साथ छापेमारी की थी। छापेमारी नौ स्थानों, बेंगलूरु, चिक्कमगलूरु, बीदर, बेलगावी, गदग, बल्लारी, रायचूर, बागलकोट और तुमकुरु जिलों में की गई।

माइक्रोफाइनेंस उत्पीड़न पर अंकुश लगाने के लिए

अध्यादेश को जल्द ही दिया जाएगा अंतिम रूप: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि माइक्रोफाइनेंस उत्पीड़न को प्रतिबंधित करने वाला अध्यादेश शुक्रवार रात तक स्पष्ट रूप ले लेगा और अंतिम आदेश 2-3 दिनों में जारी होने की संभावना है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अध्यादेश का मसौदा तैयार करते समय आरबीआई के नियमों की जांच की जानी चाहिए थी। सहकारिता विभाग और पुलिस प्रणाली में पहले से ही कई कानून मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने विधि विभाग के सचिव को निर्देश दिया है कि वे सभी चीजों की समीक्षा कर इसे अध्यादेश के अनुरूप बनाएं। सभी पक्ष-विपक्ष की समीक्षा की जाएगी और एक स्पष्ट योजना दी जाएगी। सरकार भी बहुत चिंतित है और आग्रह कर रही है कि विधेयक को शीघ्र लागू किया जाए। कुछ लोगों ने आत्महत्या कर ली है, जबकि अन्य लोग माइक्रोफाइनेंस कंपनियों द्वारा किए गए उत्पीड़न के कारण अपना घर छोड़ चुके हैं। यहां ऐसा माहौल है कि कोई भी नहीं सुनता कि अनधिकृत माइक्रोफाइनेंस कंपनियां क्या करती हैं। उन्होंने कहा कि इस पर अंकुश लगाने की जरूरत है। इसी निर्वाचन क्षेत्र में किसी व्यक्ति ने 2.5 लाख रुपये का ऋण लिया था। 4.5 लाख वापस कर दिया है। लेकिन ऐसा कहा जा रहा 80 हजार रुपये और लगेंगे। इसके चलते परिवार के सदस्य घर छोड़कर चले गए हैं। जैसे ही यह बात उनके ध्यान में आई, उन्होंने जिला मजिस्ट्रेट को सूचित किया, माइक्रोफाइनेंस कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया और दोषियों को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि मकान परिवार को वापस कर दिया गया है। माइक्रोफाइनेंस कंपनियों से प्राप्त ऋणों को एकल किस्त में चुकाने की संभावना की भी जांच की जाएगी। फिलहाल हमारी प्राथमिकता उत्पीड़न को रोकना है। उन्होंने कहा कि जैसे ही कानून लागू होगा, ऐसी संभावना है कि माइक्रोफाइनेंस कंपनियां अदालत में जाएंगी और स्थगन आदेश की मांग करेंगी, और इस पर भी चर्चा की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें इस बारे में अधिक जानकारी नहीं है कि बेंगलूरु के रियल एस्टेट व्यवसायी मंजूनाथ ने मुडा घोटाले में 31 प्लॉट हासिल किए और उनमें से एक प्लॉट मंत्री महादेवप्पा के बेटे नवीन बोस को दे दिया। भाजपा मुडा घोटाले को बड़ा मुद्दा बना रही है, क्योंकि इसमें मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनकी पत्नी पार्वती शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अन्यथा यह कोई बड़ी खबर नहीं होती। उन्होंने कहा कि वह यतींद्र सिद्धरामैया के इस बयान पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देंगे कि सिद्धरामैया मुख्यमंत्री के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। मंत्रिमंडल ने विधान परिषद में रिक्त चार सीटों को भरने के लिए सदस्यों की नियुक्ति हेतु मुख्यमंत्री को अधिकृत किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री केपीसीसी अध्यक्ष के साथ चर्चा करेंगे और निर्णय लेंगे। गुरुवार को कैबिनेट की बैठक के बाद राजनहल्ली स्थित वाल्मीकि पीठ के स्वामीजी उन्हें मेले में आमंत्रित करने उनके कार्यालय आए। उस समय स्वामीजी से उनके कार्यालय में सूचना मिलने पर मंत्री सतीश जारकीहोली और के.एन. राजन्ना भी वहां पहुंचे थे। परमेश्वर ने स्पष्ट किया कि इसके अलावा हमने कोई अलग बैठक नहीं की है। भाजपा नेताओं द्वारा कुंभ मेले की आलोचना करने वालों को अयोग्य कहे जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए परमेश्वर ने कहा वे जानते हैं कि कब कौन से शब्दों का प्रयोग करना है। उन्होंने कहा कि वे इस पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।

राज्य में भाजपा की वर्तमान कहानी एक घर में दर्जनों दरवाजे वाली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में भाजपा की वर्तमान कहानी एक घर में दर्जनों दरवाजे वाली है। असंतुष्ट, तटस्थ, अवसरवादी आदि कारणों से पार्टी नेताओं के दर्जनों समूहों में विभक्त हो रही है, जबकि वफादार नेताओं और कार्यकर्ताओं को असंख्य बार हाशिये पर धकेला जा रहा है। वरिष्ठ और कनिष्ठ नेताओं के बीच रस्साकशी शुरू हो गई है और ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि प्रतिष्ठा के कारण पार्टी का प्रभुत्व खत्म हो रहा है। बी.वाई. विजयेंद्र को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की उपाधि इसलिए नहीं दी गई क्योंकि वे येदियुरप्पा के पुत्र थे, जो एक वरिष्ठ नेता थे जिन्होंने राज्य में भाजपा पार्टी का निर्माण और पोषण किया, और क्योंकि उनमें युवाओं को वरिष्ठों के साथ लाने और उन्हें शामिल करने की क्षमता थी। न केवल येदियुरप्पा से सीएम पद छीनकर बसवराज बोम्मई को दे दिया गया था, बल्कि हाईकमान ने येदियुरप्पा को दरकिनार किए जाने के कलंक को दूर करने के लिए उन्हें यह पद भी दे दिया था। सच कहूं तो नलिन कुमार कटील जब पार्टी के अध्यक्ष थे, तब भी पार्टी में मतभेद थे, लेकिन वे आज की तरह खुले नहीं थे। लेकिन हिंदू कार्यकर्ताओं में इस बात को लेकर गुस्सा था कि उन्हें सुरक्षा नहीं दी जा रही है, जबकि जिस पार्टी को उन्होंने बनाया और जिसे उन्होंने पोषित किया, वह सत्ता में है। यह मांग उस समय हुई जब हिन्दू कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई थी। इसके अलावा, यह उतना तीव्र नहीं था जितना अब है। नलिन कुमार कटील के बाद येदियुरप्पा के बेटे बी.वाई. विजयेंद्र को भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद पार्टी के भीतर असंतोष चरम पर पहुंच गया है। इससे पहले जब येदियुरप्पा ने भाजपा छोड़कर केजेपी बनाई थी तो लिंगायत उनके पीछे खड़े थे। भाजपा को नुकसान उठाना पड़ा क्योंकि उनके साथ कुछ नेताओं ने भी पार्टी छोड़ दी। इस बात से अवगत आलाकमान ने बीएस येदियुरप्पा को सीएम पद से हटाने के कलंक को हटाने और लिंगायत नेताओं का पक्ष लेने के लिए विजयेंद्र को प्रदेश अध्यक्ष का पद दिया। लेकिन त्रासदी यह है कि आज लिंगायत नेता विजयेंद्र को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने की मांग करने वालों में सबसे आगे हैं।

येदियुरप्पा जब मुख्यमंत्री थे तब उनके बेटे विजयेंद्र पर आरोप लगे थे। पार्टी के नेता उनके खिलाफ भड़क उठे थे। उस समय येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री पद से हटा दिया गया था। उसके बाद भले ही राज्य में भाजपा सत्ता में थी, लेकिन कांग्रेस ने राज्य की बोम्मई सरकार को गिराने के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाए थे। बोम्मई के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर इसे जनता तक ले जाने में सफल रही। तब तक भाजपा के भीतर आंतरिक लड़ाई शुरू हो चुकी थी। 2023 के चुनाव तक कांग्रेस राज्य में मजबूत हो चुकी थी। इस प्रकार, भाजपा चुनाव हार गयी और कांग्रेस सत्ता में आ गयी। इसके बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए प्रतिद्वंद्विता शुरू हो गई। बसवनगौड़ा यतनाल और सी.टी. रवि सहित कई वरिष्ठ नेता इस दौड़ में थे। लेकिन सभी वरिष्ठों को किनारे कर दिया गया और बी.वाई. विजयेन्द्र को प्रभारी बना दिया गया।

जब विजयेंद्र अध्यक्ष बने तो बसवनगौड़ा यतनाल हताश हो गए। इसके बाद लोकसभा चुनाव हुए। इस समय वरिष्ठ नेता के.एस.ईश्वरप्पा ने टिकट मुद्दे पर पार्टी छोड़ दी। कुछ अड़चनों के बाद, 2024 के लोकसभा चुनावों में 2019 के लोकसभा चुनावों की तुलना में ज्यादा प्रगति नहीं देखी गई। पिछले विधानसभा उपचुनावों में भी इसका प्रदर्शन खराब रहा था। तब तक भाजपा का असंतोष अपनी सीमा पार कर चुका था। आलाकमान ने हस्तक्षेप किया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। यतनाल के नेतृत्व वाले असंतुष्ट समूह में शामिल होने वाले लोगों की संख्या में भी वृद्धि हुई। यतनाल टीम ने वक्फ के खिलाफ लड़कर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया और विजयेंद्र टीम को हरा दिया। यद्यपि रेणुकाचार्य और कट्टासुब्रह्मण्यम सहित कुछ लोगों ने विजयेन्द्र की ओर से बात की, लेकिन बाकी कलाकार, वरिष्ठ नेता और अन्य लोग चुप और तटस्थ रहे। एक तरफ जहां विजयेंद्र को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने की लड़ाई चल रही है, वहीं दूसरी तरफ उनके कार्यों के प्रति तटस्थ रहने वालों में उबाल आने वाला है। बिना किसी को विश्वास में लिए वे जो निर्णय ले रहे हैं, उससे पार्टी के भीतर चिंगारी भड़क रही है। डॉ. के. सुधाकर ने उस समय भाजपा में शामिल होने का साहस दिखाया था, जब पार्टी के पास कोलार जिले, विशेषकर चिक्कबल्लापुर में अपना झंडा बुलंद करने के लिए पर्याप्त लोग नहीं थे, और पार्टी को जीत दिलाई थी। उन्होंने लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। पिछले विधानसभा चुनाव हार गये। सुधाकर, जो हमेशा येदियुरप्पा के प्रति वफादार रहे हैं, अब विजयेंद्र के खिलाफ हो गए हैं।

असमंजस की स्थिति सुलझने वाली नहीं

उन्होंने जिला अध्यक्ष पद पर ऐसे व्यक्ति को नियुक्त किये जाने पर खुलकर असंतोष व्यक्त किया है, जिसने जिला अध्यक्ष के चुनाव के दौरान उनकी बात सुने बिना उनके खिलाफ काम किया। दावणगेरे में भी ऐसी ही स्थिति उत्पन्न हो गई है। विजयेंद्र के खिलाफ पार्टी के अंदर गुस्सा दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। परिणाम यह हुआ कि एक घर में दस दरवाजे हो गये। भाजपा में हो रहे घटनाक्रम को देखते हुए ऐसा कोई संकेत नहीं है कि जब तक बी.वाई. विजयेंद्र प्रदेश अध्यक्ष बने रहेंगे, पार्टी में असमंजस की स्थिति सुलझने वाली नहीं है। चूंकि असंतुष्ट नेताओं की मुख्य मांग उन्हें प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने की है, इसलिए वे तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक यह मांग पूरी नहीं हो जाती। क्या विजयेंद्र को अध्यक्ष पद से हटाने पर सब कुछ ठीक हो जाएगा? इन सब बातों को देखते हुए, राज्य भाजपा में एकजुटता लाना मुश्किल है, चाहे इसके लिए कुछ भी किया जाए।

अगर येदियुरप्पा नहीं तो भाजपा नहीं कहने का युग बदल गया: यतनाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र से टकराव कर रहे असंतुष्ट नेताओं ने घोषणा की है कि वे अगले दो दिनों में अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार की घोषणा करेंगे। पूर्व मंत्री कुमार बंगारप्पा के सदाशिवनगर स्थित आवास पर आयोजित बैठक में पूर्व मंत्री बसनगौड़ा पाटिल यतनाल, रमेश जारकीहोली, विधायक बी.पी. हरीश, होलालकेरे चंद्रप्पा, पूर्व सांसद जी.एम. सिद्धेश्वर व अन्य शामिल हुए। भाजपा के असंतुष्टों ने दो घंटे से अधिक समय तक बैठक की और सर्वसम्मति से मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र के खिलाफ अपने गुट से उम्मीदवार उतारने का फैसला किया। उन्होंने कहा वे विजयेंद्र के खिलाफ अपने गुट से उम्मीदवार खड़ा करेंगे। इस बार अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होना ही है। उम्मीदवारों की घोषणा के लिए दिल्ली में एक और बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए विजयेंद्र विरोधी गुट के नेता बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने कहा कि यह तय है कि हमारे गुट का कोई उम्मीदवार चुनाव में उतारा जाएगा। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उम्मीदवार कौन होगा। यह भी नगण्य है कि हमें कितने वोट मिले। लेकिन उन्होंने पूरे विश्वास के साथ कहा कि चुनाव अवश्य होंगे। पार्टी में कुछ लोग एकतरफा रुख अपना रहे हैं। विजयेंद्र जिला अध्यक्षों और पदाधिकारियों की नियुक्ति सहित कई मामलों में तानाशाही रवैया अपना रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह काम पहले होना चाहिए। हमने दो दिन में दिल्ली में मिलने का निर्णय लिया है। हम यहां के घटनाक्रम को अपने वरिष्ठ अधिकारियों के ध्यान में लाएंगे। विजयेन्द्र के प्रदर्शन से कोई भी संतुष्ट नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारे रुख में कोई बदलाव नहीं आया है कि उन्हें बदलना चाहिए। हममें से कई लोग विजयेंद्र के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। यह कोई भी हो सकता है, जिसमें मैं भी शामिल हूं। यहाँ व्यक्ति महत्वपूर्ण नहीं है। अगर पार्टी को जीवित रखना है तो हमें कुछ न कुछ त्याग तो करना ही होगा। उन्होंने कहा कि हमें परिवारवाद की पार्टी में नहीं रहना चाहिए। अगर येदियुरप्पा नहीं तो भाजपा नहीं कहने का युग बदल गया है। कुछ लोगों का कहना है कि येदियुरप्पा के बिना भाजपा कर्नाटक में टिक नहीं पाएगी। भाजपा बनी रहेगी, चाहे कोई भी चले जाए, चाहे येदियुरप्पा हों या मैं। क्योंकि यह कार्यकर्ताओं की पार्टी है। जो आएंगे, वे आएंगे। जो जाएंगे, वे जाएंगे। यतनाल ने अप्रत्यक्ष रूप से बीएसवाई परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक अकेला व्यक्ति पार्टी को नहीं चला सकता। हम भाजपा में हो रहे घटनाक्रम को उच्च अधिकारियों के ध्यान में लाएंगे। हम इंतजार करेंगे और देखेंगे कि वे क्या निर्णय लेते हैं। हमारे इस रुख में कोई बदलाव नहीं आया है कि भाजपा को स्वच्छ होना चाहिए। यह निश्चित है कि राज्य में पहली बार अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा। यतनाल ने कहा कि कुछ लोगों को तब तक धैर्यपूर्वक इंतजार करना चाहिए।

सीएम सिद्धरामैया के बेटे का दावा

ईडी मुडा मामले में मेरे पिता को फंसाने की कोशिश कर रही

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के बेटे और कांग्रेस एमएलसी यतींद्र सिद्धरामैया ने शुक्रवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले मामले में उनके पिता को फंसाने की कोशिश की जा रही है।

यतींद्र ने कहा ईडी आम राय बनाना चाहता है कि सीएम सिद्धरामैया इस मामले में आरोपी हैं। यहां मीडिया से बात करते हुए यतींद्र ने कहा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जानबूझकर द्वेषपूर्ण भावना से आधिकारिक संचार में सीएम सिद्धरामैया का नाम ले रहा है। वे यह भी अच्छी तरह जानते हैं कि हमारे 14 स्थलों में कुछ भी अवैध नहीं है। वे यह भी जानते हैं कि ये स्थल कानूनी रूप से आवंटित किए गए थे। उन पर दबाव डाला जा रहा है और केंद्र सरकार उन पर लगातार दबाव बना रही है। कर्नाटक भाजपा इकाई और अन्य विपक्षी दल भी सीएम सिद्धरामैया को फंसाने और उन्हें मामले में आरोपी बनाने के लिए दबाव डाल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी वही कर रहा है जो उसे बताया जा रहा है।

यतींद्र ने आगे कहा कि यह एक खुला रहस्य है कि कोई भी केंद्रीय एजेंसी न केवल कर्नाटक में बल्कि अन्य राज्यों में भी स्वतंत्र रूप से काम नहीं कर रही है। ईडी भाजपा के इशारों पर नाच रही है। अंत में जीत सत्य और न्याय की होगी। उन्होंने कहा कि सीएम ने कोई गलती नहीं की है और वह इस मामले से साफ छवि के साथ बाहर आएंगे।

उन्होंने कहा सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ उन्हें (ईडी) क्या सबूत मिले हैं? उन्हें दिखाने दें। वे दूसरों की जब्त संपत्ति दिखा रहे हैं। सीएम सिद्धरामैया या हमारे परिवार के सदस्यों के नाम पर

कोई संपत्ति जब्त नहीं की गई है। ईडी के आधिकारिक बयानों में सीएम सिद्धरामैया का नाम दुर्भावना से आम धारणा बनाने और सीएम सिद्धरामैया को आरोपी बनाने के लिए उल्लेख किया गया है और इसमें कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि हमारी साइटों का मामला अलग है।

हमारी जमीन मुडा द्वारा अवैध रूप से अधिग्रहित की गई थी और 14 समानांतर साइटें आवंटित की गई थीं। लेकिन, अन्यथा, मुडा में जो घोटाला हुआ था अलग है। मुडा के कुछ सदस्यों और अन्य लोगों ने किसानों से जमीन खरीदने वाले जमीन मालिकों को 50:50 अनुपात में मुआवजा देने का वादा करके घोटाला किया है। यह कानून के खिलाफ है और इससे निपटने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। हमारे परिवार को आवंटित 14 साइटों का इससे कोई संबंध नहीं है। 17 जनवरी को मुडा घोटाले के सिलसिले में ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत 300 करोड़ रुपये के अनुमानित बाजार मूल्य वाली 14 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया। इस मामले में सीएम सिद्धरामैया आरोपी नंबर एक हैं और मुडा के जरिए अवैध आवंटन करवाने वाले अन्य लोगों के खिलाफ भी जांच की जा रही है। उनकी पत्नी बी.एम. पार्वती दूसरी आरोपी हैं। पूर्व मुडा आयुक्त डी.बी. नटेश की भूमिका सीएम सिद्धरामैया की पत्नी बी.एम. पार्वती को मुआवजा स्थलों के अवैध आवंटन में महत्वपूर्ण भूमिका के रूप में सामने आई है। ईडी ने कहा कि जांच के दौरान की गई तलाशी में यह भी पता चला कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी बी.एम. पार्वती को आवंटित 14 साइटों के अलावा बड़ी संख्या में साइटों को मुडा द्वारा अवैध रूप से रियल एस्टेट व्यवसायियों को मुआवजे के रूप में आवंटित किया गया है, जिन्होंने बदले में इन साइटों को भारी मुनाफे पर बेच दिया और बड़ी मात्रा में बेहिसाब नकदी अर्जित की।

महाकुंभ मेले के बारे में आलोचना पर आगे टिप्पणी करते हुए एमएलसी यतींद्र ने कहा कौन तय करता है कि क्या सही है और क्या गलत है? जिसकी आस्था है, वह कुंभ मेले में जाएगा और डुबकी लगाएगा। जिसकी आस्था नहीं है, वह नहीं जाएगा। यह नहीं कहा जा सकता कि सभी की आस्था एक होनी चाहिए। मैं भगवान में विश्वास करता हूं और मेरे पिता नहीं करते। इसके बावजूद, हम एक ही घर में रहते हैं। मैं भगवान की पूजा करूंगा, लेकिन मेरे पिता नहीं करते। इसलिए, आस्तिक और नास्तिक एक साथ रह सकते हैं। सभी पर कुछ भी थोपा नहीं जा सकता।

सभी को अपनी आस्था के साथ जीने का अधिकार

यतींद्र ने कहा कांग्रेस के किसी भी नेता ने कुंभ मेले की आलोचना नहीं की है। क्या किसी नेता ने कहा है कि लोगों को कुंभ मेले में नहीं जाना चाहिए और उन्हें डुबकी नहीं लगानी चाहिए? इस संबंध में किसी ने कोई बयान नहीं दिया है। जिसकी आस्था है, उसे कुंभ मेले में जाना चाहिए, जिसकी आस्था नहीं है, उसे नहीं जाना चाहिए। सभी को अपनी आस्था के साथ जीने का अधिकार होना चाहिए।

जो लोग इस टिप्पणी को बेकार कहते हैं, वे वास्तव में बेकार हैं। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लगता है कि महाकुंभ मेले में डुबकी लगाने से गरीबी दूर नहीं होगी। यह उनकी आस्था है। हमें उनके विचार का सम्मान करना चाहिए। हमें महाकुंभ मेले में आने वाले लोगों की भक्ति भावनाओं का भी सम्मान करना चाहिए। लोगों पर कुछ भी थोपा नहीं जाना चाहिए। हिंदू धर्म में कई आस्था प्रणालियां हैं और कोई एक आस्था नहीं है। हिंदू धर्म में नास्तिक भी शामिल हैं।

हिंदू धर्म में नास्तिकता को भी एक दर्शन के रूप में माना जाता है। धर्म ऐसी आजादी देता है। हज यात्रा की भी आलोचना की जाती है। कौन कहता है, इस पर बात नहीं होगी? नास्तिक सभी धर्मों में मौजूद हैं और वे सभी धर्मों की आलोचना करते हैं। हिंदू कट्टरपंथी एक ही धर्म थोपने की कोशिश कर रहे हैं।

ऋण लेने वालों को आत्मघाती निर्णय नहीं लेना चाहिए: सीएम

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को कहा कि हम उन माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे जो अत्यधिक ब्याज वसूल रही हैं और अवैध रूप से ऋण वसूल रही हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने ऋण लेने वालों से अपील की है कि वे डरकर आत्महत्या जैसा फैसला न लें। शहर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि माइक्रोफाइनेंस कंपनियां भी आरबीआई के नियंत्रण में हैं। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा को आलोचना करने से पहले सोचना चाहिए। कुछ स्थानों पर आउटसोर्सिंग पर ऋण वसूली के लिए गुंडों और उपद्रवियों का उपयोग करना अवैध है।

उन्होंने कहा कि यह सही नहीं है। नाबार्ड द्वारा प्रदान किये जाने वाले ऋण की राशि में भी 58 प्रतिशत की कमी की गई है। हमने उन्हें कई बार पत्र लिखकर इसे ठीक करने के लिए कहा है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि उन्होंने इस पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। माइक्रोफाइनेंस के बारे में पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि लोग वहां जाते हैं जहां उन्हें ऋण मिल सकता है, और यही कारण है कि माइक्रोफाइनेंस कंपनियां ऋण वसूली के नाम पर उत्पीड़न करती हैं। वे अत्यधिक ब्याज वसूल रहे हैं और लोगों को अपना कर्ज वसूलने के लिए परेशान कर रहे हैं। इस सब पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार द्वारा एक अध्यादेश जारी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नया कानून लागू होने के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र के इस बयान पर कि कुंभ मेले की आलोचना करना कांग्रेस को शोभा नहीं देता, उन्होंने कहा दुनिया जानती है कि भाजपा में क्या चल रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे अब उनके बारे में बात करने की जरूरत नहीं है। कुंभ मेला उत्तर प्रदेश में हो रहा है, जो भाजपा शासित है। यह भगदड़ उत्तर प्रदेश में घटी। इस दृष्टिकोण से, उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अक्षम हम हैं या वे। जब हम गलती करते हैं तो आलोचना करने की स्वतंत्रता होती है। उल्लेखनीय है कि राज्य में माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं द्वारा जनता को परेशान किया जाना दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है, जिस पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार ने गुरुवार को इस संबंध में अध्यादेश लाने को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व में विधान सौधा में हुई कैबिनेट की बैठक में माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं को विनियमित करने के लिए एक नए विधेयक को मंजूरी दी गई। विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि वित्त पर अंकुश लगाने के लिए कैबिनेट ने अध्यादेश को मंजूरी दे दी है। माइक्रोफाइनेंस से अमानवीय तरीके से ऋण वसूली की जा रही है। आज भी एक आत्महत्या का मामला सामने आया, जिस पर हमने विधेयक लाने का फैसला किया है और कुछ तकनीकी पहलुओं पर चर्चा की है। पाटिल ने कहा कैबिनेट ने अध्यादेश लाने का अधिकार सीएम को दिया है। सीएम के साथ बैठक के बाद कानूनी फैसला लिया जाएगा। कैबिनेट बैठक में सीएम को पूरा अधिकार दिया गया है। हमारे पास जो कानून हैं, उनमें से कुछ फायदे वाले होंगे। कुछ नुकसानदेह भी होंगे। इससे पहले राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के प्रतिनिधियों को चेतावनी देते हुए कहा था आप अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए नियमों का उल्लंघन करते हुए एक ही उधारकर्ता को ऋण दे रहे हैं। जब वे ऋण चुकाने में असमर्थ हैं, तो आप अवैध कार्यों का सहारा ले रहे हैं। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने गत शनिवार को गृह कार्यालय कृष्णा में राज्य में माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के संचालन और प्रभावों पर एक बैठक की। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा महिलाओं और बुजुर्गों के खिलाफ उत्पीड़न की प्रेस रिपोर्टें रोजाना आ रही हैं। मैं यह सब बर्दाश्त नहीं करूंगा। मैं अपने लोगों की रक्षा के लिए सख्त कार्रवाई करूंगा।

चलती बस का पहिया पूरी तरह से हुआ अलग

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक और चौंकाने वाली घटना में, धर्मस्थल-कोल्ली मार्ग पर चलने वाली कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बस उजीरे के पास काशीबेट्टू टीबी क्रॉस-कुंटिनी रोड के पास चलते समय एक पहिया अलग हो जाने के बाद रुक गई।

यह घटना मुंडा में सोमंतदका के पास हाल ही में हुई एक दुर्घटना के बाद हुई है, जहां केएसआरटीसी की बस नियंत्रण खोकर सड़क किनारे नाले में जा गिरी थी। पर्याप्त केएसआरटीसी बसों की कमी छात्रों के लिए मुश्किलें खड़ी कर रही है, जिसके कारण बुधवार को उजीरे में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा अतिरिक्त बसों और बेहतर सेवाओं की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया था। हाल ही में हुई दुर्घटना, जिसमें बस का पहिया पूरी तरह से अलग हो गया, ने एक बार फिर इन बसों के खराब रखरखाव पर चिंता जताई है। राष्ट्रीय राजमार्ग अभी भी निर्माणाधीन है, गड्ढों से भरी सड़कें और तेज गति से ला-परवाही से वाहन चलाने के कारण बसें अक्सर खराब हो रही हैं। इसके अलावा, खराब रखरखाव वाली बसें अक्सर ग्रामीण इलाकों में भेजी जाती हैं और बसों की सीमित संख्या के कारण उचित रखरखाव नहीं हो पाता है। बसों में अत्यधिक भीड़ होने से स्थिति और खराब हो गई है, जिससे अक्सर बसें खराब हो जाती हैं और छात्र तथा यात्री फंस जाते हैं, जिससे यात्रियों में व्यापक निराशा पैदा होती है।

कर्नाटक सरकार ने मैसूरु राजघरानों के स्वामित्व वाली पैलेस ग्राउंड्स भूमि का उपयोग करने का लिया निर्णय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की अध्यक्षता में कर्नाटक मंत्रिमंडल ने बेंगलूरु शहर के मध्य में स्थित बेंगलूरु पैलेस ग्राउंड्स से जुड़ी भूमि का उपयोग और नियंत्रण करने का निर्णय लिया है। मैसूरु राजपरिवार इस भूमि का मालिक है और उसने कहा है कि वे इस कदम के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू करेंगे। मीडिया को संबोधित करते हुए, कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा कि मंत्रिमंडल ने बेंगलूरु पैलेस ग्राउंड्स उपयोग और विनियमन अध्यादेश, 2025 के कार्यान्वयन पर चर्चा की, जिसे 29 जनवरी, 2025 को जारी किया गया था। राज्यपाल ने अध्यादेश को मंजूरी दे दी है। अध्यादेश सरकार को भूमि का उपयोग और नियंत्रण करने का अधिकार प्रदान करता है। हम अध्यादेश को लागू करेंगे। जो भी आवश्यक होगा, हम उस शक्ति का उपयोग करेंगे, जिसका अधिकार सरकार को अभी है और जो आवश्यक होगा, वह करेंगे। उन्होंने कहा मैं इस बारे में विस्तार से नहीं बताना चाहता कि बेंगलूरु पैलेस ग्राउंड्स की भूमि को किराए पर दिया जा रहा है। उस परिवार और सरकार के साथ इस बात को लेकर मुकदमा चल रहा है कि उन्हें अधिकार प्राप्त है या नहीं, हम तर्क दे रहे हैं कि वे अवैध संरचनाएं हैं, बस इतना ही है और मैं इस बारे में विस्तार से नहीं बताना चाहता। उन्होंने कहा कि अध्यादेश ने सरकार को अधिकार प्रदान किए हैं और वह आदेश के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई करेगी।

उन्होंने दोहराया अध्यादेश जारी कर दिया गया है। आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। मंत्री पाटिल ने कहा कि 10 दिसंबर, 2024 को सुप्रीम कोर्ट के आदेश में सरकार को हस्तांतरणीय विकास अधिकार (टीडीआर) के माध्यम से बेंगलूरु पैलेस ग्राउंड्स की 15 एकड़ भूमि का मुआवजा देने के

लिए कहा गया है, जिससे सड़क विस्तार योजना अव्यवहारिक हो गई है। मुआवजे के रूप में भारी मात्रा में भुगतान करना जनता के हित और सार्वजनिक नीति के खिलाफ है।

उन्होंने कहा कि राज्य पर गंभीर प्रभाव को देखते हुए, बेंगलूरु पैलेस ग्राउंड्स उपयोग और विनियमन अध्यादेश, 2025 की धारा 3 के तहत जनता के हित में बेंगलूरु सड़क-चौड़ीकरण परियोजना को छोड़ा जा रहा है। इससे पहले, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने स्पष्ट किया था कि मैसूरु राजपरिवार के स्वामित्व वाली बेंगलूरु पैलेस ग्राउंड्स की प्रमुख संपत्ति को अपने कब्जे में लेने के लिए अध्यादेश जारी करने का सरकार का फैसला दुश्मनी से प्रेरित नहीं है। सूत्रों ने बताया कि राजपरिवार के वंशज यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार के मैसूरु-कोडागु लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के बाद सिद्धरामैया ने बेंगलूरु पैलेस और आसपास की जगहों को अपने कब्जे में लेने के लिए सुप्रीम कोर्ट में सरकार की कानूनी लड़ाई को तेज कर दिया है। मैसूरु सिद्धरामैया का पैतृक शहर है। उन्हें झटका लगा, क्योंकि यदुवीर ने सिद्धरामैया के करीबी विश्वासपात्र कांग्रेस उम्मीदवार एम. लक्ष्मण के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की। 2015 में, सिद्धरामैया ने घोषणा की थी कि उनकी सरकार पैलेस ग्राउंड्स को अपने कब्जे में लेने के लिए कानूनी कार्यवाही में तेजी लाएगी। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए मैसूरु की महारानी प्रमोदा देवी वाडियार ने कहा कि अगर बेंगलूरु पैलेस मामले में उनके साथ कोई अन्याय हुआ तो वे कानूनी लड़ाई लड़ेंगी।

आबादी के घनत्व को नियंत्रित करने का भी फैसला

मंत्री एच.के. पाटिल ने आगे कहा कि गुरुवार को हुई कैबिनेट की बैठक में बेंगलूरु के आसपास के कस्बों और शहरों को विकसित करके वहां की आबादी के घनत्व को नियंत्रित करने का भी फैसला किया गया है। देवनहल्ली, मगदी, नेलमंगला, होसाकोटे, डोड्डबल्लापुर और बिदादी को बेहतर सड़क और रेल संपर्क के साथ सैटेलाइट टाउनशिप के रूप में विकसित किया जाएगा। कैबिनेट ने ग्रेटर बेंगलूरु विकास प्राधिकरण के तहत रामनगर जिले के 10 गांवों को विकसित करने के लिए ग्रेटर बेंगलूरु समग्र उपनगर योजना को लागू करने पर भी सहमति जताई। 8,032 एकड़ भूमि अधिग्रहण की अनुमति दी गई है। किसानों को विकसित भूमि का 35 से 50 प्रतिशत तक मुआवजा देने का फैसला किया गया है। टाउनशिप का विकास और डिजाइन अंतरराष्ट्रीय निविदा में चुनी गई कंपनियों द्वारा किया जाएगा। कैबिनेट ने पुलिस कांस्टेबल से लेकर पुलिस उपाधीक्षक (डीवाईएसपी) तक पुलिस विभाग की सीधी भर्ती में खिलाड़ियों के लिए आरक्षण का कोटा 2 प्रतिशत से बढ़ाकर 3 प्रतिशत करने पर सहमति जताई है।

ईडी द्वारा मुडा घोटाले की रिपोर्ट जारी करना जांच रिपोर्ट नहीं, बल्कि केवल जब्ती रिपोर्ट: सीएम

सभी प्रयास मेरे नाम को कलंकित करने के लिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय द्वारा मुडा घोटाले की रिपोर्ट जारी करना जांच रिपोर्ट नहीं, बल्कि केवल जब्ती रिपोर्ट है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा इस मामले में अवैध धन के लेन-देन का सवाल कहां से आता है? उच्च न्यायालय ने पूर्व मुडा आयुक्त नटेश को ईडी द्वारा दिए गए नोटिस पर रोक लगा दी है। क्या इसका मतलब यह है कि यह कानूनी नहीं है? अन्यथा, न्यायालय ने स्थगन आदेश क्यों जारी किया होता? ये सभी प्रयास मेरे नाम को कलंकित करने के लिए किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईडी ने जांच रिपोर्ट नहीं, बल्कि केवल जब्ती रिपोर्ट जारी की है। सभी जानते हैं कि ईडी की जांच राजनीति से प्रेरित है। उनके पास

मेरे मामले के बारे में कहने के लिए कुछ नहीं है। वे इस मुद्दे को लेकर मेरा नाम खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा इसमें सफल नहीं होगी। उन्होंने कहा कि हमारे परिवार ने मुडा मामले में कुछ भी गलत नहीं किया है। सीएम बदलने के मुद्दे पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा मुझसे बार-बार एक ही बात मत पूछिए। जो भी हाईकमान तय करता है, वही होता है। हाईकमान ही सब कुछ तय करता है। मुझे इस मुद्दे पर कितनी बार सफाई देनी होगी? आप यह क्यों मान लेते हैं कि दो-तीन मंत्रियों के साथ बैठकर बात करते ही चर्चा शुरू हो गई? अटकलबाजी वाली पत्रकारिता को छोड़िए। हम राजनीति पर तब चर्चा करते हैं, जब 3-4 लोग इकट्ठे होते हैं। मेरे हिसाब से डिनर मीटिंग या मीटिंग में कुछ भी गलत नहीं है। बस आप जो धारणा चाहते हैं, वह सही या गलत नहीं है। केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा मुझे इस बजट से कोई उम्मीद नहीं है। उन्होंने बजट में घोषणा की थी कि वे भद्रा अपर रिवर प्रोजेक्ट के लिए पैसा देंगे। लेकिन, एक भी रुपया नहीं दिया गया। इसलिए मुझे कोई उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा केंद्र ने हमारे राज्य के साथ गलत व्यवहार किया है। हम 4 लाख करोड़ रुपए कर देते हैं। वे हमें केवल 68 हजार करोड़ रुपए वापस देते हैं। कर्नाटक के साथ लगातार गलत व्यवहार किया जा रहा है। वे इस बार भी हमारे साथ गलत व्यवहार करेंगे।

पुलिस के आंकड़े बता रहे हैं पंजाब में हालात कितने गंभीर

नशे और आतंकवाद से जूझ रहा पंजाब

चंडीगढ़, 31 जनवरी (एजेंसियां)। नशा मुक्ति के नाम पर 2017 में पहले कांग्रेस और 2022 में आम आदमी पार्टी राज्य में सत्तारूढ़ हुई, लेकिन दोनों दलों की सरकारों के दावे ढाक के तीन पात ही साबित हुए। साल 2024 के आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि राज्य इस मोर्चे पर कितनी विषम स्थिति से जूझ रहा है। पुलिस महानिरीक्षक (मुख्यालय) सुखचैन सिंह गिल ने यह आंकड़े जारी किए।

डॉ. सुखचैन सिंह गिल ने बताया कि पुलिस ने साल 2024 में 12255 एफआईआर दर्ज की, जिनमें से 1213 वाणिज्यिक मामलों से संबंधित हैं, और 210 बड़े माफियाओं सहित 8935 नशा तस्करों/सप्लायरों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने पूरे राज्य से 1099 किलोग्राम हेरोइन, 991 किलोग्राम अफीम, 414 क्विंटल भुक्की और 2.94 लाख गोलियां/कैप्सूल/टीके/फार्मा ओपिओइड्स की शीशियां बरामद की हैं, साथ ही गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों से 14.73 करोड़ रुपए की ड्रग मनी बरामद की है। पुलिस ने इस साल बड़े तस्करों की 335 करोड़ रुपए की 531 सम्पत्तियां भी जब्त की हैं।

उन्होंने कहा कि एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने फील्ड यूनिटों के साथ मिलकर 559 गैंगस्टरों/अपराधियों को गिरफ्तार किया है और 198 गैंगस्टरों/अपराधी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया और उनके पास से 482 हथियार, अपराधिक गतिविधियों में इस्तेमाल किए जाने वाले 102 वाहन, 7 किलो हेरोइन और 2.14 करोड़ रुपए की ड्रग मनी बरामद की। इस साल पुलिस पार्टियों और अपराधियों के बीच कम से कम 64 बार गोलीबारी हुई, जिसमें 3 गैंगस्टर/अपराधी मारे गए और 63 गैंगस्टर/अपराधी गिरफ्तार किए गए, जिनमें से 56 घायल हुए। आतंकियों के खिलाफ की गई कार्रवाइयों की जानकारी देते हुए आईजीपी ने बताया कि साल 2024 के दौरान, आंतरिक सुरक्षा विंग ने 66 आतंकवादियों को गिरफ्तार कर 12 आतंकवादी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया और उनके पास से 2 राइफल, 76 रिवॉल्वर/पिस्तौल, 2 टिफिन इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आई.ई.डी.), 758 ग्राम आर.डी.एक्स और अन्य विस्फोटक, 4 हैंड ग्रेनेड और 257 ड्रोन बरामद किए। पुलिस टीमों ने ड्रोन के माध्यम से फेंकी गई 185 किलो हेरोइन, 24 पिस्तौल, एक एके-47 राइफल, एक आईईडी और 4.18 लाख रुपए की ड्रग मनी बरामद की है। उन्होंने बताया कि इस साल के दौरान 513 ड्रोन देखे गए।

पंजाब में ड्रग्स और नशे के धंधे की स्थिति यह है कि वर्ष 2024 में कुल 8935 नशा तस्कर/सप्लायर गिरफ्तार किए गए। इनमें 210 बड़ी मछलियां हैं। कुल 12255 एफआईआर दर्ज की गई। कुल 1213 व्यापारिक एफआईआर दर्ज हुईं। इस दरम्यान 335 करोड़ रुपए की 531 सम्पत्तियां जब्त की गई। कुल 1099 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई। 991 किलोग्राम अफीम बरामद की गई। कुल 414 क्विंटल भुक्की बरामद हुई। इस साल 2.94 करोड़ मूल्य की फार्मा ओपिओइड्स की गोलियां/कैप्सूल/टीके/शीशियां बरामद की गईं। कुल 14.73 करोड़ रुपए ड्रग मनी बरामद किए गए। एनडीपीएस केसों में 843 पीओ/भगोड़ों की गिरफ्तारी हुई। पीआईटी और एनडीपीएस एक्ट के तहत दो लोग निवारक हिरासत में लिए गए। पंजाब में गैंगस्टरों का भी दबदबा काफी बढ़ गया है। वर्ष 2024 में गैंगस्टरों के 198 मॉड्यूल का पर्दाफाश किया गया और 559 गैंगस्टर/अपराधी गिरफ्तार किए गए। पुलिस और गैंगस्टरों के बीच गोलीबारी की 64 घटनाएं हुईं। तीन अपराधी मारे गए और 56 अपराधी घायल हुए। एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया और 9 पुलिसकर्मी जख्मी हुए। इस दरम्यान 482 हथियार जब्त किए गए और इन गैंगस्टरों के पास से 7 किलोग्राम हेरोइन भी बरामद की गई। इनके पास से चोरी के 102 वाहन भी बरामद किए गए।

आतंकवादियों की गतिविधियों में 12 आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया गया और 66 आतंकवादी गिरफ्तार किए गए। आतंकवादियों के पास से दो राइफलें, 76 पिस्तौलें, दो टिफिन आईईडी, चार हैंड ग्रेनेड और 758 ग्राम आरडीएक्स बरामद किया गया। इस दौरान 257 ड्रोन भी बरामद किए गए। यह आधिकारिक आंकड़े यह बताने के लिए पर्याप्त हैं कि पंजाब में नशा, गैंगस्टरवाद और आतंकवाद कितना गंभीर खतरा बन चुका है।

मतदान की वीडियो क्लिप सुरक्षित रखे चुनाव आयोग: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह मतदान की वीडियो क्लिप सुरक्षित रखें।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने मतदान केंद्र पर मतदाताओं की अधिकतम संख्या 1,200 से बढ़ाकर 1,500 करने के फैसले के खिलाफ याचिकाओं के लंबित रहने के दौरान मतदान की वीडियो क्लिप सुरक्षित रखने का आयोग को निर्देश दिय।

पीठ ने कहा, हम प्रतिवादी संख्या 1 को सीसीटीवी रिकॉर्डिंग बनाए रखने का निर्देश देना उचित समझते हैं, जैसा कि वे पहले कर रहे थे।

पीठ ने इंदु प्रकाश सिंह की ओर से दायर जनहित याचिका पर यह आदेश पारित किया।

अदालत ने चुनाव आयोग के अधिवक्ता ने जनहित याचिका पर जवाब देने के लिए समय मांगने के बाद यह निर्देश दिया और आयोग को हलफनामा दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का और समय दिया।

श्री सिंह ने भारत भर में प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या बढ़ाने के लिए अगस्त 2024 में चुनाव आयोग के पत्राचार की वैधता को चुनौती दी है।

शीर्ष अदालत ने 15 जनवरी को कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश की याचिका पर केंद्र और चुनाव आयोग से जवाब मांगा था। श्री रमेश ने हाल ही में 1961 के चुनाव नियमों में सीसीटीवी तक सार्वजनिक पहुंच न होने सहित अन्य संशोधनों के खिलाफ याचिका दायर की थी।

अधिवक्ता सिंह ने कहा कि मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या बढ़ाने का निर्णय मनमाना था और यह किसी भी आंकड़े पर आधारित नहीं था।

न्यायालय ने 24 अक्टूबर को चुनाव आयोग को कोई नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया, लेकिन याचिकाकर्ता को चुनाव आयोग के स्थायी वकील को प्रति देने की अनुमति दी, ताकि इस मुद्दे पर उसका रुख पता चल सके।

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया था कि चुनाव आयोग के निर्णय से महाराष्ट्र, बिहार और दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों के दौरान मतदाताओं पर असर पड़ेगा। श्री सिंह ने कहा कि आम तौर पर चुनाव 11 घंटे तक चलते हैं और वोट डालने में लगभग 60 से 90 सेकंड का समय लगता है। इसलिए एक ईवीएम के साथ एक मतदान केंद्र पर एक दिन में 660 से 490 लोग अपना वोट डाल सकते हैं।

चेन्नई एयरपोर्ट पर मोहम्मद जकरिया गिरफ्तार

पाकिस्तानी आतंकी संगठन खलीफा से जुड़े हैं तार

चेन्नई, 31 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन खलीफा से जुड़े एक व्यक्ति को चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे गिरफ्तार किया गया है। उसका नाम मोहम्मद जकरिया बताया जा रहा है। वह तेलंगाना के वारंगल में रॉयल बावर्ची बिरयानी और कुलसुम कंगन हॉल चलाता था। जकरिया भारतीय पासपोर्ट का इस्तेमाल कर श्रीलंका के रास्ते पाकिस्तान जाने की फिराक में था, लेकिन उससे पहले ही उसे गिरफ्तार कर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दिया गया।

जकरिया आतंकी संगठन खलीफा का प्रमुख था और 25 साल पहले पाकिस्तान से भारत आया था। वह यहां अवैध रूप से

रह रहा था। शुरुआत में आंध्र प्रदेश के गुंटूर में रहने के बाद वह अपने परिवार के साथ वारंगल में बस गया। उसकी दो पत्नियां हैं, दोनों ही गर्भवती हैं और कुल आठ बच्चे हैं। जकरिया ने भारत में 10 से 12 लोगों को खलीफा का सदस्य बनाया और वारंगल, हनमकोंडा में तीन से चार बिरयानी की दुकानों सहित कई व्यवसाय चलाए। इसके अलावा उसके पास 16 ऑटो-ट्रॉली वाहन थे, जिनका इस्तेमाल स्थानीय कॉलोनियों में मिठाइयां और आइसक्रीम बेचने के लिए किया जाता था। खलीफा संगठन एक नए अध्यक्ष का चुनाव कर रहा था, जिसके कारण जकरिया को पाकिस्तान जाना था, लेकिन जब पुलिस ने उसे चेन्नई हवाई अड्डे पर रोका तो उसके पास से जमात-ए-इस्लामी पाकिस्तान से जुड़े कई साहित्य मिले। इसके बाद उसे वहीं पर गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी जकरिया की भूमिका, खलीफा संगठन से उसके संबंधों और संभावित राष्ट्रीय सुरक्षा खतरों की जांच में जुट गए हैं।

इससे पहले 28 जनवरी को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आईएसआईएस आतंकवादी संगठन के लिए भर्ती करने के आरोप में मुख्य आरोपी अल्फाजिथ को चेन्नई से गिरफ्तार किया था। उस पर आतंकी संगठन के लिए लोगों की भर्ती करने के साथ आईएसआईएस का प्रचार करने का भी आरोप था। एनआईए को तमिलनाडु के विभिन्न जिलों से प्रतिबंधित संगठनों में लोगों की भर्ती किए जाने की जानकारी मिली थी, जिसके बाद पिछले कुछ हफ्तों से चेन्नई और मयिलादुथुराई में छापेमारी की जा रही थी। मंगलवार सुबह 3 बजे से एनआईए ने चेन्नई और मयिलादुथुराई के 15 से ज्यादा स्थानों पर छापेमारी की, जिसके बाद पुरसाईवक्कम इलाके की एक बहुमंजिला इमारत से अल्फाजिथ को गिरफ्तार किया गया।

सीतारमण ने दिया आम बजट को अंतिम रूप

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 01 फरवरी, 2025 को अपना आठवां आम बजट पेश कर एक नया इतिहास रचेंगी। वित्त मंत्री ने आज आम बजट 2025-26 को अंतिम रूप दिया।

श्रीमती सीतारमण ने यहां नार्थ ब्लॉक स्थित वित्त मंत्रालय में बजट की तैयारियों में लगे अधिकारियों और मंत्रालय के सचिवों से चर्चा की और बजट को अंतिम रूप दिया। इस दौरान वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी भी मौजूद थे।

यह मोदी 3.0 सरकार का पहला पूर्ण बजट है और बजट

आमतौर पर सुबह 11 बजे लोकसभा में पेश किया जाता है तथा उसके बाद उसे राज्यसभा के पटल पर भी रखा जाता है। वित्त मंत्री के रूप में श्रीमती सीतारमण का यह आठवां बजट होगा, जिसमें अब तक उनके द्वारा पेश किए गए दो अंतरिम बजट भी शामिल हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार की पूरी कोशिश वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की है और वित्त मंत्री का पूरा जोर इस वर्ष भी पिछले वर्ष की तरह ही बुनियादी क्षेत्र (इन्फ्रास्ट्रक्चर) पर व्यय, सामाजिक कल्याण, ग्रामीण भारत के साथ ही अर्थव्यवस्था में हाल में आई नरमी को गति देने के उपायों पर हो सकती है। इसमें आम लोगों विशेषकर नौकरीपेशा लोगों को भी राहत मिल सकती है ताकि उनकी व्यय योग्य आय में वृद्धि हो सके और उनके व्यय से अर्थव्यवस्था को गति देने में मदद मिल सके।

आमतौर पर शनिवार को शेयर बाजार में अवकाश होता है, लेकिन बजट पेश किये जाने के मद्देनजर कल शेयर बाजार खुले रहेंगे। शेयर बाजार द्वारा जारी एक सर्कुलर में इसकी पुष्टि की गई है। शनिवार को बाजार अपने नियमित समय के साथ सामान्य रूप से संचालित होंगे।

इसके साथ ही श्रीमती सीतारमण 10 बार बजट पेश करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के रिकॉर्ड के और करीब पहुंचेंगी।

पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के नाम 10 बार बजट पेश करने का कीर्तिमान है। श्री देसाई ने 1959-1964 के बीच वित्त मंत्री के रूप में लगातार छह बार बजट पेश किए थे और 1967-1969 के बीच चार बार बजट पेश किए थे।

जल्दी होगा तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई में 26 नवंबर 2008 के आतंकवादी हमले के सूत्रधार तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का रास्ता साफ हो गया है और अब भारत एवं अमेरिका की सरकारों के बीच प्रक्रिया को लेकर काम शुरू हो गया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में एक सवाल के जवाब में कहा, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 21

जनवरी 2025 को आरोपियों की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। अब हम मुंबई आतंकी हमले के आरोपी के भारत प्रत्यर्पण के लिए प्रक्रियात्मक मुद्दों पर अमेरिकी पक्ष के साथ काम कर रहे हैं।

श्री जायसवाल ने कहा कि इस बारे में होने वाली प्रगति की सूचना साझा की जाएगी।

कश्मीर में कम बर्फबारी से गर्मियों में पानी की कमी का अंदेशा

जम्मू, 31 जनवरी (ब्यूरो)। कश्मीर में इस साल सर्दियों के मौसम में कम बर्फबारी होने से आने वाले महीनों में पानी की कमी हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि मौसम के बदलते मिजाज के कारण कश्मीर में बर्फबारी की तीव्रता में कमी आई है और इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। मौसम विभाग के निदेशक डॉ. मुख्तार अहमद कहते हैं कि सर्दियों में बर्फबारी आने वाले मौसम के लिए महत्वपूर्ण है। कम बर्फबारी होने की स्थिति में कश्मीर में पानी की कमी और सिंचाई कार्यों में असुविधा होना आम बात हो जाएगी। बर्फबारी न होने के कारण पिछले वर्षों की तरह इस साल भी जनवरी के महीने में अधिकतम तापमान में वृद्धि देखी गई है।

डॉ. अहमद ने कहा, जब भी सूखा रहेगा तापमान में वृद्धि होने की उम्मीद है। इसलिए इस साल भी गर्मी पिछले साल की तरह ही गर्म रहेगी, जब जुलाई में पारा 36.5 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर गया था। मौसम विशेषज्ञ फैजान आरिफ केंग कहते हैं कि मौसम के बदलते मिजाज के कारण कश्मीर में बर्फबारी कम हुई है। लगभग एक दशक पहले कश्मीर में बर्फबारी के रूप में वर्षा देखी जा रही थी, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। कम बर्फबारी के पीछे का कारण ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम के पैटर्न में बदलाव और कश्मीर में तापमान में वृद्धि है। एक समय था जब एक दशक के बाद रिकॉर्ड टूट जाते थे, लेकिन अब हर साल रिकॉर्ड तोड़ तापमान दर्ज किया जाता है, जो कश्मीर में कम बर्फबारी के पीछे एक कारण है।

गौरतलब है कि 2024 में जम्मू कश्मीर में अभूतपूर्व बारिश की कमी देखी गई, जिससे यह पिछले 50 वर्षों में क्षेत्र का सबसे सूखा वर्ष बन गया। आंकड़े बताते हैं कि केंद्र शासित प्रदेश में 2024 में सामान्य वार्षिक औसत 1,232.3 मिमी की तुलना में 870.9 मिमी बारिश हुई, जिससे 29 प्रतिशत कम बारिश हुई। और जनवरी 2025 में, केंद्र शासित प्रदेश ने पहले 29 दिनों में 87 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की है।

चिराग पासवान के रिश्तेदारों ने कराई ईडी की कार्रवाई!

कंपनी की मालकिन पायल ने खा लिया जहर

भोपाल, 31 जनवरी (एजेंसियां)। जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी पर ईडी के छापे के बाद कंपनी के संचालक किशन मोदी की पत्नी 31 वर्षीय पायल मोदी ने जहर खा लिया।

गुरुवार रात उनको गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पायल का एक नोट बरामद किया है जो उसने जहर खाने के पहले सुसाइड नोट की तरह लिखा। उस पत्र में महिला ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और उनके पांच रिश्तेदारों पर वसूली के लिए धमकाने और अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर ईडी द्वारा कार्रवाई कराने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के ठिकानों पर सर्चिंग की कार्रवाई की थी और 25 लाख रुपए नकद, दो लग्जरी कारें, विभिन्न कंपनियों और परिवार के सदस्यों के नाम पर 66 करोड़ रुपए से अधिक की अचल सम्पत्ति और 6.26 करोड़ की एफडी बरामद की थी।

पायल मोदी के सुसाइड नोट में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और उनके पांच अन्य रिश्तेदारों का जिक्र है।

इनमें चंद्रप्रकाश पांडे, वेद प्रकाश पांडे, सुनील त्रिपाठी, भगवान सिंह मेवाड़ा और हितेष पंजाबी के नाम हैं। आरोप है कि ये सभी लोग चिराग पासवान की पॉलिटिकल पावर का इस्तेमाल कर मोदी की कंपनियों पर तरह तरह के आरोप लगा कर छापे डलवा रहे हैं।

अस्पताल में मिल रही सुविधाओं पर घायलों और उनके परिजनों ने सीएम का जताया आभार

महाकुंभ नगर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। मौनी अमावस्या के दिन महाकुंभ में हुए हादसे को लेकर योगी सरकार गंभीर है और स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ घटना की पल-पल मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रयागराज के स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में घायलों को समुचित इलाज दिया जा रहा है। अच्छी चिकित्सा व्यवस्था के साथ ही दवाइयां, टेस्ट और खाना निशुल्क प्रदान किया जा रहा है। घायलों के साथ-साथ उनके तीमारदारों के लिए भी बेहतर व्यवस्था की गई है। उनके भी निशुल्क खाने पीने की व्यवस्था की गई है। यही नहीं, स्वास्थ्य लाभ के बाद रिलीव किए जा रहे मरीज को उनके घर तक पहुंचाने के लिए भी समुचित व्यवस्था की जा रही है। योगी सरकार और अस्पताल द्वारा दी जा रही इन सुविधाओं से मरीज और उनके तीमारदार काफी प्रसन्न हैं और वो इसके लिए उन्हें धन्यवाद के साथ ही आशीर्वाद भी दे रहे हैं।

जौनपुर की 32 वर्षीय संयोगिता यादव भी हादसे का शिकार हो गई थीं। उनकी स्थिति अब ठीक है और डॉक्टर ने उन्हें रिलीव कर दिया है। संयोगिता के भाई विवेक यादव ने बताया कि डॉक्टर से यहां पर उनकी बहन का सीटी स्कैन, एक्सरे व अन्य जरूरी टेस्ट निःशुल्क कराए। अस्पताल के स्टाफ ने हमारे पेशेंट की अच्छे से देखभाल की। दवा उपलब्ध कराई। मरीज के साथ ही तीमारदार को भी खाना उपलब्ध कराया गया और अब हमारे मरीज को घर तक भेजने के लिए एंबुलेंस भी दी जा रही है। हम योगी सरकार का इस सुविधा के लिए आभार जताते हैं।

झारखंड रांची से आई 50 वर्षीय मनोरमा देवी भी हादसे में इंजर्ड हो गई थीं। उनके पति ईश्वरीय दयाल ने बताया कि योगी सरकार ने बहुत अच्छी व्यवस्था की है लेकिन किसी वजह से यह हादसा हो गया। सरकार के निर्देश पर एसआरएन अस्पताल में बहुत अच्छी व्यवस्था की गई है। मरीज को अच्छी से अच्छी चिकित्सा सुविधा दी जा रही है। हमारा मरीज अब पूरी तरह स्वस्थ हो रहा है। इसके लिए हम अस्पताल और डॉक्टर का शुक्रिया अदा करते हैं।

फतेहपुर निवासी 65 वर्षीय सिंह नारायण को हादसे में पैर में चोट लगी थी। तेजी से रिकवरी कर रहे हैं। उन्होंने बताया की अस्पताल में उन्हें बेहतर इलाज मिल रहा है, डॉक्टर और पूरा स्टाफ पूरी तत्परता से सेवा में लगे हुए हैं। उन्होंने सभी का धन्यवाद दिया और खासकर योगी सरकार को मरीजों की देखभाल के लिए चिंता करने पर आशीर्वाद दिया। इसी तरह, लखनऊ की 34 वर्षीय गौरी शर्मा ने भी सीएम योगी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने महाकुंभ की बहुत अच्छी व्यवस्था की है। दुर्भाग्य से यह हादसा हो गया, लेकिन इसके बावजूद सीएम योगी के निर्देश पर उन्हें हर संभव मदद तत्काल मिली। डॉक्टर ने दिन रात मेहनत करके मरीज का ध्यान रखा और उन्हें समुचित इलाज दिलाया।

अस्पताल में भर्ती मरीज हादसे के लिए साजिश से भी इनकार नहीं करते। लखनऊ निवासी गौरी शर्मा ने कहा कि जिस तरह की व्यवस्था की गई थी, कोई हादसा होना संभव नहीं था। यह जानबूझकर कराया गया। इसमें जरूर किसी न किसी की साजिश है, जो की जांच का विषय है। इसी तरह, रांची की मनोरमा देवी ने भी बताया कि स्नान के वक्त करीब 20 युवक दौड़ते हुए आए और श्रद्धालुओं को धक्का देने लगे इसके बाद भगदड़ जैसी स्थिति हो गई। सरकार को इस ओर भी ध्यान देना चाहिए।

एसोसिएट प्रोफेसर सर्जरी डिपार्टमेंट एवं मीडिया प्रभारी मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज डॉ संतोष सिंह ने बताया कि अस्पताल ने कुल 41 घायलों को भर्ती किया गया था जिसमें से 10 को डिस्चार्ज कर दिया गया है। कुछ घायल मरीज शाम तक और डिस्चार्ज हो जाएंगे। सभी मरीजों को समुचित चिकित्सा उपलब्ध कराई गई है और सभी का स्वास्थ्य बेहतर है। एक भी मरीज अब क्रिटिकल नहीं है। मरीज के साथ ही उनके अटेंडेंट को भी निशुल्क खाना दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर मरीजों के इलाज में कहीं कोई कोर कसर नहीं रखी गई है। यहां तक की मरीज के डिस्चार्ज होने पर उन्हें उनके घरों तक छोड़ने के लिए एंबुलेंस हुआ अन्य साधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं

किन्नर महामंडलेश्वर विवाद गहराया

निष्कासन और स्वागतम का दौर तेज

प्रयागराज, 31 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में किन्नर अखाड़े के महामंडलेश्वर पद पर फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी को आसीन किए जाने का विवाद गहरा गया है। किन्नर अखाड़े का खुद को संस्थापक बताने वाले ऋषि अजय दास ने ममता कुलकर्णी और लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को महामंडलेश्वर पद से हटा दिया है। जबकि अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने इस कथित निष्कासन को खारिज करते हुए ऋषि अजय दास के दावे को आधारहीन करार दिया है।

किन्नर अखाड़े के कथित संस्थापक ऋषि अजय दास ने ममता कुलकर्णी को अखाड़े से निष्कासित करने का पत्र जारी किया। उन्होंने आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को भी किन्नर अखाड़े से निष्कासित करने का फरमान सुना दिया। अजय दास ने कहा, अब नए सिरे से अखाड़े का पुनर्गठन किया जाएगा और जल्द ही नए आचार्य महामंडलेश्वर के नाम का ऐलान होगा। उल्लेखनीय है कि बीते शुक्रवार यानी 24 जनवरी को किन्नर अखाड़ा में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महामंडलेश्वर के रूप में ममता कुलकर्णी का पट्टाभिषेक किया गया था। अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी की पहल पर ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बनाया गया था।

इसके बाद से संत समाज का एक वर्ग नाराज था। कई संतों ने ममता के महामंडलेश्वर बनने पर आपत्ति जताई थी। बाबा रामदेव ने तो यहां तक कह दिया कि हर किसी को महामंडलेश्वर बना दे रहे हैं। किन्नर अखाड़े के संस्थापक ऋषि अजय दास ने भी इसे गलत बताते हुए कहा था, आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी अखाड़े में मनमानी कर रहे हैं।

किन्नर अखाड़े से महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी और ममता कुलकर्णी के निष्कासन पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने गहरी नाराजगी जताई है। परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी बोले,

मैं पूछना चाहता हूं कि आचार्य लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को निकालने वाले ऋषि अजय दास कौन हैं। सभी 13 अखाड़ों ने लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी का समर्थन किया है। जूना अखाड़े ने अपने साथ स्नान करने का आश्वासन दिया था और जूना अखाड़ा उन्हें अपने साथ स्नान कराता है।

महंत रवींद्र पुरी ने कहा, मैं कहना चाहता हूं लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी जूना अखाड़े का हिस्सा हैं। जिन्होंने पत्र जारी करके लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को हटाने की बात कही है, मैंने उनका पहली बार नाम सुना है। वह किन्नर अखाड़े का संस्थापक बनना चाहते हैं। हम सभी अखाड़े लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी के साथ हैं। हम सभी उन्हें ही जानते हैं और उनके साथ जो सदस्य हैं हम उनको जानते हैं। आचार्य लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने जितने भी साधु-संत बनाए हैं वह सभी संन्यासी है। जहां तक मुंडन की बात है तो जितने भी किन्नर अखाड़े के सदस्य हैं सबने मुंडन करवाया है और गले में माला धारण किया है। हमको सबको साथ लेकर चलना है। हमें जाति से ऊपर उठकर काम करना है। हम संन्यासी अगर साथ नहीं देंगे तो किन्नर समाज कहां जाएंगे। यह लोग हमारे हैं। आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने भी निष्कासन की कार्रवाई को अनुचित बताया है। उन्होंने कहा कि अजय दास को किन्नर अखाड़े से पहले ही निकाला जा चुका है, वह किस हैसियत से कार्रवाई कर सकते हैं।

स्वयं सहायता समूहों के जरिए ग्रामीण विकास को मिल रही नई दिशा

लखनऊ, 31 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं की आजीविका संवर्धन और उनके सशक्तिकरण के लिए निरंतर सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार का ध्यान न केवल महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुधारने पर है, बल्कि उनके सामाजिक सम्मान और आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा देने पर है। इसी क्रम में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और रेशम विभाग मिलकर प्रदेश के छह जनपदों के 25 विकास खंडों में रेशम उत्पादन कार्यक्रम को सफलतापूर्वक लागू किया जा रहा है।

योगी सरकार द्वारा गठित स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं के लिए परिवर्तनकारी साबित हो रहे हैं। सरकार के सहयोग और विभिन्न विभागों के समन्वय से महिलाओं की आय में न केवल वृद्धि हुई है, बल्कि उनके जीवन स्तर और सामाजिक सम्मान में भी बड़ा बदलाव देखा गया है। रेशम उत्पादन कार्यक्रम इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है, जो महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में सहायक हो रहा है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत मिशन स्टाफ और रेशम सखियों के लिए क्षेत्र भ्रमण और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के लिए 3 फरवरी से 20 फरवरी के मध्य एक प्रशिक्षण कैलेंडर तैयार किया गया है। इस दौरान विभिन्न चरणों में महिलाओं को रेशम उत्पादन की आधुनिक तकनीकों और प्रबंधन के बारे में प्रशिक्षित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण न केवल उनके कौशल को बढ़ाएगा, बल्कि उन्हें उद्योग की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार तैयार भी करेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में महिलाओं की आजीविका को सशक्त बनाने के लिए दीर्घकालिक योजनाएं बनाई हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएं। रेशम उत्पादन के अलावा, सरकार हस्तशिल्प, कृषि आधारित उद्योगों और स्थानीय उत्पादों के प्रोत्साहन के लिए भी कई योजनाओं पर काम कर रही है। अभी हाल ही में आयोजित अकांक्षा हाट 2024 ने इन प्रयासों को और मजबूत किया है। इस हाट के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए गए उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रदर्शित किया गया। इस तरह की पहल से स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा और महिलाओं को अपनी प्रतिभा को पहचानने और आर्थिक रूप से सशक्त बनने का अवसर मिलेगा।

रेशम उत्पादन कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश के कई जिलों में रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हुए हैं। बरेली, गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, बस्ती, देवरिया और अयोध्या जैसे जनपदों में महिलाओं ने रेशम उद्योग के माध्यम से अपनी आमदनी में उल्लेखनीय वृद्धि की है। सरकार का लक्ष्य है कि इस कार्यक्रम को अन्य जनपदों तक भी विस्तारित किया जाए, ताकि अधिक महिलाओं को इसका लाभ मिल सके।

राज्य सरकार के प्रयासों ने ग्रामीण विकास और महिलाओं के सशक्तिकरण को नई दिशा दी है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं अब न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधार रही हैं, बल्कि अपने बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी अधिक ध्यान दे पा रही हैं।

महाकुंभ कवर करने आए इटैलियन फोटोग्राफर ने कहा

विशाल जनसमूह के ऐसे प्रबंधन की मिसाल दूसरी मिसाल नहीं

महाकुंभनगर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ-2025 में मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का साक्षी बनने और इस समृद्ध विरासत की एक झलक देखने की लालसा केवल भारतीयों में ही नहीं, दुनियाभर के लोगों में है। यही कारण है कि सकल विश्व से लोग महाकुंभ के महा आयोजन का साक्षी बनने स्वतः ही खिंचे चले आ रहे हैं। इसी क्रम में, कुछ दिनों पहले एक वीडियो वायरल होता है जिसमें एक विदेशी शख्स भंडारे से मिला खाना बड़े चाव से खाता दिखता है और लोग उसे हैरी पॉटर की संज्ञा देते हुए प्रचारित करना शुरू कर देते हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियोज में हैरी पॉटर फेम यह शख्स कोई और नहीं, इटली के निकोलो ब्रुग्नारा हैं। महाकुंभ में मिल रहे फेम का आनंद लेते हुए निकोलो महाकुंभ, यूरोप, भारत, योग और योगी सरकार के बारे में भी कई बातें बताते हुए मुक्त कंठ से तारीफ करते हुए नहीं थकते हैं।

निकोलो इटली की न्यूज एजेंसी द्वारा बतौर कैमेरामैन महाकुंभ मेला कवर करने आए हैं और यहां महाकुंभ पर बन रही एक डॉक्यूमेंटरी का भी हिस्सा हैं। वह आए तो थे महाकुंभ की खबरें कवर करने, तस्वीरें खींचने, मगर अब खुद

खबर बन गए हैं और इसका कारण सोशल मीडिया से मिल रही पॉपुलैरिटी है।

लोग उनके साथ सेल्फी लेने, रील्स बनाने और इंटरैक्ट करने को बेताब हैं और निकोलो ने खुद कभी नहीं सोचा था कि अपने देश से दूर वह इस तरह फेमस हो जाएंगे। निकोलो ब्रुग्नारा खुद को बेहद भाग्यशाली मानते हैं कि इटली से वह महाकुंभ की कवरेज करने आए। उनके अनुसार, एक सीमित क्षेत्र में करोड़ों लोगों का यूं जुटना, स्नान-पूजन व ध्यान करना और छिटपुट घटनाओं के इतर इतने समायोजित तरीके से पूरी प्रक्रिया का प्रबंधित होना किसी अचरज से कम नहीं है। उनके अनुसार, भारत की महानता इसी बात में है कि भारत सबको बड़े प्यार से अपना अंग बना लेता है। यहां करोड़ों लोग जिस प्रकार स्वयं जुटकर शांतिपूर्वक पूजा-आराधना कर रहे हैं यह अकल्पनीय दृष्य है। उनका मानना है कि यूरोप में तो इस तरह के दृश्य के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता है, क्योंकि आबादी के साथ ही व्यवहार के लिहाज से भी यूरोपीय देशों के लिए इतने विशाल जनसमुद्र को समायोजित करना असंभव है।

निकोलो ने महाकुंभ के आयोजन को लेकर डबल इंजन की सरकार और विशेषकर योगी सरकार व स्थानीय मेला प्रशासन की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह खुद योग प्रैक्टिशनर हैं और उन्हें पता है कि योग की शक्ति से क्या कुछ नहीं हो सकता। सीएम योगी की कार्यप्रणाली से प्रभावित दिखे निकोलो का मानना है कि जो योगी जो कर सकते हैं वह किसी और के बस की बात नहीं है।

निकोलो को इस बात पर अचरज है कि उन्होंने तो कभी खुद की तुलना हैरी पॉटर का किरदार निभाने वाले एक्टर डैनियल रैडक्लिफ से नहीं की। उनके अनुसार, डैनियल से कहीं ज्यादा सुंदर तो वह खुद हैं, मगर सोशल मीडिया पर भंडारे का खाना खाते किसी शख्स ने उनका वीडियो वायरल कर दिया और तभी से वह हैरी बनकर महाकुंभ में जादुगरी के मिथकीय विश्वविद्यालय हॉगवर्ड्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। निकोलो एक कुशल कैमरामैन हैं और वह महाकुंभ यह सोचकर आए थे कि उनकी खींची तस्वीरें उन्हें प्रसिद्धि दिलाएंगी। मगर, महाकुंभ में मिल रही पॉपुलैरिटी को चमत्कार मानते हुए निकोलो का कहना है कि उन्होंने कभी इस तरह लोगों के आकर्षण का केंद्र बनने की बात नहीं सोची थी। उनके अनुसार, लोगों से मिल रहा प्यार अभिभूत कर देने वाला है। उन्होंने किस्से-कहानियों में सुना था कि भारत चमत्कार का देश है और अब एक चमत्कार ने ही उनकी जिंदगी बदलकर रख दी है

श्रद्धालुओं के जनसमुद्र की मदद के लिए उतरा प्रयागराज

आसपास के जिलों के लोग भी कर रहे सहयोग

महाकुंभनगर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभनगर में उमड़ रहे आस्था के जनसमुद्र को संभालने और सहयोग के लिए उत्तर प्रदेश के हर कोने से लोग तत्पर दिख रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से हर धर्म, वर्ग और समुदाय के लोग श्रद्धालुओं की मदद के लिए आगे बढ़कर आ रहे हैं। प्रयागराज के साथ लखनऊ, अयोध्या, काशी, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, कौशांबी, चित्रकूट, मिर्जापुर तक के लोग श्रद्धालुओं के भोजन-पानी का इंतजाम कर रहे हैं। वहीं, डॉक्टर से लेकर शिक्षक तक लोगों की सेवा के लिए मैदान में उतर पड़े हैं। दुनिया में पहली बार इतना भारी जनसैलाब उमड़ रहा है।

इसीलिए देशभर के श्रद्धालुओं के लिए सीएम योगी के प्रयासों से प्रभावित होकर समूचे यूपी वाले श्रद्धालुओं के सहयोग के लिए मैदान में उतर पड़े हैं। उम्मीद से भी अधिक श्रद्धालुओं को देखते हुए इंग्लैंड के रोबोटिक सर्जन से लेकर प्रदेश के बड़े हार्ट स्पेशलिस्ट और वैस्कुलर सर्जन तक आगे बढ़कर सामने आ रहे हैं। यहां तक कि मेले में आने वाले लोगों के लिए स्कूलों और धार्मिक स्थलों के दरवाजे खोल दिए गए हैं।

स्कूलों और धार्मिक स्थलों के दरवाजे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। प्रयागराज में द पॉम एकेडमी के 65 लोगों की टीम रेलवे स्टेशन और आसपास के एरिया में श्रद्धालुओं के लिए मुफ्त पानी और भोजन का इंतजाम कर रही है। जिन लोगों को कहीं आने-जाने में असुविधा हो रही है, उनके लिए वैन से खाने के पैकेट बांटे जा रहे हैं। इसके साथ ही स्कूल के 12 कैमरे लोगों के ठहरने के लिए तैयार किए गए हैं। इसी तरह कई अन्य स्कूलों के कर्मचारियों को श्रद्धालुओं की मदद करते हुए सड़क पर देखा जा सकता है। यूपी सरकार के सहयोग के साथ इंग्लैंड के रोबोटिक सर्जन से लेकर स्थानीय अध्यापक तक श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे हैं। लखनऊ के अपोलो अस्पताल में डॉक्टरों की पूरी टीम श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य समस्याओं का ऑनलाइन समाधान कर रही है। वहां प्रदेश के जानेमाने वैस्कुलर सर्जन डॉ यशपाल सिंह श्रद्धालुओं का ऑनलाइन उपचार कर रहे हैं। इसके अलावा इंग्लैंड से रोबोटिक सर्जरी के विशेषज्ञ डॉ. वलीउल्लाह सिद्दीकी लखनऊ से प्रयागराज आकर लोगों का उपचार कर रहे हैं। इनके अलावा मेदांता हॉस्पिटल के हार्ट स्पेशलिस्ट डॉक्टर अविनाश कुमार सिंह महाकुंभनगर में आने वाले श्रद्धालुओं का लखनऊ और अयोध्या से ही ऑनलाइन उपचार कर दवाएं उपलब्ध करा रहे हैं।

अयोध्या, सुल्तानपुर और प्रतापगढ़ से प्रयागराज आने वाले मार्गों पर लोग पानी और खाने के पैकेट लेकर श्रद्धालुओं की मदद करते बड़ी संख्या में देखे जा रहे हैं। सीएम योगी से प्रभावित होकर यूपी की जनता ने इस महाकुंभ में धर्म और इंसानियत का जो संगम दिखाया, वह देशभर के लिए एक मिसाल बन रहा है। प्रयागराज में प्रवेश करते ही आस्था, श्रद्धा, सामाजिक समरसता और सद्भाव का रूप दिखने को मिल रहा है। त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाने के लिए प्रतिदिन श्रद्धालुओं का रेला महाकुंभनगर पहुंच रहा है। इस दौरान सनातन श्रद्धालुओं के साथ मुस्लिमों ने भी पुष्प और अंगवस्त्र देकर उनका स्वागत किया। पुराने शहर के चौक इलाके में जामा मस्जिद के बाहर बड़ी संख्या में जुटे लोगों ने हर हर गंगे के उदघोष के साथ श्रद्धालुओं का स्वागत किया। इसके बाद श्रद्धालुओं को अंगवस्त्र और पुष्प देकर रवाना किया गया।

नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह और राजमाता ने गोरक्षपीठ में टेका मत्था

गोरखपुर, 31 जनवरी (एजेंसियां)। निजी यात्रा पर गोरखपुर आए नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र वीर विक्रम शाह ने शुक्रवार को गोरक्षपीठ में मत्था टेका। विधि विधान से शिवावतार गुरु गोरक्षनाथ का दर्शन पूजन किया। उनके साथ उनकी धर्मपत्नी और परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने के लिए नेपाल के पूर्व नरेश गुरुवार रात ही गोरखपुर आ गए थे। शुक्रवार को अपराह्न चार बजे वह अपनी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ गोरखनाथ मंदिर पहुंचे और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मंदिर के गर्भगृह में गुरु गोरखनाथ का विधि विधान से दर्शन पूजन किया। इसके बाद मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए वह राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर आए और शीश नवाकर उनका आशीर्वाद लिया। मंदिर का प्रसाद ग्रहण करने के बाद नेपाल के पूर्व नरेश आगे की यात्रा के लिए रवाना हो गए।

संपादकीय

भीड़ की त्रासदी है

अंततः साबित हो गया कि महाकुंभ प्रयागराज में 'त्रासद हादसा' हुआ। भीड़ के कारण भगदड़ मची। भगदड़ वैसी ही थी, जैसी इतिहास में दर्ज हैं और हम कई बार देख-सुन चुके हैं। जिंदगी एक भी बेहद अमूल्य है, वह किसी भी सूरत में कुचली नहीं जानी चाहिए। यह अक्षम्य मानवीय अपराध तय होना चाहिए। मौत निश्चित और अपरिहार्य है, लेकिन मौत वह होनी चाहिए, जो नियति ने तय की हो। क्या महाकुंभ की त्रासदी को भी नियति मान लिया जाए? महाकुंभ में करोड़ों श्रद्धालु पुण्य कमाने गए थे और अब भी जा रहे हैं, प्रधानमंत्री मोदी ने भी उन्हें 'पुण्यात्मा' माना है, वे पूर्णतः आस्थामय थे, लिहाजा पवित्र संगम घाट से 200 मीटर की दूरी तक पहुंच गए थे। फिर उनकी आस्था अधूरी क्यों रही? शायद यही नियति हो! बहरहाल भगदड़ मची और सोते, विश्राम करते भक्त भीड़ की कुचलियों तले फंस गए। कुचलन के कारण 30 मौतें हो गईं, 60 घायल हुए। उनमें से 36 लोग अब भी अस्पताल में उपचाराधीन हैं। महाकुंभ की यह त्रासदी विश्व भर के मीडिया में छाई है। बड़े-बड़े अखबारों में सुर्खियां, विश्लेषण छापे जा रहे हैं कि भारत इतने व्यापक स्तर पर भीड़ का प्रबंधन करने में नाकाम रहा। सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या कुंभ जैसे अपरिमित जन-आयोजन भारत में किए जाने चाहिए? भारत के सुरक्षाकर्मी भीड़ को नियंत्रित कर रहे थे अथवा महज अपीलें जारी कर रहे थे? अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भारत-विरोधी अभियान-सा छिड़ गया लगता है। बेशक भगदड़ें होती रही हैं, धार्मिक स्थलों पर ज्यादा हुई हैं, लिहाजा ऐसी त्रासदियों को भी नियति माना जाए। दुनिया भर में भयानक और वीभत्स हत्याएं भी की जाती रही हैं। यह एक निरंतर अपराध है। कुंभ या किसी भी जन-सैलाब के दौरान भगदड़ और बर्बर हत्याओं को मीडिया में 'बैनर सुर्खियों' के तौर पर छापा जाता रहा है। कई दिनों तक विश्लेषण भी प्रकाशित किए जाते रहे हैं, लेकिन अलजाइमर की बीमारी दुनिया भर में मौतों की 7वीं सबसे बड़ी और तय कारण है, लेकिन उसकी खबर एक कोने में छपती है। कई बार तो नजरअंदाज भी कर दिया जाता है। सडक़ दुर्घटनाओं में सालाना लाखों मौतें होती हैं, लेकिन इन्हें भी सुर्खियां नहीं बनाया जाता। कोरोना महामारी की खबर तब तक एक कोने में, अंदर के पन्नों पर, छपती रही, जब तक भारत में मौतों का आंकड़ा निरंतर और भयावह नहीं हो गया। दरअसल भारत एक संकरा और भीड़-भाड़ वाला देश है। आबादी करीब 145 करोड़ है और निरंतर बढ़ रही है। गौरतलब है कि भारत में 9 शहर ऐसे हैं, जिनकी आबादी 70 लाख से ज्यादा है। करीब 46 शहर ऐसे हैं, जिनकी आबादी 10 लाख से अधिक है। इन शहरों के पास ऐसे मैदान भी नहीं हैं, जहां 5 लाख की भीड़ को एक जगह संभाल लिया जाए। देश में कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है, जहां एक दिन में 8-10 करोड़ लोगों की भीड़ जमा हो सके और कोई हादसा भी न हो। हमारे रेलवे स्टेशनों पर इतनी भीड़ हो जाती है कि अक्सर भगदड़ के आसार बनते रहते हैं। फिर महाकुंभ में करोड़ों की भीड़ के प्रबंधन और नियंत्रण के दावे क्यों किए गए? पुण्य स्नान के लिए लोगों को आमंत्रण क्यों दिया जाता रहा? बेशक मेला क्षेत्र 4000 हेक्टेयर में फैला है। यह अभूतपूर्व है। सुरक्षाकर्मी 70,000 से अधिक तैनात किए गए हैं, लेकिन स्नान की होड़ में भीड़ उनके निर्देशों को भी नहीं मानती। दरअसल भारत के ज्यादातर लोग धर्म-भीरू हैं, आस्तिक आत्माएं कम हैं, लिहाजा भक्त 10-15 किलोमीटर पैदल चलते रहे, धक्के खाते रहे, संघर्ष करते रहे, क्योंकि उन्हें 'अमृत स्नान' करना था। बहरहाल महाकुंभ की त्रासदी पर न तो इंजीनियर बनें और न ही राजनीतिक विद्वेष फैलाएं। हमें भीड़-तंत्र के विज्ञान को समझना होगा, नहीं तो त्रासदियां भी अपरिहार्य ही रहेंगी।

महाकुंभ की त्रासदी को भी नियति मान लिया जाए? महाकुंभ में करोड़ों श्रद्धालु पुण्य कमाने गए थे और अब भी जा रहे हैं, प्रधानमंत्री मोदी ने भी उन्हें 'पुण्यात्मा' माना है, वे पूर्णत: आस्थामय थे, लिहाजा पवित्र संगम घाट से 200 मीटर की दूरी तक पहुंच गए थे। फिर उनकी आस्था अधूरी क्यों रही? शायद यही नियति हो! बहरहाल भगदड़ मची और सोते, विश्राम करते भक्त भीड़ की कुचलियों तले फंस गए। कुचलन के कारण 30 मौतें हो गईं, 60 घायल हुए। उनमें से 36 लोग अब भी अस्पताल में उपचाराधीन हैं। महाकुंभ की यह त्रासदी विश्व भर के मीडिया में छाई है। बड़े-बड़े अखबारों में सुर्खियां, विश्लेषण छापे जा रहे हैं कि भारत इतने व्यापक स्तर पर भीड़ का प्रबंधन करने में नाकाम रहा। सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या कुंभ जैसे अपरिमित जन-आयोजन भारत में किए जाने चाहिए? भारत के सुरक्षाकर्मी भीड़ को नियंत्रित कर रहे थे अथवा महज अपीलें जारी कर रहे थे? अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भारत-विरोधी अभियान-सा छिड़ गया लगता है। बेशक भगदड़ें होती रही हैं, धार्मिक स्थलों पर ज्यादा हुई हैं, लिहाजा ऐसी त्रासदियों को भी नियति माना जाए।

विश्व की तीसरी सबसे बड़ी वैज्ञानिक और तकनीकी जनशक्ति भी हमारे यहां

वैज्ञानिकों पर भरोसे के मामले में भारत दूसरे नंबर पर

तमाम चुनौतियों के बावजूद भारत में वैज्ञानिकों एवं उनके रिसर्च वर्क के प्रति आम आदमी का विश्वास और सम्मान कायम है। अंतराष्ट्रीय जर्नल नेचर ह्यूमन बिहेवियर में प्रकशित नए अध्ययन के अनुसार मिस्र के बाद 68 देशों में भारत को वैज्ञानिकों पर भरोसे के मामले में दूसरे पायदान पर है। मिस्र शीर्ष पर है. उसके बाद भारत, नाइजीरिया, केन्या और ऑस्ट्रेलिया को रखा गया है। इसी तरह अमेरिका को बारहवें जबकि ब्रिटेन को 15वें स्थान पर रखा गया है

यह भारतवासियों के लिए खुशी की खबर है, साथ ही विश्व पटल पर सम्मान की बात भी है। तमाम चुनौतियों के बावजूद भारत में वैज्ञानिकों एवं उनके रिसर्च वर्क के प्रति आम आदमी का विश्वास और सम्मान कायम है। अंतराष्ट्रीय जर्नल नेचर ह्यूमन बिहेवियर में प्रकशित नए अध्ययन के अनुसार मिस्र के बाद 68 देशों में भारत को वैज्ञानिकों पर भरोसे के मामले में दूसरे पायदान पर है। मिस्र शीर्ष पर है. उसके बाद भारत, नाइजीरिया, केन्या और ऑस्ट्रेलिया को रखा गया है। इसी तरह अमेरिका को बारहवें जबकि ब्रिटेन को 15वें स्थान पर रखा गया है। वहीं इन 68 देशों में अल्बानिया सबसे निचले पायदान पर है। यह अध्ययन हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की विक्टोरिया कोलोग्ना और ज्यूरिख यूनिवर्सिटी के नील्स जी मेडे के नेतृत्व में 169 संस्थानों के 241 शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम द्वारा किया है। इसमें बाथ विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ भी शामिल थे। इस सर्वेक्षण में शोधकर्ताओं ने 71,922 लोगों से उनकी राय ली है।

दरअसल, वैज्ञानिक समाज में महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं। यह वैज्ञानिक ही हैं जिन्होंने मानव की जिंदगी को साल दर साल आसान ही बनाया है लेकिन क्या आम जनता भी विज्ञान और वैज्ञानिकों पर भरोसा करती है जो हमारे भविष्य को आकार दे रहे हैं, इन्हीं सवालों के जबाव ढूंढने के लिए शोधकर्ताओं ने भारत सहित 68 देशों में आम लोगों पर एक सर्वेक्षण किया था। सुखद बात यह रही कि इसमें सामने आया कि दुनिया के अधिकांश लोग अब भी वैज्ञानिकों पर भरोसा करते हैं। महिलाओं और बुजुर्गों का वैज्ञानिकों पर भरोसा पुरुषों और युवाओं से कहीं ज्यादा है। इसके साथ ही शहरी, शिक्षित और आर्थिक रूप से समृद्ध लोग वैज्ञानिकों पर अधिक विश्वास करते हैं। निष्कर्ष कुछ चिंताजनक पहलुओं को भी उजागर करते हैं। वैश्विक स्तर पर महज 42 फीसदी लोग मानते हैं कि वैज्ञानिक दूसरों के विचारों पर ध्यान देते हैं।

कुछ लोगों को यह भी लगता है कि वैज्ञानिक प्राथमिकताएं हमेशा

उनकी प्राथमिकताओं से मेल नहीं खाती। अध्ययन के नतीजे दर्शाते हैं लोगों का वैज्ञानिकों पर भरोसा मजबूत है. फिर भी इसे बनाए रखने के लिए कुछ चुनौतियां हैं। ऐसे में इस भरोसे को कायम रखने के लिए शोधकर्ताओं ने सिफारिश की है कि वैज्ञानिकों से बात करनी चाहिए और उनकी राय लेनी चाहिए। अध्ययन में यह भी सामने आया है कि आमतौर पर भारतीय वैज्ञानिकों की काबिलियत और समाज कल्याण में उनके योगदान को सकारात्मक रूप से देखते हैं। अध्ययन इस बात को भी दर्शाता है कि विज्ञान के प्रति भारतीयों की मजबूत आस्था है। 78 फीसदी लोगों ने माना कि वैज्ञानिक महत्वपूर्ण शोध करने में सक्षम हैं। वहीं 57 फीसदी लोग वैज्ञानिकों को ईमानदार मानते हैं। इसी तरह 56 फीसदी का विचार है कि वैज्ञानिक समाज की भलाई के बारे में सोचते हैं। हालांकिए 42 फीसदी लोग ऐसे भी हैंए जिन्हें लगता है कि वैज्ञानिक दूसरों की बातों पर ध्यान देते हैं। इसी तरह ज्यादातर ;83 फीसदी लोगों का मानना है कि वैज्ञानिकों को अपना काम जनता के साथ साझा करना चाहिए। हालांकि 23 फीसदी लोगों का मानना है कि वैज्ञानिकों को विशिष्ट नीतियों को बढ़ावा देने से बचना चाहिए, जबकि 52 फीसदी का मानना है कि वैज्ञानिकों को नीति निर्माण में बड़ी भूमिका निभानी चाहिए।

वैज्ञानिक अप्रोच से ही देश का समुचित विकास संभव : किसी भी देश का विकास वहाँ के लोगों के विकास के साथ जुड़ा हुआ होता है। इसके मद्देनज़र यह ज़रूरी हो जाता है कि जीवन के हर पहलू में विज्ञान.तकनीक और शोध कार्य अहम भूमिका निभाएं। विकास के पथ पर कोई देश तभी आगे बढ़ सकता है जब उसकी आने वाली पीढ़ी के लिये सूचना और ज्ञान आधारित वातावरण बने और उच्च शिक्षा के स्तर पर शोध तथा अनुसंधान के पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हों। इसमें दो राय नहीं है कि भारतीय वैज्ञानिकों का जीवन और कार्य प्रौद्योगिकी विकास तथा राष्ट्र निर्माण के साथ गहरी मौलिक अंतःदृष्टि के एकीकरण का शानदार उदाहरण रहा है। लेकिन कुछ तथ्य ऐसे भी हैं जो इशारा करते हैं कि भारत आज विश्व में वैज्ञानिक प्रतिस्पर्द्धा के क्षेत्र में कहाँ ठहरता हैघ् भारत की अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में क्या स्थिति हैघ् आखिर क्यों भारत शोध कार्यों के मामले में चीनए जापान जैसे देशों से पीछे हैघ् ऐसी कौन.सी चुनौतियाँ हैं जो अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में भारत की प्रगति के पहिये को रोक रही हैंघ् इस दिशा में क्या कुछ समाधान किये जा सकते हैं. यूनेस्को के अनुसारए ज्ञान के भंडार को बढ़ाने के लिये योजनाबद्ध ढंग से किये गए सृजनात्मक कार्य को ही रिसर्च यानी अनुसंधान एवं डेवलपमेंट यानी विकास कहा जाता है।

अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां : इंडियन साइंस एंड रिसर्च एंड डेवलपमेंट इंडस्ट्री रिपोर्ट के अनुसार भारत बुनियादी अनुसंधान के क्षेत्र में शीर्ष रैंकिंग वाले देशों में शामिल है ।विश्व की तीसरी सबसे बड़ी वैज्ञानिक और तकनीकी जनशक्ति भी भारत में ही है। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद ;ब्प्ैद्ध द्वारा संचालित शोध प्रयोगशालाओं के ज़रिये नानाविध शोधकार्य किये जाते हैं। भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी देशों में सातवें स्थान पर है। मौसम पूर्वानुमान एवं निगरानी के लिये प्रत्युष नामक शक्तिशाली सुपरकंप्यूटर बनाकर भारत इस क्षेत्र में जापानए ब्रिटेन और अमेरिका के बाद चौथा प्रमुख देश बन गया है। नैनो तकनीक पर शोध के मामले में भारत दुनियाभर में तीसरे स्थान पर है।

दृष्टि कोण

शिया पंथ-इस्लाम पंथ का बढ़ता विवाद

पिछले दिनों कश्मीर में शिया पंथ के लोगों को लेकर इस्लाम पंथ के पैरोकारों में एक मामला तूल पकडऩे लगा था। उस पर चर्चा करने के लिए शिया पंथ और इस्लाम पंथ के मूल विवाद को जान लेना जरूरी है। दरअसल हजरत मोहम्मद (सल्ल) के पैरोकारों के दो अलग-अलग पंथ कर्बला के युद्ध के बाद ही बन गए थे। एक इस्लाम पंथ के नाम से प्रसिद्ध हुआ, जिसके पैरोकार मुसलमान कहलाए जाने लगे और दूसरा शिया पंथ के नाम से प्रसिद्ध हो गया। इसे इतिहास का दुर्योग ही कहा जाएगा कि दोनों हजरत मोहम्मद साहिब में ईमान रखते हैं, लेकिन उसके बावजूद एक दूसरे के सामने आ जाते हैं। शिया पंथ के अनुयायी हजरत मोहम्मद को तो मानते हैं, लेकिन उसके बाद उनका रास्ता मुसलमानों/इस्लाम पंथियों से अलग हो जाता है। इस्लाम पंथ के अनुयायी हजरत मोहम्मद के देहावसान के बाद के चार खलीफाओं यानी अबू बकर, उमर, उस्मान और अली (इन चार खलीफाओं को वे राशिदुन खलीफा कहते हैं) के अस्तित्व को स्वीकारते हैं और उसके बाद उत्तराधिकारी की परम्परा को समाप्त मान लेते हैं। लेकिन शिया पंथ के लोग पहले के तीन खलीफाओं को मान्यता नहीं देते। वे हजरत मोहम्मद के बाद हजरत अली को ही मान्यता देते हैं। चौथे खलीफा हजरत अली, हजरत मोहम्मद (सल्ल) के दामाद थे। उनकी किसी मुसलमान ने मस्जिद में नमाज पढ़ते हुए हत्या कर दी थी। इतना ही नहीं, उनके बेटे हसन को भी कहा जाता है जहर देकर मरवा दिया था। इसके बाद भी बस नहीं, उनके बचे हुए बेटे हुसैन को कर्बला के मैदान में धोखे से बुलाकर परिवार सहित हत्या कर दी गई थी।

इस प्रकार पूरा वंश ही समाप्त कर दिया गया ताकि उत्तराधिकार का मसला ही बंद हो जाए। मुसलमानों के इस अमानुषिक आचरण के विरोध में, कर्बला में हुए इस नरसंहार के बाद शिया पंथ के नाम से एक नया पंथ शुरू हो गया। अंग्रेजी में शिया पंथ का अनुवाद ही 'अली की पार्टी' किया जाता है। देखते ही देखते, आज का ईरान और ईराक इस्लाम पंथ को छोडक़र शिया पंथ का अनुयायी हो गया। इस्लाम पंथ को मानने वाले दुनिया के दूसरे देशों में भी बहुत से इस्लाम पंथी बाद में शिया पंथ के अनुयायी हो गए, लेकिन ईरान और ईराक को छोडक़र अन्य स्थानों पर वे अल्पमत में ही हैं। इस्लाम पंथ और शिया पंथ के शिष्यों में विवाद की जड़ में कर्बला का वह युद्ध बहुत महत्वपूर्ण पड़ाव है। शिया पंथ के लोग कर्बला की उस घटना को हर साल दुनिया भर में याद करते हैं। उसकी याद में ताजिया निकालते हैं। अली के बेटे हुसैन को जब मुसलमानों ने मारा, तो उनके कष्ट को अनुभव करने के लिए शिया पंथी अपने शरीर पर कोड़े मारते हुए लहूलुहान हो जाते हैं। इतना ही नहीं, 'हा हुसैन, हम न हुए' के नारे लगाते हैं। यानी उन्हें अफसोस है कि उस अमानवीय नरसंहार के वक्त हम कर्बला के मैदान में नहीं थे। यदि हम वहां होते तो जरूर न्याय की इस लड़ाई में अपनी जान दे देते। जाहिर है मुसलमानों को शिया पंथियों का हर साल का यह प्रदर्शन और रुदन चुभता है। कोई भी कौम अपने इतिहास के अंधेरे पक्ष का सामना नहीं करना चाहती। वह यह भी नहीं चाहती की शिया पक्ष बार बार उसका प्रदर्शन करके उसे चिढ़ाए। लेकिन शिया पंथ की तो शुरुआत ही कर्बला के उस मैदान से होती है, अतः वह उसे कैसे भूल सकता है? यही कारण है कि अनेक स्थानों पर कर्बला युद्ध का वह ऐतिहासिक दिन आज भी शिया पंथियों और मुसलमानों के बीच में एक बार फिर कर्बला का मैदान बन जाता है। दोनों पक्षों में दंगा हो जाता है जिसमें कई निर्दोष लोगों की जान चली जाती है। पाकिस्तान ने तो सारी हदें तोड़ दी हैं। वहां तो शिया इबादतखानों (शिया पंथी भी अपने इबादतखानों को मस्जिद ही कहते हैं) पर बाकायदा बम विस्फोट किए जाते हैं ताकि शिया पंथी किसी स्थान पर एकत्रित न हो सकें। शिया पंथ के अनुयायियों और मुसलमानों में विवाद का एक दूसरा कारण भी है। शिया पंथ के लोग ताजिए के नीचे से अपने बच्चों को निकालते हैं। उनका मानना है कि इससे बच्चों को हजरत हुसैन का आशीर्वाद मिल जाता है और वे जीवन में रोगों से मुक्त रहते हैं। इसी प्रकार वे ताजिया पर चढ़ावा शीरनी, शर्बत इत्यादि भी चढ़ाते हैं। यही चढ़ावा श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में दिया जाता है।

इन सभी कारणों से मुसलमान, ताजिए की तुलना मूर्तिपूजा से करते हैं। उनके अनुसार ताजिया एक प्रकार से हजरत हुसैन का प्रतीक ही है। मूर्ति भी प्रतीक ही होती है। मूर्ति पर भी चढ़ावा चढ़ाया जाता है और प्रसाद बंटता है। इस्लाम में न तो प्रतीक रूप में मूर्ति की अनुमति है और न ही मूर्ति पूजा की। लेकिन इस्लाम पंथ को मानने वाले यह नहीं सोचते कि वे इस्लाम का कर्मकांड, शिया पंथ पर कैसे लाद सकते हैं? न्याय के लिए जिस प्रकार का युद्ध कर्बला के मैदान में लड़ा गया था, क्या उनके पास इतिहास का कोई ऐसा गौरवशाली क्षण है। हिंदुस्तान के बारे में दुनिया भर के शिया पंथियों का एक नरम कोना है। जिस समय मुसलमान हजरत अली के परिवार को बेरहमी से मार रहे थे और दुनिया के बाकी लोग महज तमाशा देख रहे थे, उस समय मोहयाल ब्राह्मणों का एक वर्ग हुसैन के पक्ष में मुसलमानों से लड़ा था। न्याय की इस लड़ाई में अनेकों मोहयाल ब्राह्मणों ने भी बलिदान दिया था।

कुछ अलग

हिंदी लेखक प्रा. लि. कंपनियां

जीवन के हर क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं। हिंदी साहित्य भला परिवर्तन की इस क्रांति से कैसे अछूता रह सकता है, सो यहां भी लिखने के कारखाने खुल गए। फैक्ट्रियां चल निकलीं, अनेक लेखकों ने प्राइवेट लिमिटेड कम्पनियां बना डालीं। वहां हर तरह के माल का उत्पादन होने लगा। एक ही लेखक से कविता, कहानी, व्यंग्य, उपन्यास, आलोचना, फिल्म, खेल, महिला, बालोपयोगी तथा रसोईघर से सम्बन्धित सामग्री अब ली जा सकती है। लेखक एक है, नाम अनेक हैं। अनेक लेखक तो ऐसे भी निकले जिन्होंने अखबारों की आवश्यकता को देखते हुए समसामयिक राजनीतिक सामग्री के अलावा ज्योतिष, रहस्य-रोमांच, विज्ञान तथा ब्रह्माण्ड से सम्बन्धित विषयों पर भी लिखा। प्रा. लि. कम्पनियों का उद्भव और विकास ज्यादा पुराना नहीं है। पहले के लेखक बेवकूफ थे। वे बड़ा क्लासिक व स्तरीय साहित्य मिशनरी रूप में लिखते रहे। अब न तो कोई महाकाव्य लिखता है और न ही कोई खण्डकाव्य। जिन कार्यों में मेहनत होती है, उसे छोड़ कर शार्टकट अपनाए गए तथा कम समय में स्थापित होने की ललक बढऩे लगी। यह कम्पनियां उद्भव के साथ ही विकसित हो गईं। प्रारम्भ में इस क्षेत्र में वे लोग आए जो सभी विषयों पर लिखा करते थे। वे महापुरुषों के अनमोल वचन तथा चुटकले तक भी लिख लेते थे-अतः उन्हें अपने अकेले नाम के अलावा दूसरे नामों की जरूरत हुई। उन्होंने घर के सदस्यों के नामों से तथा अन्य पैर नेम्स से लिखना शुरू किया। समाचार-पत्रों व पत्रिकाओं के सम्पादकों को बड़ी सुविधा हो गई। उन्हें व्यर्थ की माथाफोड़ी नहीं करनी पड़ी। वे लोग इन कम्पनियों से प्राप्त माल को सम्पादित (ट्रेड मार्का) समझकर सीधे ही प्रेस में देते रहे और ये प्रा. लि. एक लेखकीय कम्पनियां चल पड़ीं। इनके विकास में उन सम्पादकों ने योगदान दिया, जो स्वयं भी लेखक थे। उन्होंने एक-दूसरे को माल की सप्लाई शुरू की तो वे असली लेखक उजडऩे लगे जो लेखन को बड़ी गंभीरता व मेहनत के साथ अपनाए हुए थे। इन कम्पनियों के प्रचलन से छोटे लेखक बरबाद होने लगे तथा कम्पनियों में निर्मित माल की खपत बढऩे लगी। इनका उद्भव और विकास रचनाओं के मिलने वाले पारिश्रमिक से भी हुआ। आजकल छोटे-बड़े सभी पत्र प्रकाशित रचनाओं पर अपने लेखकों को पारिश्रमिक देने लगे हैं। इसका प्रभाव भी लेखन कम्पनियों पर पड़ा। यही नहीं, इनके संचालकों ने नए लेखकों से सस्ती दरों पर उनका माल खरीदना तथा पत्र-पत्रिकाओं को महंगी दर पर बेचना प्रारम्भ कर दिया है। इन कम्पनियों की सफलता के पीछे जो सबसे बड़ा कारण रहा, वह था, पारिश्रमिक का आदान-प्रदान। तू मेरी छाप-मैं तेरी छापूं। इसके अलावा सम्पादकों ने लेखकों से बारगेनिंग करके भी प्राइवेट कम्पनियों के कारोबार को फूला-फलाया। इस व्यवस्था में लोग शनैः शनैः इधर-उधर से मारकर भी लिखने लगे और सांठ-गांठ के आधार पर छपने लगे। छद्म लेखन व महिला लेखन को इस दिशा में प्रोत्साहित किया गया तथा नकली लोग नाम व दाम बटोरने लगे। इस व्यवसाय में उन लोगों की रुचि बढ़ति गई, जो तनिक भी मीडिया से जुड़े हुए थे। स्वायत्तशासी संस्थाओं के जन सम्पर्क अधिकारी, बैंकों के राजभाषा अधिकारी, आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के कार्यक्रम अधिशाषी समन्वयक।

देश दुनिया से

भारत की कूटनीति से पस्त हुआ कनाडा

बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले, बहुत निकले मेरे अरमान मगर फिर भी कम निकले'। मिर्जा गालिब की यह पंक्ति कनाडा के वजीरे आजम 'जस्टिन ट्रूडो' पर सटीक बैठ रही है। वोट बैंक की सियासत में नाबिना होकर कनाडा की सत्ता पर काबिज रहने की हसरत में ट्रूडो अपनी गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी से भारत की सरेआम मुखालफत कर बैठे। अपनी सियासी जमीन को मजबूत करने के लिए ट्रूडो ने कनाडा को भारत विरोधी चरमपंथ की दारुल हुकूमत बना डाला। कनाडा की खूफिया एजेंसियों तथा विदेशी ताकतों के इशारे पर बिना किसी पुख्ता सबूत के भारत पर कई बेतुके इल्जाम लगा दिए थे। कनाडा में शरण ले चुके आतंकियों की हलाकत के लिए भी भारत को ही जिम्मेदार ठहरा दिया। कनाडा की खूफिया एजेंसी 'कम्युनिकेशन सिक्योरिटी एस्टैब्लिशमेंट' ने अपने मुल्क को खतरा पैदा करने वाले ईरान, चीन, रूस व उत्तर कोरिया जैसे देशों की फेहरिस्त में भारत को भी शामिल कर लिया। लेकिन ट्रूडो को जब भारत की कूटनीतिक हैसियत का एहसास हुआ, तब तक देर हो चुकी थी। वैश्विक मंचों पर भारत की मुखालफत का नतीजा यह हुआ कि ट्रूडो को कनाडा के वजीरे आजम पद से इस्तीफा देना पड़ा।

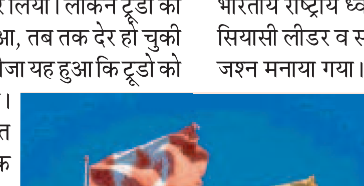

दरअसल जस्टिन ट्रूडो को भारत विरोधी हिकारत भरा नजरिया अपने वालिद व कनाडा के साबिक वजीरे आजम 'पियरे ट्रूडो' से विरासत में मिला है। स्मरण रहे कि अपनी सियासी पकड़ मजबूत करके सत्ता हासिल करने के लिए मालदीव के सदर मोहम्मद मुइज्जु ने भी 'इंडिया आउट' का नारा देकर भारत विरोधी राग अलापा था, मगर मुइज्जु भली भांति जानते थे कि मालदीव के लोकतंत्र को महफूज रखने के लिए तथा वहां की अर्थव्यवस्था को गुलजार करने में हिंदोस्तान का खुसूसी किरदार है। हिंदोस्तान की सैन्य सलाहियत व आर्थिकी से भी मुइज्जु मुखातिब थे। मुइज्जु के भारत विरोधी बयानों के रद्देअमल में जब भारतीय पर्यटकों ने मालदीव का बायकॉट किया तो वहां के अर्थतंत्र का तवाजुन बिगडऩे लगा। नतीजतन मालदीव की सत्ता हासिल करने के बाद मुइज्जु के सुर व लहजा दोनों बदल गए। मालदीव का सदर बनने के बाद भारत विरोधी बयानों से यूटर्न लेकर मोहम्मद मुइज्जु हिंदोस्तान की शरण में आ गए ताकि भारत व मालदीव के रिश्ते बेहतर रहें तथा कर्ज के बोझ में डूब चुके मालदीव की आर्थिक स्थिति में भी सुधार हो सके। सन् 2022 में श्रीलंका को आर्थिक संकट से निकालने में भारत ने अहम योगदान दिया था। सितंबर 2024 में श्रीलंका के राष्ट्रपति बनते ही वामपंथी 'अनुरा कुमारा दिसानायके' भी भारत की शरण में पहुंचे। श्रीलंका की मौजूदा प्रधानमंत्री 'हरिनी अमरसूर्या' ने दिल्ली विश्वविद्यालय से ही शिक्षा प्राप्त की है। अतः श्रीलंका के हुक्मरान भी भारत की अहमियत से मुखातिब हैं। अपने बारूद की ताकत से कायनात का तवाजुन बिगाडऩे की सलाहियत रखने वाले अमेरिका, फ्रांस, इजरायल व रूस जैसे ताकतवर मुल्क भी भारत की कूटनीति व सैन्य ताकत का लोहा मानते हैं। मगर पिछले नौ वर्षों से कनाडा की सत्ता पर काबिज रहने के बावजूद जस्टिन ट्रूडो भारत की विदेश नीति व कूटनीतिक ताकत को भांपने में नाकाम रहे। चार लाख से अधिक भारतीय छात्र कनाडा के शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई करते हैं। दीगर मुल्कों की निस्बत भारतीय छात्रों का ये आंकड़ा बहुत अधिक है।

कनाडा के शिक्षण संस्थानों की अर्थव्यवस्था को गुलजार करने में भारतीय छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। कनाडा के शिक्षक वर्ग का रोजगार भी भारतीय छात्रों की महंगी फीस पर ही निर्भर करता है। कनाडा की मइशत को वहां के लाखों भारतीय प्रवासी लोग अपनी मेहनत से मजबूत कर रहे हैं। मगर विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था में शुमार भारत कनाडा की किसी भी चीज पर निर्भर नहीं है। हालात ये हैं कि कनाडा के तालीमी इरादों की तरफ भारतीय छात्रों का बढ़ता रुझान काफी हद तक कम हो रहा है। ट्रूडो की हुकूमत में कनाडा के हिंदू धर्मस्थलों पर भारत विरोधी स्लोगन लिखे गए। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगे' का अपमान किया गया। भारत की दिग्गज सियासी लीडर व साबिक वजीरे आजम इंदिरा गांधी के कत्ल का सरेआम जश्न मनाया गया। सनातन धर्म के जज्बातों को भडक़ाने तथा लोगों की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने की कारकर्दगी पर भी ट्रूडो के लब-ए-इजहार पर खामोशी थी। कनाडा की सरजमीं पर भारत विरोधी गतिविधियों को अभिव्यक्ति की आजादी करार दिया गया। हालांकि ट्रूडो के भारत विरोधी बयानों से कनाडा की आवाम भी खफा थी। अपने ही सियासी दल में विरोधी सुर उठने लगे थे। चरमपंथ व कट्टरवाद की हिमायत जस्टिन ट्रूडो के सियासी करियर पर कुठारघात साबित हुई। भारत विरोधी अलगाववादी ताकतों से ट्रूडो की रफाकत ने कनाडा की सियासी हरारत को इस हद तक बढ़ा दिया जिसका विकल्प ट्रूडो का इस्तीफा ही था। खुद को कनाडा की सियासत का चतुर खिलाड़ी समझने वाले जस्टिन ट्रूडो भारत की डिप्लोमेटिक स्ट्राइक के आगे अनाड़ी साबित हुए। लिहाजा विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत को अस्थिर करने का ख्वाब देखने वाली देशी व विदेशी ताकतों को भारत की कूटनीति से पस्त हुए कनाडा व मालदीव जैसे मुल्कों से सबक लेना होगा।

विश्व को अमन का पैगाम देने वाले बुद्ध, महावीर, नानक व महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों की कर्मभूमि रहा भारत एटमी कूवत से लैस मुल्क व विश्व की चौथी सैन्य ताकत तथा पांचवीं अर्थव्यवस्था की हैसियस रखता है। अलबत्ता भारत अपने राष्ट्रीय हितों व स्वाभिमान से कभी समझौता नहीं करेगा। बहरहाल जस्टिन ट्रूडो के दौरे हुकूमत में कनाडा के गुलिस्तां में चरमपंथ के जो जहरीले शजर उगे हैं, उनमें अमन के गुल नहीं खिलेंगे। अतः भारत को 'शठे शाठ्यम समाचरेत' नीति से ही जवाब देना होगा, ताकि हिंदोस्तान का राष्ट्रवादी संकल्प व इकबाल हमेशा बुलंद रहे। भारत विरोधी विचारधारा कनाडा की सियासत में गहरी पैठ बना चुकी है। दोनों मुल्कों के बिगड़े ताल्लुकात एक मुद्दत तक खुशहाल नहीं हो सकते।

आप का नजरिया

बस अब और नहीं

कैडर की समीक्षा में सुक्खू सरकार के दरवाजे पर राष्ट्रीय प्रशासनिक सेवाओं का प्रवेश, जरूरत और सुविधा के ऊपर निर्भर कर रहा है। प्रशासनिक सफर की कहानी में यूं तो वर्षों से ब्यूरोक्रेसी की राष्ट्रीय पहचान इंगित होती रही है, लेकिन राज्य के अपने सरोकार मिट्टी के लालों से कहीं अधिक फलीभूत होते हैं। सरकार की मशीनरी में कितना बोझ, कितना वित्तीय दबाव है, इसकी एक परख वर्तमान सरकार के फैसले से हो रही है। सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार की ओर से स्पष्ट किया गया है कि अब राष्ट्रीय प्रशासनिक कैडर में 'बस अब और नहीं' की स्थिति है। हिमाचल के प्रशासनिक ढांचे में 153 आईएएस अधिकारियों की भागीदारी अब ऐसी सीमा रेखा बना चुकी है, जहां काम का बंटवारा और राज्य कैडर का संतुलन बहुत कुछ कहता है। प्रयास धूमल सरकार ने भी किए थे। बतौर मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने हिमाचल के फलक पर प्रदेश कैडर के प्रशासनिक अधिकारियों के दायित्व और अधिकार बढ़ाने के अलावा सचिवालय की कार्यसंस्कृति को मांजने और फेंटने का प्रयत्न भी किया था, लेकिन सरकारों की ग्रंथियां स्थानांतरण नीति पर बेहाल रहती हैं। कैडर जो भी हो, इसके इस्तेमाल की निपुणता ही आखिर में साबित होती है। प्रदेश में कई आईएएस, आईपीएस, एचएएस और एचपीएस अधिकारी ही नहीं, बल्कि तमाम टेक्नोक्रेट भी सरकारों के प्रदर्शन को चार चांद लगाते आए हैं। कई ऐसे डाक्टर मिल जाएंगे, जो डिस्पेंसरी तक को श्रेष्ठ बना देते हैं और कई ऐसे भी होते हैं जो मेडिकल कालेज तक को नरक बना देते हैं। अगर एक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष स्थानांतरण नीति व इसके नियम स्थापित हो जाएं, तो सुशासन का कारवां शिमला से निकलकर पांगी, सिरमौर और किन्नौर तक सकुशल पहुंच जाएगा, वरना कई जिलाधीश सिर्फ सत्ता की धूप सेंकते मिल जाएंगे। ऐसे पुलिस अधिकारी भी बढ़ गए हैं जो मात्र वीआईपी ड्यूटी में ही चमकते हैं। ऐसे में प्रदेश सचिवालय की फाइलों से ट्रांसफर की नोटिंग गायब कर दी जाए, तो कई अधिकारी लौहपुरुष और पुरुषार्थ के मसीहा बन जाएंगे, वरना राजधानी की प्रशासनिक चुगलियां अक्सर सरकारों के कानों को कच्चा कर देती हैं। सरकारी कार्यसंस्कृति का मूल्यांकन अब कहां होता है और इसलिए भी कि हर जनप्रतिनिधि को अपने आजू-बाजू सिर झुकाए अधिकारियों की फौज चाहिए। ऐसे एमएलए मिल जाएंगे जो जनता में रौब जमाने के लिए रोज अधिकारियों की अदालत सजाते हैं। कुछ इसी तरह का अभिप्राय भाजपा के जनमंच कार्यक्रम से भी निकला, जहां दफ्तर की रूटीन सार्वजनिक मंच की तलाशी हो गई और कई जनप्रतिनिधियों का शगल सिर्फ अधिकारियों को दुत्कारने का हो गया। अधिकारियों और कर्मचारियों को कर्मयोगी बनाने से पहले उनके कर्म की परिभाषा को स्थानांतरण के खौफ से दूर करना होगा, लेकिन नीति और नियमों की परिपाटी में सचिवालय कैडर को भी राज्य में तकसीम करना पड़ेगा। इस दिशा में जब सुक्खू सरकार जिस तरह और जिस गति से जिला कैडर समाप्त करती हुई, सभी को राज्य सेवा के परिदृश्य में खड़ा कर रही है, साहसिक व प्रशंसनीय है। इसी तर्ज पर सचिवालय कैडर को रिवर्स करके इन्हें भी राज्य स्तरीय करना होगा।

अमेरिका में दुर्घटनाग्रस्त यात्री विमान का ब्लैक बॉक्स मिला, परीक्षण शुरू

वाशिंगटन, 31 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में बुधवार रात आसमान में टकरा कर पोटोमैक नदी में गिरे यात्री विमान और सैन्य हेलीकॉप्टर में से विमान के ब्लैक बॉक्स को खोजने में सफलता मिल गई है। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) ने इसकी पुष्टि की।

दुर्घटनाग्रस्त अमेरिकन एयरलाइंस के विमान (पीएसए एयरलाइंस बॉम्बार्डियर सीआरजे700 क्षेत्रीय जेट) से ब्लैक बॉक्स यानी फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर को बरामद कर लिया गया है। ब्लैक बॉक्स को राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड प्रयोगशाला में ले जाया गया। सैन्य हेलीकॉप्टर (सिकोरस्की एच-60) के ब्लैक बॉक्स की तलाश की जा रही है।

बताया गया है कि बाल्टीमोर जिले के अमेरिकी सेना कोर ऑफ इंजीनियर्स की मदद से पोटोमैक नदी में गिरे विमान और हेलीकॉप्टर का मलबा हटाने का काम बेहद सावधानी से किया जा रहा है। विमान और हेलीकॉप्टर के 67 लोगों में से अधिकांश के शव मलबे में दबे होने की संभावना है। इस हादसे पर नेशनल एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स एसोसिएशन ने गहरा दुख जताया है। एसोसिएशन ने कहा कि दुख की घड़ी में यही कहा जा सकता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका विमानन सुरक्षा के मानक सर्वोच्च है। संगठन जान गंवाने वाले 67 लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करने में सभी अमेरिकियों के साथ है। जांच रिपोर्ट का इंतजार है।

2009 के बाद अमेरिका में किसी वाणिज्यिक जेट से जुड़ी सबसे यह सबसे गंभीर दुर्घटना है। अधिकारियों ने कहा कि कोई भी जीवित नहीं बचा। नदी से 67 लोगों में से 28 के शव बरामद होने के बाद खोज और बचाव अभियान रोक दिया गया।। सैन्य हेलीकॉप्टर में तीन और विमान में चालक दल के चार सदस्य और 60 यात्री सवार थे। बुधवार रात रोनाल्ड रीगन राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास विमान और हेलीकॉप्टर में टक्कर के बाद यह हादसा हुआ।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका ने सीरिया में आतंकी कमांडर मोहम्मद सलाह अल-जबीर को मार गिराया

टाम्पा (फ्लोरिडा)/ दमिश्क (सीरिया)। अमेरिका ने गुरुवार को उत्तर-पश्चिमी सीरिया के इदलिब गवर्नरेट में एक ड्रोन हवाई हमले में अलकायदा से संबद्ध आतंकी समूह के कमांडर मोहम्मद सलाह अल-जबीर को मार गिराया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) और अरबी न्यूज बेवसाइट ने इसकी पुष्टि की। स्थानीय सूत्र के हवाले से कहा कि हमले में मारा गया मोहम्मद सलाह अल-जबीर हयात तहरीर अल-शाम का पूर्व नेता है। वह एक जीप में अपने एक विदेशी साथी के साथ था। ड्रोन ने इस जीप को निशाना बनाया। हमले में दोनों की मौत हो गई। अंतरराष्ट्रीय सैन्य गठबंधन के ड्रोन ने पिछले वर्षों में हयात तहरीर अल-शाम के आतंकियों और उत्तर-पश्चिमी सीरिया में रहने वाले आईएसआईएस के नेताओं को निशाना बनाकर कई हवाई हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने जारी बयान में कहा कि यह हमला आतंकियों के नेटवर्क को तोड़ने के लिए किया गया। यूएस सेंट्रल कमांड के कमांडर जनरल माइकल एरिक कुरिला ने कहा कि सेंटकॉम ऐसे आतंकवादियों की तलाश कर उन्हें चुन-चुन कर मारेगा। सेंटकॉम अपनी मातृभूमि की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि सीरिया में कुछ दिनों पहले तख्तापलट हुआ है। बशर-अल असद की सरकार को विद्रोही गुट तहरीर अल-शाम ने उखाड़ फेंका है।अहमद अल-शरा को देश का अंतरिम राष्ट्रपति नियुक्त किया गया है।

हमास ने दो इजराइली बंधक और पांच थाई नागरिकों को किया रिहा

गाजा पट्टी। संघर्ष विराम और बंधक रिहाई समझौते के तहत आतंकी समूह हमास ने गुरुवार को इजराइल के दो बंधकों और थाईलैंड के पांच नागरिकों को रिहा किया है, जिन्हें 07 अक्टूबर 2023 को पकड़ा गया था। समझौते के तहत यह बंधक-कैदी की तीसरी अदला-बदली थी। हमास ने गुरुवार दोपहर दो इजराइली बंधकों गादी मोजेज (80) और अर्बेल येहुद (29) को रिहा किया जबकि इससे पहले इजराइली महिला सैनिक अगम बर्गर (20) को फिलीस्तीनी क्षेत्र के उत्तर में जबालिया में रेड क्रॉस की समिति को सौंपा गया था। रिहा हुए तीनों इजराइली आईडीएफ निगरानी सैनिक दल के सदस्य हैं। इस दौरान थाईलैंड के पांच नागरिकों को भी छोड़ा गया। थाई नागरिकों की पहचान थेना पोंगसाक, साथियान सुवन्नाखम, श्रीआउन वाचारा, सीथाओ बन्नावत और रुम्नाओ सुरसाक के रूप में हुई। महिला सैनिक की रिहाई के बाद छोड़े गए सातों बंधकों को दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में एक लंबी अराजक प्रक्रिया के बीच मुक्त किया गया। गादी मोजेज व अर्बेल येहुद और पांच थाई नागरिकों को गुरुवार दोपहर को एक अनियंत्रित और खतरनाक तरीके से मारे गए हमास नेता याह्या सिनवार के नष्ट हुए घर के बाहर, सैकड़ों नकाबपोश बंदूकधारियों और उग्र भीड़ के बीच रिहा किया गया।

स्वीडन में कुरान जलाने वाले सलवान मोमिका की गोली मारकर हत्या

स्टॉकहोम। यूरोपीय देश स्वीडन में मस्जिद के सामने कुरान जलाने वाले प्रदर्शनकारी सलवान मोमिका की

गोली मारकर हत्या कर दी गई है। यह घटना बुधवार रात स्टॉकहोम के पास सॉडेटेलिए इलाके में हुई, जहां वह अपने अपार्टमेंट में सोशल मीडिया पर लाइव सेशन कर रहा था। 38 वर्षीय सलवान मोमिका पिछले कुछ समय से अपने प्रदर्शन और धार्मिक ग्रंथों को जलाने को लेकर चर्चा में थे। उनकी गतिविधियों के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली थी। उनके कृत्यों के कारण स्वीडन को भी अंतरराष्ट्रीय विरोध का सामना करना पड़ा था। पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। स्वीडिश मीडिया के अनुसार स्टॉकहोम की एक अदालत गुरुवार को यह फैसला सुनाने वाली थी कि क्या सलवान मोमिका ने कुरान जलाकर जातीय घृणा भड़काया था या नहीं लेकिन उससे एक दिन पहले ही उसकी हत्या कर दी गई। अब कोर्ट ने फैसला 03 फरवरी तक के लिए टाल दिया है और कहा है कि चूंकी सलवान मोमिका की मृत्यु हो गई है, इसलिए फैसला सुनाने के लिए अब ज्यादा समय की जरूरत है। गौरतलब है कि सलवान ने 28 जून 2023 को ईद के दिन स्टॉकहोम की सबसे बड़ी मस्जिद के सामने कुरान को जलाया था।

ग्रीनलैंड पर ट्रंप के दावे को अधिकारियों का मिला साथ, सेना का भी होगा इस्तेमाल

वाशिंगटन, 31 जनवरी (एजेंसियां)।

ग्रीनलैंड पर डोनाल्ड ट्रंप के दावे को अब उनके अधिकारियों का भी साथ मिलने लगा है। राज्य सचिव मार्को रुबियो ने गुरुवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का ग्रीनलैंड को खरीदने का प्रस्ताव मजाक नहीं है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि इस अर्ध-स्वायत्त डेनिश क्षेत्र का अधिग्रहण अमेरिका के राष्ट्रीय हित में है। रुबियो ने कहाकि यह मजाक नहीं है।

यह भूमि अधिग्रहण के उद्देश्य से जमीन हासिल करने के बारे में नहीं है। यह हमारे राष्ट्रीय हित में है और इसे हल करने की जरूरत है। हालांकि उन्होंने इसके लिए एक निश्चित समयसीमा बताने में असमर्थतता जताई। रुबियो ने कहाकि हम अभी इस बारे में चर्चा करने की स्थिति में नहीं हैं कि हम रणनीतिक रूप से कैसे आगे बढ़ेंगे। राज्य सचिव ने यह भी उल्लेख किया कि आर्कटिक क्षेत्र एक महत्वपूर्ण शिपिंग लेन बन जाएगा, जिसकी रक्षा करने की जरूरत अमेरिका को है। साथ ही उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि वहां पर चीन अपनी मौजूदगी बढ़ा सकता है। द मेगीन केली शो के दौरान, रुबियो ने दोहराया कि ट्रम्प ग्रीनलैंड खरीदना चाहते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहाकि राष्ट्रपति ने ग्रीनलैंड का अधिग्रहण करने के लिए सेना की इस्तेमाल से भी इनकार नहीं किया है।बता दें कि अमेरिकी सेना का उत्तर-पश्चिमी ग्रीनलैंड में एक स्थायी ठिकाना है। बैलिस्टिक मिसाइल प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के रूप में काम करता है। बता दें कि ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री, म्यूट इगेडे डोनाल्ड ट्रंप की बातों पर ऐतराज जता चुके हैं। उन्होंने कहाकि हमारा आइलैंड कोई बिकाऊ नहीं है। यहां के लोग अपना भविष्य खुद तय करेंगे। साथ ही उन्होंने डेनमार्क से आजादी के लिए भी कदम उठाने की बात कही है। डेनिश बर्लिंग्सके और ग्रीनलैंड के सर्मिटाक डेली में प्रकाशित हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, 85 प्रतिशत ग्रीनलैंडवासियों ने कहा कि वे अमेरिका में शामिल नहीं होना चाहते। गुरुवार को, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने कहा कि डेनमार्क की संप्रभुता यूरोपीय संघ के लिए एक जरूरी मुद्दा है। अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो सैन्य गठबंधन और डेनमार्क ने मंगलवार को एक बैठक में आर्कटिक रक्षा को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने पर सहमति व्यक्त की।

भारत समेत ब्रिक्स को ट्रंप ने फिर चेताया कहा- डॉलर मंजूर नहीं तो यूएस को अलविदा करें

वॉशिंगटन। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत सहित ब्रिक्स देशों को एक बार फिर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि यदि डॉलर मंजूर नहीं है तो इन देशों को अमेरिका को अलविदा कह देना चाहिए। ट्रंप ने अपने चुनावी अभियान के दौरान भारत सहित ब्रिक्स के सभी देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की बात भी की थी। इसे लेकर अब ट्रंप ने एक बार फिर खुली धमकी दे दी है। ट्रंप ने कहा है कि इन देशों ने अगर डॉलर का विकल्प तलाशने की कोशिश भी की तो उन्हें अमेरिका में अपना सामान बेचने की इजाजत नहीं देंगें। ट्रंप ने आगे कहा कि ऐसा हो ही नहीं सकता कि ब्रिक्स अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में या कहीं और अमेरिकी डॉलर की जगह किसी और करेंसी का प्रयोग कर ले और जो भी देश ऐसा करने की कोशिश करेगा, उसे टैरिफ का स्वागत और अमेरिका को अलविदा करने के लिए तैयार रहना चाहिए! ट्रंप ने शुक्रवार को ट्रुथ सोशल पर लिखा, यह सोच कि ब्रिक्स देश डॉलर से दूर जाने की कोशिश करेंगे और हम सिर्फ खड़े होकर देखते रहेंगे, अब वह समय खत्म हो चुका है। हमें इन विरोधी देशों से यह प्रतिबद्धता चाहिए कि वे न तो ब्रिक्स की नई करेंसी बनाएंगे, न ही अमेरिकी डॉलर की जगह किसी दूसरी करेंसी का समर्थन करेंगे, नहीं तो उन्हें 100 प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ेगा और उन्हें अमेरिका की अर्थव्यवस्था में कुछ भी बेचने से हाथ धोना पड़ेगा। गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप ने अपने चुनावी अभियान के दौरान भी कई बार इस तरह की चेतावनी दी थी। दिसंबर में उन्होंने खुले तौर पर यह कहा था कि अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने की कोई भी साजिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कई मौकों पर भारत और चीन का नाम लेकर भी 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कही है। बता दें कि ब्रिक्स समूह में भारत और चीन के अलावा ब्राजील, रूस, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, यूएई और ईरान शामिल है।

सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष में बनाया स्पेस वॉक का नया रिकॉर्ड

न्यूयॉर्क, 31 जनवरी (एजेंसियां)।

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ने गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में 5.5 घंटे तक अंतरिक्ष वॉक किया। ऐसा करके दोनों ने एक नया रिकॉर्ड बनाया है। इसकी घोषणा नासा की तरफ से की गई है। दोनों ने अपने प्राथमिक उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसमें स्टेशन के ट्रस से एक रेडियो फ्रीक्वेंसी समूह एंटीना असेंबली को हटाना और डेस्टिनी प्रयोगशाला और क्वेस्ट एयरलॉक से सतह सामग्री के नमूने एकत्र करना शामिल था।

नासा ने बुधवार को बताया कि वह स्पेसएक्स के साथ मिलकर सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाने के लिए काम कर रहा है। ये दोनों अंतरिक्ष यात्री महीनों से फंसे हुए हैं। विलमोर और विलियम्स जून 2024 में बोइंग के स्टारलाइनर से पहुंचे थे। इनका मिशन केवल आठ दिनों का था, लेकिन यान में तकनीकी समस्याओं के कारण नासा ने योजनाओं में बदलाव किया। बता दें कि सुनीता विलियम्स का यह नौवां और बुच विलमोर का पांचवां अंतरिक्ष वॉक था। इस मिशन के दौरान सुनीता विलियम्स ने कुल 62 घंटे और 6 मिनट का अंतरिक्ष वॉक समय पूरा किया। इससे वह नासा की लिस्ट में चौथे स्थान पर आ गईं।

अगस्त में होगी वापसी

अगस्त में नासा ने घोषणा की थी कि स्पेसएक्स फरवरी में दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को वापस पृथ्वी पर लाएगा। हालांकि, स्पेसएक्स द्वारा नए यान की तैयारी के कारण उनकी वापसी और टल गई थी। आपको यह भी बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि स्पेसएक्स जल्द ही दो अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने का मिशन शुरू करेगा।

वैज्ञानिकों ने सुपरसोनिक जेटस्ट्रीम का पता लगाया

सौरमंडल के एक बाहरी ग्रह पर वैज्ञानिकों ने सुपरसोनिक जेटस्ट्रीम का पता लगाया है। इसमें हवाओं की रफ्तार 33,000 किमी प्रति घंटे तक पहुंच रही है। इस ग्रह का नाम डब्ल्यूएएसपी-127बी है, जो पृथ्वी से लगभग 500 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है। हवाओं की यह गति अब तक की सबसे तेज हवाओं में से एक मानी जा रही है। डब्ल्यूएएसपी-127बी एक विशाल गैसीय ग्रह है, जो बृहस्पति से थोड़ा बड़ा लेकिन कम द्रव्यमान वाला है। इसका पता 2016 में चला था, और अब वैज्ञानिकों ने इसके भूमध्य रेखा पर एक विशाल और तेज हवाओं का बैंड खोजा है, जो हमारे सौरमंडल के गैसीय ग्रहों पर देखने वाली धारियों के समान हैं।

नेपाल के चुनाव में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत निर्वाचन क्षेत्र आरक्षित करने का प्रस्ताव

काठमांडू, 31 जनवरी (एजेंसियां)।

नेपाल निर्वाचन आयोग ने संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीट आरक्षित करने का प्रस्ताव किया है। यदि आयोग का यह प्रस्ताव पारित होता है तो अगले आम चुनाव से महिलाओं के लिए देश में 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित हो जाएंगी। प्रमुख निर्वाचन आयुक्त दिनेश थपलिया ने गृह मंत्रालय को भेजे प्रस्ताव में महिलाओं के लिए प्रत्यक्ष निर्वाचन में ही 33 प्रतिशत सीट आरक्षित करने का प्रस्ताव किया है। थपलिया का कहना है नेपाल के संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक नेपाल की महिलाओं को प्रत्यक्ष राजनीति में भागीदारी बढ़ाने के लिए यह प्रस्ताव किया गया है। संसद में वैसे तो अभी भी 33 प्रतिशत आरक्षित सीट हैं। लेकिन यह प्रत्यक्ष चुनाव के बदले समानुपातिक सीटों से पूरा किया जाता है। उन्होंने बताया कि यह प्रस्ताव महिलाओं की संसद में बैक डोर इंट्री के बजाए प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रक्रिया से आगे लाने के लिए किया गया है। इस प्रस्ताव को गृह मंत्रालय की तरफ से पहले कैबिनेट की बैठक से पारित कराया जाएगा। उसके बाद संसद के दोनों सदनों से पारित करना अनिवार्य है। आयोग का मानना है कि संसद को जल्द निर्णय लेना चाहिए, जिससे इसे अगले चुनाव से लागू किया जा सके। उल्लेखनीय है कि देश के संविधान ने संसद के दोनों सदनों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को सुनिश्चित किया है। ऊपरी सदन में तो महिलाओं के लिए प्रत्यक्ष सीट आरक्षित हैं लेकिन प्रतिनिधि सभा में महिलाओं की सहभागिता अधिकतम समानुपातिक सीटों से पूरी की जाती है।

अब जमीन के 200 फीट नीचे बसेंगे अत्याधुनिक और सुरक्षित शहर

इन बंकरों पर परमाणु हमले इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगों और अन्य खतरे होंगे बेअसर

वाशिंगटन, 31 जनवरी (एजेंसियां)।

दुनिया में कई बड़ी-बड़ी और ऊंची-ऊंची इमारतें बन चुकी हैं जो आसमान को छू रही हैं वहीं अब लोग जमीन के नीचे भी आलीशान और सुरक्षित घर बनाने की सोच रहे हैं। अमेरिका की एक कंपनी ने 200 फीट नीचे एक अत्याधुनिक और सुरक्षित शहर बनाने की योजना तैयार की है, जो खासतौर पर अमीरों और मशहूर हस्तियों के लिए डिज़ाइन किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस प्रोजेक्ट में करीब 300 मिलियन डॉलर की लागत आएगी और इसे 2026 में खोला जाएगा। इन बंकरों को व्हाइट हाउस जैसी सुरक्षा और अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। यह परियोजना वर्जीनिया स्थित

स्ट्रैटेजिकली आर्मर्ड एंड फोर्टीफाइड एनवायरनमेंट्स कंपनी द्वारा बनाई जा रही है। कंपनी के फाउंडर अल कॉर्बी ने कहा कि इन बंकरों में रहने वालों को गोपनीयता, सुरक्षा और आराम की बेहतरीन सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।

इन बंकरों में एआई से संचालित मेडिकल सुविधाएं, स्वादिष्ट भोजन, इनडोर स्विमिंग पूल, कोल्ड प्लंज सेंटर, बॉलिंग एली और क्लाइंबिंग वॉल जैसी लग्जरी सुविधाएं होंगी। इसके अलावा हर बंकर में एक सेंसिटिव कम्पार्टमेंटेड इंफॉर्मेशन फैसिलिटी होगी, जो गोपनीयता और सुरक्षा का उच्चतम स्तर तय करेंगी। परमाणु हमले, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगों और अन्य खतरों से बचाव के लिए इन बंकरों को बैलिस्टिक ग्लास और मल्टी-लेयर बायोमेट्रिक सिक्योरिटी सिस्टम से सुरक्षित किया जाएगा।

वर्जीनिया में बनने वाला पहला बंकर 625 अमीर लोगों के रहने के लिए बनेगा और इसमें हाई-टेक लिफ्टें भी होंगी, जो कुछ ही मिनटों में लोगों को बाहरी दुनिया से जोड़ सकेंगी। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत अमेरिका के बड़े शहरों से की जाएगी और इसे भविष्य में दुनिया के एक हजार शहरों में विस्तारित किया जाएगा। यह हाई-टेक बंकर सिस्टम दुनियाभर में उत्सुकता का कारण बन गया है, खासकर उन लोगों के बीच जो खुद को भविष्य के खतरों से सुरक्षित रखना चाहते हैं।

चीन की नजर है साउथ चाइना-सी में छिपे खनिज, तेल और गैस भंडार पर

बीजिंग। चीन की विस्तारवादी सोच और साउथ चाइना-सी पर अधिकार करने की योजना 2000 साल पहले हॉन साम्राज्य के ऐतिहासिक दस्तावेजों पर आधारित है। इन दस्तावेजों का हवाला देकर चीन समुद्र के पूरे क्षेत्र पर अपनी संपत्ति का दावा कर रहा है। यह समुद्र क्षेत्र चीन के दक्षिण में, वियतनाम के पूर्व और दक्षिण, फिलीपींस के पश्चिम, और बोर्नियो द्वीप के उत्तर तक फैला है। इससे जुड़े देशों में चीन, ताइवान, फिलीपींस, मलेशिया, ब्रुनेई, इंडोनेशिया, वियतनाम और सिंगापुर शामिल हैं। चीन इन देशों को लेकर विवादों में उलझा है और अपने टारगेट को पूरा करने के लिए वह अपनी नौसेना की ताकत का प्रदर्शन करता है। 2025 के पहले बड़े सैन्य अभ्यास में, चीनी पीएलए दक्षिणी थिएटर कमांड ने दक्षिणी समुद्री क्षेत्र में लाइव-फायर ड्रिल की, जिसका उद्देश्य अपनी युद्ध क्षमता का परीक्षण करना था। इस अभ्यास में वॉरशिप और एयर असेट्स का इस्तेमाल किया और हर तरह के हथियारों, मिसाइलों, और एयर डिफेंस सिस्टम का इस्तेमाल किया। चीन जो अब दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सैन्य शक्ति बनने की सोच रखता है, अपनी इंडस्ट्री को 24 घंटे चालू रखना चाहता है। इसके लिए साउथ चाइना-सी के छिपे खनिज, तेल और गैस भंडार पर नजर जमाए हुए है। मीडिया रिपोर्ट में अमेरिकी ऊर्जा सूचना एजेंसी के मुताबिक इस समुद्र में करीब 190 ट्रिलियन क्यूबिक फीट प्राकृतिक गैस और 11 बिलियन बैरल कच्चे तेल का भंडार है। कुछ अनुमानों के मुताबिक यह भंडार और भी ज्यादा हो सकते हैं। चीन ने 1947 में साउथ चाइना-सी पर अपना दावा करना शुरू किया और इसे 11 डैश लाइन के रूप में नक्शे में दर्शाया था। इसके बाद 1952 में वियतनाम के साथ एक संधि के तहत इस रेखा को 9 डैश लाइन में परिवर्तित कर दिया था।

पार्थ माने ने राष्ट्रीय खेलों में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा जीती, महाराष्ट्र का दबदबा कायम

देहरादून, 31 जनवरी (एजेंसियां)। 17 वर्षीय विश्व जूनियर चैंपियन पार्थ माने ने 38वें राष्ट्रीय खेलों उत्तराखंड में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। त्रिशूल शूटिंग रेंज में हुए इस मुकाबले में महाराष्ट्र के रुद्राक्ष पाटिल को हराकर उन्होंने पहला स्थान हासिल किया, जबकि किरण जाधव ने कांस्य पदक जीतकर महाराष्ट्र के लिए पोडियम फिनिश को पूरा किया।

पार्थ माने का दबदबा कायम

पार्थ माने ने पूरे फाइनल के दौरान शानदार लय बनाए रखी। अनुभवी निशानेबाजों के बीच भी वह शांत बने रहे और एक सीरीज को छोड़कर बाकी सभी में बढ़त बनाए रखी। फाइनल के दौरान उनके कई शॉट्स ने 10.7 या उससे अधिक स्कोर किया, जिससे उनका आत्मविश्वास और मजबूत हुआ।

जब रुद्राक्ष पाटिल ने 20 शॉट्स के बाद मात्र 0.6 अंकों का अंतर रखते हुए चुनौती पेश की, तब पार्थ ने दबाव में भी अपने प्रदर्शन को बरकरार रखा। अंतिम चार शॉट्स में रुद्राक्ष ने 42.2 अंक बनाए, लेकिन पार्थ ने 42.4 अंक के साथ जवाब दिया, जिसमें 10.8 और 10.7 के बेहतरीन निशाने शामिल थे।

ओलंपिक स्वर्ण से बेहतर स्कोर

पार्थ ने कुल 252.6 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता, जो पेरिस 2024 ओलंपिक स्वर्ण पदक स्कोर से 0.4 अंक अधिक था। उनके निरंतर प्रदर्शन ने उन्हें पूरे फाइनल में बढ़त बनाए रखने में मदद की, हालांकि एलिमिनेशन राउंड में रुद्राक्ष पाटिल की शानदार शूटिंग ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

अन्य प्रमुख प्रदर्शन

रुद्राक्ष पाटिल ने रजत पदक जीता और माना कि उन्होंने चौथे स्थान पर जाने के डर को दूर रखते हुए हर शॉट पर ध्यान केंद्रित किया।

अर्जुन बाबूता (पंजाब), जो शुरू में शीर्ष पर बने हुए थे, 16वें शॉट के बाद 10.4 स्कोर कर चौथे स्थान पर खिसक गए।

किरण जाधव, जो 20वें शॉट तक चौथे स्थान पर थे, ने 10.8 अंक का दबाव झेलते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

पार्थ मखीजा (दिल्ली) ने पांचवां स्थान और संदीप सिंह (सर्विसेज) छठा स्थान हासिल किया।

असम के ह्रदय हजारिका, 2018 के विश्व जूनियर चैंपियन, इस अवसर का फायदा नहीं उठा सके और पदक की दौड़ से बाहर हो गए।

न्यूज ब्रीफ

ओलंपिक फिगर स्केटिंग लीजेंड डिक बटन का 95 वर्ष की आयु में निधन

न्यूयॉर्क। दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और पांच बार के विश्व चैंपियन डिक बटन का 95 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके बेटे एडवर्ड ने उनकी मौत की पुष्टि की। बटन, जो पहले अमेरिकी पुरुष ओलंपिक फिगर स्केटिंग चैंपियन थे, ने 1948 और 1952 में स्वर्ण पदक जीते। उन्होंने पहली बार डबल एक्सल और ट्रिपल जंप जैसी तकनीकों को प्रतियोगिता में शामिल किया, जिससे स्केटिंग में क्रांतिकारी बदलाव आया। स्केटिंग के प्रति उनके योगदान को सम्मान देते हुए, बोस्टन स्केटिंग क्लब ने उनके नाम पर एक ट्रॉफी रूम स्थापित किया और डिक बटन आर्टिस्टिक फिगर स्केटिंग शोकेस का आयोजन किया। प्रतियोगिता से संन्यास लेने के बाद, बटन एक प्रतिष्ठित टीवी कमेंटेटर बने और स्केटिंग के तकनीकी पहलुओं को लोकप्रिय बनाया। उन्होंने पेशेवर स्केटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया, जिससे खिलाड़ियों को अपने करियर के बाद भी मंच मिला। यूएस फिगर स्केटिंग ने उन्हें फिगर स्केटिंग में क्रांति लाने वाला बताया और उनके परिवार व प्रियजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

38वां राष्ट्रीय खेलः अनीश भानवाला और नर्मदा राजू ने शूटिंग फाइनल में जीता स्वर्ण पदक

देहरादून। देहरादून में त्रिशूल शूटिंग रेंज 38वें राष्ट्रीय खेलों में एक हाई-ऑक्टेन प्रतियोगिता में अनीश भानवाला और नर्मदा नितिन राजू ने अपने-अपने फाइनल मुकाबले जीत लिए हैं। 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल मेन्स फ़ाइनल में अनीश भानवाला (हरियाणा) ने अपने संग्रह में एक और स्वर्ण जोड़ा, 31 हिट के साथ रजत पदक विजेता गुरप्रीत सिंह (सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड) से तीन आगे रहे, जिन्होंने 28 हिट पोस्ट किए। विजयवीर सिद्धू (पंजाब) ने 26 हिट के साथ पोडियम पर पहुंचकर कांस्य पदक हासिल किया। लंबे ब्रेक के बाद प्रतियोगिता में लौटे भानवाला ने जीत के बाद कहा, पैरालंपिक के बाद यह मेरा पहला पदक है और वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह राष्ट्रीय खेलों में मेरा दूसरा स्वर्ण है, मेरा पहला स्वर्ण अहमदाबाद में था। लंबा ब्रेक कठिन रहा है लेकिन यह सब यात्रा का हिस्सा है। वहीं, 10 मीटर एयर राइफल महिला फाइनल में नर्मदा नितिन राजू (तमिलनाडु) ने आर्य राजेश बोरसे (महाराष्ट्र) को हराकर 254.4 के प्रभावशाली स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि रमिता जिंदल (हरियाणा) ने 230.4 के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी का उद्घाटन कराची में 11 फरवरी, लाहौर में 16 फरवरी को होगा

लाहौर। पाकिस्तान में 19 फरवरी से होने वाले आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान टीम की घोषणा अब तक नहीं हुई है पर टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह के लिए लाहौर स्टेडियम में 16 फरवरी की तारीख तय कर दी गई है। वहीं कराची के नेशनल स्टेडियम में 11 फरवरी को उद्घाटन समारोह होगा। इसमें पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी का भी सम्मान किया जाएगा। इस प्रकार दो अलग-अलग जगहों पर उद्घाटन समारोह होगा। चैंपियंस ट्रॉफी का अधिकारिक उद्घाटन 16 फरवरी को लाहौर के हजूरी बाग में होगा। इसके अलावा गद्दाफी स्टेडियम में उद्घाटन समारोह की झलक देखने को मिलेगी। ऐसा माना जा रहा है कि चैंपियंस ट्रॉफी समारोह में बड़ी हस्तियों के अलावा क्रिकेटरों और आईसीसी के बड़े अधिकारी शामिल रहेंगे। माना जा रहा है कि टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में तकरीबन सारी टीमों के कप्तान नजर आएंगे पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा इसमें शामिल नहीं होंगे। चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले 19 फरवरी से होंगे। इस टूर्नामेंट का मेजबान देश पाकिस्तान है पर भारतीय टीम पाकिस्तान की जगह अपने मुकाबले हाइब्रिड मॉडल के तहत दुबई में खेलेगी।इसमें भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। भारत और बांग्लादेश के बीच मुकाबला 20 फरवरी को खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम 23 फरवरी को पाकिस्तान से खेलेगी।

हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे के बल्ले से तूफान, कन्कशन सब्सटीट्यूट ने गेंद से बदला मैच, भारत की हुई सीरीज

पुणे, 31 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के चौथे मुकाबले को जीत लिया है। इसके साथ ही सूर्यकुमार यादव की टीम ने 5 मैचों की सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त भी बना ली है। हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे के तूफानी अर्धशतक की मदद से भारत ने खराब शुरुआत से उबरते हुए इंग्लैंड के खिलाफ 9 विकेट पर 181 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड ने पावरप्ले में ही 62 रन ठोक दिए थे। इसके बाद भी टीम की पारी आखिरी ओवर में 166 रनों पर सिमट गई। भारत ने मुकाबले को 15 रनों से अपने नाम किया।

हार्दिया पंड्या ने 30 गेंद में चार छक्कों और इतने ही चौकों से 53 रन की पारी खेलने के अलावा दुबे (53 रन, 34 गेंद, सात चौके, दो छक्के) के साथ छठे विकेट के लिए 87 रन की साझेदारी की। इससे भारत 12 रन पर तीन विकेट गंवाने के बावजूद मजबूत स्कोर खड़ा करने में सफल रहा। भारत अंतिम पांच ओवर में 68 रन जुटाने में सफल रहा। इंग्लैंड की ओर से साकिब महमूद सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 35 रन देकर तीन विकेट चटकाए। जेमी ओवरटन ने भी 32 रन देकर दो विकेट हासिल किए।

इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसे तेज गेंदबाज साकिब महमूद ने सही साबित करते हुए दूसरा ओवर मेडन फेंका और संजू सैमसन (01), तिलक वर्मा (00) तथा भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव (00) के रूप में तीन विकेट चटकाए। भारत ने टी20 इतिहास में पहली बार शुरुआती दो ओवर में तीन विकेट गंवाए। अच्छी फॉर्म में चल रहे अभिषेक शर्मा (29) को इसके बाद रिंकू सिंह का साथ मिला। भारत ने पावरप्ले में तीन विकेट पर 47 रन बनाए।

अभिषेक शर्मा 8वें ओवर में आदिल राशिद की दूसरी ही गेंद को डीप मिड विकेट पर जेकब बेथेल के हाथों में खेल गए जिससे रिंकू के साथ उनकी 45 रन की साझेदारी का अंत हुआ। उन्होंने 19 गेंद का सामना करते हुए चार चौके और एक छक्का मारा। दुबे को पहली ही गेंद पर स्लिप में बटलर ने जीवनदान दिया जिसके बाद उन्होंने राशिद पर छक्का मारा। 30 रन बनाने वाले रिंकू ने इसके बाद एकाग्रता गंवाई और कार्स की गेंद पर डीप थर्ड मैन पर राशिद को कैच दे बैठे।

हार्दिक पंड्या ने आते ही कार्स पर लगातार दो चौके मारे और फिर राशिद की लगातार गेंदों पर चौके और छक्के के साथ 14वें ओवर में भारत का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। पंड्या ने महमूद पर दो छक्कों के साथ तेवर दिखाए और आर्चर की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा। उन्होंने ओवरटन की लगातार गेंदों पर चौके और छक्के के साथ सिर्फ 27 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। पंड्या ओवरटन की गेंद को हवा में लहराकर बटलर को कैच दे बैठे। दुबे ने 31 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। वह पारी की अंतिम गेंद पर रन आउट हुए।

अप्रैल में एचपीआरसी में भारत के पहले अंतर्राष्ट्रीय वाटर पोलो शिविर की मेजबानी करेगा हैदराबाद

हैदराबाद, 31 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। एकेडेमिया स्पोर्ट्स विलेज (एएसवी) अप्रैल 2025 में हैदराबाद के बाहरी इलाके अजीज नगर में हैदराबाद पोलो एंड राइडिंग क्लब (एचपीआरसी) में अत्याधुनिक तैराकी सुविधा में भारत के पहले अंतरराष्ट्रीय वाटर पोलो शिविर की मेजबानी करने के लिए तैयार है। यह ऐतिहासिक आयोजन प्रशंसित ओलंपियन पाउला लिटन अरोन्स के मार्गदर्शन में आयोजित किया जाएगा, जिन्होंने 2024 पेरिस ओलंपिक में स्पेन के लिए वाटर पोलो स्वर्ण जीता था। यह भारत में अपनी तरह का पहला कैंप होगा, जिसमें देश भर से वाटर पोलो के शौकीन और खिलाड़ी भाग लेंगे। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता पाउला लिटन एरोनेस भारत में खेल के मानकों को बढ़ाने के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्रों और तकनीकों के माध्यम से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करेंगी।

एकेडेमिया स्पोर्ट्स विलेज के सीईओ मो. शम्सुद्दीन ने 31 जनवरी को हैदराबाद की मेयर गडवाल विजयलक्ष्मी से मुलाकात की और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय वॉटर पोलो कैंप के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। मेयर ने विनम्रतापूर्वक निमंत्रण स्वीकार किया और कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति की पुष्टि की।इसके अतिरिक्त, मेयर विजयलक्ष्मी ने एचपीआरसी द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित विश्व एरिना पोलो चैंपियनशिप में भाग लेने पर सहमति व्यक्त की, जो 23 फरवरी से 2 मार्च, 2025 तक आयोजित होगी।

यह आयोजन भारत में वाटर पोलो को लोकप्रिय बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे खेल आयोजनों में हैदराबाद की बढ़ती प्रमुखता की ओर अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित होने की उम्मीद है।

स्टार्क सबसे तेजी से 700 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले सातवें खिलाड़ी बने

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में अपने 700 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे कर लिए हैं। इसी के साथ ही स्टार्क अब 373 पारियों में तेजी से 700 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले छठे खिलाड़ी बन गये हैं। यह विकेट इसलिए स्टार्क के लिए खास रहा क्योंकि ये उन्होंने अपने जन्मदिन पर हासिल किया। स्टार्क ने श्रीलंकाई सलामी बल्लेबाज दिमुथ करुणारत्ने को 7 रन पर आउट कर अपना 700 वां विकेट लिया। स्टार्क के नाम पर अब टेस्ट में 377 विकेट, एकदिवसीय में 244 विकेट और टी-20 में 79 विकेट हो गये हैं। सबसे तेजी से 700 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन हैं। मुरलीधरन ने 308 पारियां में ये विकेट लिए। वहीं दूसरे नंबर पर आर अश्विन और तीसरे पर शेन वार्न हैं जबकि चौथे और पांचवे नंबर पर वकार यूनुस ओर ग्लेन मैकग्राथ जैसे खिलाड़ी हैं। सबसे तेज 700 अंतरराष्ट्रीय विकेट तक पहुंचने वाले खिलाड़ी इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने उस्मान ख्वाजा के 232, स्टीव स्मिथ के 141 और जॉस इंग्लिस के 102 रनों की सहायता से अपनी पहली पारी छह विकेट पर 654 रन बनाकर पारी घोषित की थी।

राष्ट्रीय खेल : उत्तराखंड ने स्वर्ण सहित 6 पदकों के साथ वुशु में बनाया अपना दबदबा

देहरादून, 31 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के वुशू एथलीटों ने 38वें राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को एक स्वर्ण और पांच कांस्य सहित कुल छह पदक जीते।

अचोम तापस ने वुशू ताओलू दाओशू स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया, जिससे भारत के शीर्ष प्रतियोगियों में से एक के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हुई। तापस, जिन्होंने पहले ही जूनियर स्तर पर कई स्वर्ण पदक जीते हैं, अब सीनियर प्रतियोगिता में मुख्य भूमिका में हैं, जो उनके करियर में एक और मील का पत्थर है।

ज्योति वर्मा ने ताओलू सिंगल सीनियर - चांगक्वान (महिला) में उत्तराखंड की झोली में एक और कांस्य पदक डाला, जिससे राष्ट्रीय मंच पर राज्य की सफलता जारी रही।

उत्तराखंड के कांस्य पदक विजेताओं में विशाल कश्यप (वुशु ताओलू), नीरज जोशी (वुशु सांडा), लवीश कुमार (वुशु सांडा) और शुभम चौधरी (वुशु सांडा) भी शामिल हैं। पदकों की संख्या को और बढ़ाने के लिए, नीरज जोशी, लविश कुमार और शुभम चौधरी राज्य के संग्रह में रजत जोड़ने की उम्मीद के साथ आज (31 जनवरी) रिंग में लौटेंगे। उत्तराखंड वुशु टीम की कोच अंजना रानी ने एथलीटों की प्रतिबद्धता और अनुशासन की प्रशंसा की, उनकी सफलता का श्रेय उनके गहन प्रशिक्षण और राज्य के बढ़ते खेल बुनियादी ढांचे दोनों को दिया। उन्होंने आने वाले दिनों में और अधिक पदक हासिल करने की उनकी क्षमता पर भरोसा जताया। उत्तराखंड सरकार और खेल विभाग ने भी इन उल्लेखनीय एथलीटों की उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए उन्हें बधाई दी है क्योंकि वे भविष्य की प्रतियोगिताओं में और भी बड़ी सफलता के लिए तैयार हैं।

एसए20 : डु प्लेसिस की आक्रामक पारी से जोबर्ग सुपरकिंग्स ने पार्ल रॉयल्स को हराया

नई दिल्ली, 31 जनवरी (एजेंसियां)। कप्तान फाफ डु प्लेसिस की तेज अर्धशतकीय पारी 87 रनों की सहायता से जोबर्ग सुपरकिंग्स ने एसए20 के 26वें मैच में पार्ल रॉयल्स को सात विकेट से हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखी हैं। इस मैच में पार्ल रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए दिनेश कार्तिक के 53 रनों की पारी से 20 ओवर में 9 विकेट पर 150 रन बनाए। इसके बाद जोबर्ग सुपरकिंग्स ने प्लेसिस की आक्रामक पारी से 17.5 ओवर में ही तीन विकेट के नुकसान पर ही तय लक्ष्य हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए जोबर्ग सुपरकिंग्स की ओर से कप्तान फाफ डु प्लेसिस 87 और डेवोन कॉनवे 20 ने 54 अच्छी शुरुआत की। कॉनवे के आउट होने के बाद भी डु प्लेसिस तेजी से खेलते रहे। उन्होंने लियुस डु प्लूई 18 के साथ दूसरे विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी बनायी। प्लेसिस के सामने पार्ल रॉयल्स के गेंदबाज विफल रहे। इस बल्लेबाज ने केवल 55 गेंदों में ही चार चौके और सात छक्के लगाकर 87 रन बनाए। डुडजियोन ने प्लेसिस को आउट कर अपनी टीम को एक अहम सफलता दिलायी।

इसके बाद डोनोवान फरेरा भी 10 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। लियूस डु प्लूई और जॉनी बेयरस्टो 8 ने इसके बाद टीम को आसानी से जीत दिला दी। पार्ल रॉयल्स की ओर से लुंगी एनगिडी, मुजीब उर रहमान और कीथ डुडजियोन ने एक-एक विकेट लिया। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए पार्ल रॉयल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सैम हैन केवल 2 रन ही बना पाये। टीम ने 80 रन के स्कोर पर 6 विकेट गंवा दिए। इसके बाद भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने 39 गेंदों में चार चौके व तीन छक्के की सहायता से 53 रन बनाकर टीम को संभाला और उसे 150 रनों तक पहुंचाया।

पाक क्रिकेटर शादाब विवादों में आये

लाहौर। पाकिस्तानी क्रिकेटर शादाब खान एक बार फिर विवादों में आ गये हैं। शादाब ने कहा है कि क्रिकेटरों के अभिनेत्रियों को संदेश भेजने में कोई गलती नहीं है। शादाब ने एक शो में कहा कि इस प्रकार की बातों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश जा रहा है। शादाब से शो में एक प्रशंसक ने पूछा था कि उन्होंने कभी अभिनेत्रियों को सोशल मीडिया पर संदेश भेजे हैं क्योंकि कई अभिनेत्रियों ने दावा किया था कि क्रिकेटर उन्हें सोशल मीडिया पर संदेश भेजते हैं। शादाब ने कहा कि जो सोशल मीडिया इस्तेमाल करते हैं उनके पास ऐसे संदेशों को ब्लॉक करने या अनदेखा करने की आजादी होती है। हर किसी के पास ब्लॉक करने का विकल्प होता है। अगर आपको यह पसंद नहीं है, तो जवाब न दें। शादाब की टिप्पणियां टिकटॉकर शहताज खान के दावों के जवाब में आई हैं, जिन्होंने पिछले साल आरोप लगाया था कि वह व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम पर उनके संपर्क में थी और शादाब ने उन्हें शादी का प्रस्ताव भी दिया था। हालांकि शादाब की शादी पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सकलैन मुश्ताक की बेटी मलायका से हुई है। शहताज ने शादाब की शादी पर निराशा व्यक्त करते हुए दावा किया कि उस समय उन्हें पता नहीं था कि शादाब शादीशुदा है। उसने कहा कि जब उसकी शादी हुई तो मैं निराश हो गई थी।

हमने राष्ट्रीय राजमार्गों की गुणवत्ता और सुरक्षा बढ़ाने पर बहुत जोर दिया है: गडकरी

कहा-राष्ट्रीय राजमार्ग हमारी राष्ट्रीय संपत्ति, हमने उनकी गुणवत्ता और सुरक्षा बढ़ाने पर दिया है जोर

नई दिल्ली,31 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग हमारी राष्ट्रीय संपत्ति हैं। हमने उनकी गुणवत्ता और सुरक्षा बढ़ाने पर बहुत जोर दिया है। हमने निर्माण की गुणवत्ता बढ़ाने और हमारी प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए ठेकेदारों की ज़िम्मेदारी तय करने के उपाय किए हैं।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया कि नितिन गडकरी ने गुरुवार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा नई दिल्ली में आयोजित हितधारक परामर्श कार्यशाला को संबोधित करते हुए यह बात कही। केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में कहा, प्रौद्योगिकी एक महान सक्षमकर्ता है और स्वचालित और बुद्धिमान मशीन-सहायता प्राप्त निर्माण को अपनाना सही दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा कि हमने लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पायलट परियोजना में सफलता हासिल की है और जल्द ही हम इस तकनीक को अन्य परियोजनाओं में भी लागू करेंगे। इस अवसर पर अपने संबोधन में सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा ने कहा, भारत ने विश्व स्तरीय सड़कों और राजमार्गों के विकास में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिससे हमारे बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस परिवर्तन में प्रत्येक हितधारक की अहम भूमिका है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, सेंसर, उपग्रह और वास्तविक समय की निगरानी जैसी उन्नत तकनीक का लाभ उठाना प्रगति को गति देने के लिए महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि निरंतर तकनीकी प्रगति के साथ हम भारत के सड़क बुनियादी ढांचे को विजन 2047 के साथ संरेखित करने और हमारे राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को विश्व स्तर पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

आर्थिक सर्वेक्षण और केंद्रीय बजट: सीनियर सिटीज़न को मिल सकती है रेलवे टिकट में छूट

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शनिवार को देश का केंद्रीय बजट पेश करेंगी, जिससे पहले शुक्रवार को आर्थिक सर्वेक्षण संसद में प्रस्तुत किया जाएगा। यह सर्वेक्षण देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति, विकास दर और प्रमुख आर्थिक चुनौतियों का विश्लेषण करने वाला महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जिसका व्यापक असर देश के वित्तीय और नीतिगत फैसलों पर होता है। बजट से पहले विशेषज्ञों और जनता की नजरें कुछ अहम बदलावों पर हैं, जिनमें से एक है सीनियर सिटीज़न को रेलवे टिकट पर मिलने वाली छूट की बहाली। कोरोना महामारी के पहले तक 60 साल से ऊपर के पुरुषों को 40 फीसदी और महिलाओं को 50 फीसदी की छूट दी जाती थी। कोविड-19 के दौरान 2020 में इस छूट को बंद कर दिया गया था और महामारी के बाद भी यह सुविधा फिर से शुरू नहीं की गई। सीनियर सिटीजन लंबे समय से इस छूट को फिर से बहाल करने की मांग कर रहे हैं, और उम्मीद जताई जा रही है कि इस बजट में सरकार इस सुविधा को फिर से लागू कर सकती है। इसके अलावा पिछले बजट में किए गए कैपिटल गेन टैक्स के नियमों में बदलाव ने कई निवेशकों को निराश किया था। कैपिटल गेन टैक्स उन प्रॉफिट्स पर लगता है जो किसी संपत्ति, शेयर या म्यूचुअल फंड्स की यूनिट्स को बेचने से होते हैं।

सोलर ऊर्जा से जगमग होंगी महाराष्ट्र की सभी सरकारी इमारतें

मुंबई। पिछले कुछ वर्षों में सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़ रहा है और इसके लिए सरकार विभिन्न योजनाएं चला रही है। इसी श्रृंखला में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना देशभर में अपनी पहचान बना चुकी है। महाराष्ट्र भी इस योजना में अहम भूमिका निभा रहा है और इसके तहत राज्य के 1157 सरकारी इमारतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का कार्य शुरू किया गया है। अब तक लगे संयंत्रों से लोग बिजली के बिलों से मुक्ति पा रहे हैं। राज्य सरकार की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार अब तक सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। सभी सरकारी इमारतों को 15 दिसंबर 2025 से पहले सौर ऊर्जा से विद्युतीकरण करने का मानद लक्ष्य रखा गया है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं वित्त व नियोजन मंत्री ने इस मुद्दे पर समीक्षा बैठक में निर्देश दिया है कि अनजाने सरकारी इमारतों में भी सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए प्रयास किया जाए। यह योजना सिर्फ बिजली के बिलों को कम करने के लिए नहीं, बल्कि इससे पर्यावरण को बचाने में भी मदद मिलेगी। इस कदम से सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है जो आने वाले सालों में देश के लिए बड़ी सफलता साबित हो सकता है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी का माहौल बना रहा। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ दिख रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स 170 अंक की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,071.18 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा नैस्डेक ने 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,680.70 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 44,963.01 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 1.03 प्रतिशत उछल कर 8,646.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आम बजट के पहले बाजार में जोश, लगातार चौथे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ स्टॉक मार्केट

बाजार की तेजी से निवेशकों को 1 दिन में 6.26 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली,31 जनवरी (एजेंसियां)।

आम बजट के पहले घरेलू शेयर बाजार शानदार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी, लेकिन दिन के कारोबार में बिकवाली के मामूली झटकों का सामना करते हुए शेयर बाजार लगातार ऊपर चढ़ता गया। हालांकि दोपहर 1 बजे के करीब एक बार बिकवाली का जोरदार दबाव बनता हुआ नजर आया, लेकिन अगले 1 घंटे के कारोबार में ही खरीदारों ने दोबारा बढ़त बना ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.97 प्रतिशत और निफ्टी 1.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिनभर के कारोबार के दौरान एफएमसीजी, रियल्टी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, मेटल, आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, फार्मास्यूटिकल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस तथा टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। के कारोबार में ऑयल एंड गैस, पावर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी और रियल्टी इंडेक्स में 2 प्रतिशत से अधिक तेजी दर्ज की गई। वहीं कैपिटल गुड्स इंडेक्स 4 प्रतिशत से अधिक उछल गया। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.76 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.83 प्रतिशत की तेजी के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 6 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 424.13 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 417.87 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 6.26 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,047 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,719 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,203 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 125 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,553 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,931 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 622 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 25 शेयर बढ़त के साथ और 5 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 43 शेयर हरे निशान में और 7 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 129.08 अंक की तेजी के साथ 76,888.89 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद कुछ देर तक मामूली उतार चढ़ाव होता रहा, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। दिन के कारोबार में बिकवाली के हल्के-फुल्के झटका का सामना करते हुए ये सूचकांक का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले 846.15 अंक उछल कर 77,605.96 अंक तक पहुंच गया। हालांकि अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई बिकवाली की वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 100 अंक टूट कर 740.76 अंक की तेजी के साथ 77,500.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 47.25 अंक की बढ़त के साथ 23,296.75 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद थोड़ी देर तक मामूली उतार चढ़ाव होता रहा, लेकिन इसके बाद खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के कारण का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 297.30 अंक की मजबूती के साथ 23,546.80 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि अंत में हुई मामूली मुनाफा वसूली की वजह से निफ्टी ऊपरी स्तर से करीब 40 अंक फिसल कर 258.90 अंक की तेजी के साथ 23,508.40 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 5.99 प्रतिशत, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 4.99 प्रतिशत, ट्रेंट लिमिटेड 4.39 प्रतिशत, नेस्ले 4.32 प्रतिशत और लार्सन एंड टूब्रो 4.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, भारती एयरटेल 0.88 प्रतिशत, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.62 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 0.52 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 0.22 प्रतिशत और बजाज फाइनेंस 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

एचएम एलेक्ट्रो मेक की फीकी लिस्टिंग से निवेशक निराश

नई दिल्ली,31 जनवरी (एजेंसियां)।

इलेक्ट्रिकल इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में काम करने वाली कंपनी एचएम इलेक्ट्रो मेक ने घरेलू शेयर बाजार में मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। कंपनी के शेयर 8 प्रतिशत प्रीमियम के साथ बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण ये शेयर लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया।

आईपीओ के तहत कंपनी ने 75 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। इसकी लिस्टिंग 81 रुपये के स्तर पर हुई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही ये शेयर टूट कर 76.95 के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। हालांकि इसके बाद खरीदारों ने लिवाली करके लोअर सर्किट ब्रेक करने में सफलता हासिल कर ली। सुबह 11 बजे तक के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 77.11 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। एचएम इलेक्ट्रो मेक का 27.74 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 28 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। ये आईपीओ ओवरऑल 91.75 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 16.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 183.65 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 95.55 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 36.99 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक 2023-24 में कंपनी को 117.30 करोड़ रुपये का राजस्व मिला था, जबकि कंपनी का शुद्ध लाभ 8.19 करोड़ रुपये दर्ज किया गया था। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के बीच कंपनी को 3.34 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। वहीं इस अवधि में कंपनी 45.43 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

तीसरे कार्यकाल में...

सरकार किसानों को फसलों का उचित दाम दिलाने और आय बढ़ाने के लिए समर्पित भाव से काम कर रही है।संसद में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के इसी अभिभाषण को सोनिया गांधी ने पूअर-थिंग कहा। राहुल गांधी ने भी राष्ट्रपति के अभिभाषण को बोरिंग बताया। इसे भाजपा ने राष्ट्रपति का अपमान करार दिया और सोनिया गांधी से माफी मांगने को कहा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर यह भी कहा कि वह अपने संबोधन के दौरान काफी थक गई थीं और बहुत मुश्किल से बोल पा रही थीं, बेचारी। वहीं, राहुल गांधी ने राष्ट्रपति के भाषण को बोरिंग कहा।सोनिया गांधी की टिप्पणी को भाजपा ने राष्ट्रपति का अपमान करार दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, कांग्रेस के शाही परिवार का अहंकार आज देश ने फिर देखा है। आज हमारी सम्मानीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने संसद को संबोधित किया। उन्होंने देशवासियों को देश की उपलब्धियों के बारे में बताया, विकसित भारत के विजन के बारे में बताया। हिंदी उनकी मातृभाषा नहीं है, फिर भी उन्होंने बहुत ही बेहतरीन भाषण दिया, लेकिन कांग्रेस का शाही परिवार उनके अपमान पर उतर आया है। कांग्रेस और आप-दा दोनों अहंकार की पराकाष्ठा के प्रतीक हैं। ये आप-दा वाले खुद को दिल्ली का मालिक बताते हैं। तो वहीं कांग्रेस वाले खुद को देश का मालिक समझते हैं।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति का अपमान किया है। कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी और उनके बेटे और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने राष्ट्रपति के खिलाफ जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया, मैं उसकी कल्पना भी नहीं कर सकता। उनसे और क्या उम्मीद की जा सकती है? केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि एक समय था जब कांग्रेस को राष्ट्रीय पार्टी माना जाता था। जब से राहुल गांधी ने पार्टी की बागडोर संभाली है, उनके सभी सलाहकार जेएनयू के अति वामपंथी रहे हैं। यही कारण है कि उनकी सभी नीतियां और बयान सभी सांविधानिक पदों के प्रति अपमानजनक हैं। एक आदिवासी महिला जो भारत की प्रथम नागरिक बन गई है, उनके भाषण के बारे में ऐसा कुछ कहना कांग्रेस से अपेक्षित है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, मैं और हर भाजपा कार्यकर्ता सोनिया गांधी द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लिए प्रयोग किए गए शब्दों की कड़ी निंदा करते हैं। जानबूझकर ऐसे शब्दों का प्रयोग कांग्रेस पार्टी की अभिजात्य, गरीब विरोधी और आदिवासी विरोधी प्रकृति को दर्शाता है। मैं मांग करता हूं कि कांग्रेस राष्ट्रपति और भारत के आदिवासी समुदायों से बिना शर्त माफी मांगे। भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति के उच्च पद का अपमान किया है। यह उनकी सामंती मानसिकता को दर्शाता है। यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस ने देश के सर्वोच्च सांविधानिक पद पर आसीन पहली आदिवासी महिला का उपहास किया है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी, जो अक्सर संविधान की प्रति दिखाते हैं, उन्होंने राष्ट्रपति से शिष्टाचार भेंट करने के बारे में भी नहीं सोचा है। कांग्रेस में बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान, संवैधानिक मूल्यों या सामाजिक रूप से हाशिए पर पड़े लोगों दलितों, ओबीसी और आदिवासियों के प्रति कोई सम्मान नहीं है। सड़ांध शीर्ष से शुरू होती है।

राज्यसभा सदस्य रेखा शर्मा ने कहा कि मुझे लगता है कि जब कांग्रेस सत्ता से बाहर होती है तो वह अपना दिमाग खो देती है। उन्हें नहीं पता कि सांविधानिक पदों पर कैसे बात करनी चाहिए। मैंने देखा कि जब आज राष्ट्रपति के अभिभाषण के अंग्रेजी संस्करण से कुंभ में जान गंवाने वालों के लिए शोक संदेश पढ़ा जा रहा था, तो सोनिया जी मुस्कुरा रही थीं। वह अपनी पार्टी के सांसदों को शोर मचाने के लिए भी कह रही थीं। सदन में उनका आचरण बहुत ही निम्न स्तर का है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मैं सोनिया गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं द्वारा की गई टिप्पणियों की निंदा करता हूं। हमारी राष्ट्रपति आदिवासी महिला हैं। वह कमजोर नहीं हैं। द्रौपदी मुर्मू ने देश और समाज के लिए बड़े पैमाने पर काम किया है और वे कल्पना भी नहीं कर सकते कि उन्होंने किस तरह का काम किया है। उन्हें उनसे माफी मांगनी चाहिए।

यह पहला सत्र है...

यह देश के प्रत्येक नागरिक के लिए बहुत गर्व की बात है। इस देश के लोगों ने मुझे तीसरी बार ये जिम्मेदारी दी है और ये इस तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट है। मैं विश्वास से कह सकता हूं कि 2047 में जब आजादी के 100 साल होंगे, विकसित भारत का जो संकल्प इस देश ने लिया है उस दिशा में यह बजट सत्र, यह बजट एक नया विश्वास पैदा करेगा, नई ऊर्जा देगा कि देश जब आजादी के 100 साल मनाएगा तब विकसित होकर रहेगा। 140 करोड़ देशवासी अपने सामूहिक प्रयासों से इस संकल्प को पूरा करेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा, तीसरे कार्यकाल में हम मिशन मोड में देश को सर्वांगीण विकास की दिशा में चाहे वह भौगोलिक रूप से हो, सामाजिक रूप से हो या आर्थिक भिन्न-भिन्न संदर्भ में हो, हम सर्वांगीण विकास के संकल्प को लेकर मिशन मोड में आगे बढ़ते जा रहे हैं। नवाचार, समावेशन और निवेश लगातार हमारी आर्थिक गतिविधि के रोडमैप का आधार रहे हैं। इस सत्र में हमेशा की तरह कईं ऐतिहासिक बिल पर सदन में चर्चा होगी और व्यापक मंथन के साथ वो राष्ट्र की ताकत बढ़ाने वाले कानून बनेंगे। विशेषकर नारीशक्ति के गौरव को पुनः प्रस्थापित करना, पंथ-संप्रदाय के भेद से मुक्त होकर हर नारी को सम्मानपूर्ण जीवन और समान अधिकार मिले, इस दिशा में इस सत्र में कई महत्व-पूर्ण निर्णय लिए जाएंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि इस बजट सत्र में सभी सांसद विकसित भारत को मजबूती देने के लिए अपना योगदान देंगे। विशेषकर जो युवा सांसद हैं, उनके लिए तो ये सुनहरा अवसर है, क्योंकि वो सदन में जितनी जागरूकता और भागीदारी बढ़ाएंगे, विकसित भारत के फल उनकी नजर के सामने देखने को मिलेंगे। इसलिए युवा सांसदों के लिए ये एक अनमोल अवसर है। मैं आशा करता हूं कि हम देश की आशा-आकांक्षाओं के इस बजट सत्र में खरे उतरेंगे।

बुनियादी ढांचे में ...

भारत को जमीनी स्तर के संरचनात्मक सुधारों, नियमन को शिथिल करते हुए अपनी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बेहतर करने की जरूरत है। एआई के लिए उचित शासन ढांचे की कमी से प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग होने की आशंका है। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में आम चुनावों के दौरान नई स्वीकृतियों और व्यय पर बाधाओं व कई क्षेत्रों में भारी मानसून के कारण बुनियादी ढांचे पर खर्च की गति प्रभावित हुई। आगे इसमें सुधार आने की उम्मीद है।संसद में शुक्रवार को पेश आर्थिक समीक्षा 2024-25 के अनुसार वृद्धि दर में गति को बरकरार रखने के लिए भारत में बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेश को अगले दो दशकों में लगातार बढ़ाने की जरूरत है। नवीनतम आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में आम चुनावों के दौरान नई स्वीकृतियों और व्यय पर बाधाओं व कई क्षेत्रों में भारी मानसून के कारण बुनियादी ढांचे पर खर्च की गति प्रभावित हुई। हालांकि, पिछले वर्ष जुलाई और नवंबर के बीच पूंजीगत व्यय की गति बढ़ गई। सदन में पेश दस्तावेज में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष के लिए केंद्र का पूंजीगत व्यय वित्त वर्ष 20 के पूंजीगत व्यय का लगभग 3.3 गुना निर्धारित किया गया है।

सर्वेक्षण के अनुसार आपदा-रोधी शहरीकरण, सार्वजनिक परिवहन, विरासत स्थलों, स्मारकों और पर्यटन स्थलों का संरक्षण और रखरखाव की रूरत है। रिपोर्ट में कनेक्टिविटी सहित ग्रामीण सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर अधिक ध्यान देने की जरूरत पर बल दिया गया है। सर्वेक्षण में कहा गया है, हमारी शुद्ध शून्य प्रतिबद्धताओं के कारण नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता सृजन पर अतिरिक्त जोर दिया जा रहा है। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार सरकार के विभिन्न स्तरों पर बजट संबंधी बाध्यताएं हैं। कार्यक्रम और परियोजना नियोजन, वित्तपोषण, निर्माण, रखरखाव, मुद्रीकरण और प्रभाव आकलन जैसे कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में निजी भागीदारी में तेजी लाने की जरूरत है।

सर्वेक्षण में कहा गया है, हमारा बुनियादी ढांचा कार्यक्रम विभिन्न प्रकार के पीपीपी मॉडल का समर्थन करता है। सर्वेक्षण के अनुसार ने राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन, राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन और पीएम-गति शक्ति जैसे सुविधा तंत्र स्थापित किए हैं, जिनसे प्रगति हुई है। वित्तीय बाजार नियामकों ने निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए सुधार किए हैं। इसके बावजूद अब भी कई प्रमुख क्षेत्रों में निजी उद्यम की भागीदारी सीमित है। निजी भागीदारी को बढ़ाने की रणनीति के लिए सभी हितधारकों जैसे विभिन्न स्तरों पर सरकारें, वित्तीय बाजार के खिलाड़ी, परियोजना प्रबंधन विशेषज्ञ और योजनाकार तथा निजी क्षेत्र की समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता है।

जल्द ही पारदर्शी ...

वक्फ बोर्डों को कानून द्वारा अनिवार्य करने की जगह अनुमति देने का प्रस्ताव है। वक्फ बोर्ड काउंसिल में कम से कम दो मुस्लिमों का होना अनिवार्य है, यह केंद्र या राज्य द्वारा तय अधिकारी से अलग होगा। किसी भी प्रकार की विवादित सम्पत्तियों को दान नहीं किया जा सकेगा। वक्फ ट्रिब्यूनल में तीन सदस्य होंगे, तीसरा इस्लामिक स्कॉलर होगा। उल्लेखनीय है कि मुस्लिम संगठनों ने जिलाधिकारी को जांच अधिकारी बनाने का विरोध किया था। मुस्लिमों का कहना था कि जिला कलेक्टर राजस्व अभिलेखों के प्रमुख होते हैं, ऐसे में उनके द्वारा निष्पक्ष जांच की आशा नहीं की जा सकती।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने ...

लेकिन चार माह बीतने के बाद भी सीईओ का चयन नहीं कर पाया। इसी को लेकर मोहम्मद अकबर नाम के व्यक्ति ने तेलंगाना हाईकोर्ट में अवमानना की याचिका दाखिल की। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि अदालत द्वारा तय, समय सीमा के बाद भी सीईओ का पद खाली रहा। बोर्ड के मामलों का प्रबंधन करने के लिए एक प्राधिकृत अधिकारी के बजाय एक गैर संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को सीईओ बना दिया, जिससे वक्फ की सम्पत्तियों को नुकसान पहुंचा।

याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि मोहम्मद असदुल्लाह, जिन्हें वक्फ बोर्ड का सीईओ नियुक्त किया गया है, वो असल में एक स्पेशल डिप्टी कलेक्टर थे, जिनकी नियुक्ति वक्फ अधिनियम की धारा 1995 के सेक्शन 23 के अंतर्गत पात्रता के मानदंडों को पूरा ही नहीं करती। इस पर तेलंगाना वक्फ बोर्ड की तरफ से पेश वकील डीवी सीताराम मूर्ति ने दावा किया कि जीओ आरटी. नंबर के जरिए मोहम्मद असदुल्लाह को सीईओ नियुक्त करके आदेश का अनुपालन किया है। इन सभी मामलों पर सुनवाई करते हुए तेलंगाना हाईकोर्ट ने कहा कि अवमानना की कार्यवाही न्यायिक आदेशों को सुनिश्चित करती है, लेकिन, उसे पीड़ित के द्वारा सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इसी के साथ अदालत ने अवमानना की याचिका को खारिज कर दिया। हालांकि, अदालत ने ये पाया कि मोहम्मद असदुल्लाह की नियुक्ति वक्फ अधिनियम के अनुरूप नहीं है। क्योंकि इसके अनुसार, वक्फ बोर्ड का सीईओ केवल राज्य सरकार के उपसचिव स्तर का ही अधिकारी हो सकता है। इसके बाद कोर्ट ने असदुल्लाह की योग्यता को कम बताते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से हटाने का आदेश जारी कर दिया।

दिल्ली वालों ने...

ताकि मिलजुल कर दिल्ली की हर बड़ी समस्या का समाधान हो। हमें मिलकर दिल्ली को लूट और झूठ की आप-दा से मुक्त कराना है।बीते 11 साल में आप-दा ने सबके साथ लड़ाई-झगड़ा ही किया है। ये केंद्र सरकार से लड़ते हैं, ये हरियाणा वालों के साथ लड़ते हैं, ये यूपी वालों के साथ लड़ते हैं, ये केंद्र सरकार की योजनाओं को लागू नहीं होने देते हैं। अगर दिल्ली में यही आप-दा वाले ही रहे, तो दिल्ली विकास में पीछे रह जाएगी और बर्बाद होती जाएगी। पीएम मोदी ने कहा, मेरा अपना तो कोई घर नहीं है, लेकिन मेरा सपना है कि मैं हर गरीब को पक्का घर दूं। लेकिन यहां की आप-दा सरकार पूरी ताकत से जुटी हुई है कि आपको पक्के घर न मिल पाएं। ये टीवी पर, अखबारों में, सड़कों के किनारे अपने चेहरे चमकाने के लिए पानी की तरह पैसा बहा रहे हैं, लेकिन आपकी गली, नाली, सीवर, सड़क, पाइपलाइन इनको बनाने के लिए आप-दा वाले पैसा नहीं देते। पीएम मोदी ने कांग्रेस के शाही परिवार द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अपमान किए जाने पर भी कड़ा प्रहार किया।

इस्लाम छोड़ने के...

यदि कोई ऐसा न करना चाहता हो तो? सफिया का कहना है कि तब तो इस्लाम छोड़ने के बाद किसी को सम्पत्ति का कोई हिस्सा ही नहीं मिल सकता?

सफिया ने कहा, मुस्लिम पर्सनल लॉ महिलाओं के प्रति भेदभावपूर्ण है और यह संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। जिस व्यक्ति ने मजहब त्याग दिया है, उसके उत्तराधिकार के मामले भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम से तय हों। सफिया ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का भी समर्थन किया है। सफिया ने कहा कि अगर इस कानून से महिलाओं के अधिकार सुरक्षित होते हैं तो वह इसकी पूरी तौर से समर्थक हैं। सफिया के इस मामले ने शरिया कानून की बंदिशों को एक बार फिर सामने ला दिया है।

शिव और सिद्ध योग में मनेगी बंसत पंचमी कल

माघ मास में शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को बसंत पंचमी का पर्व मनाया जाता है। इस साल बसंत पंचमी 2 फरवरी को मनाई जाएगी। कहा जाता है कि इस दिन से ही बसंत ऋतु का आगमन होता है। इसके साथ ही इस दिन ही मां सरस्वती की उपत्ति भी हुई थी। यह दिन छात्रों, कला, संगीत आदि क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए बेहद खास होता है। बसंत पंचमी के दिन पीले रंग का भी विशेष महत्व होता है। बसंत पंचमी का दिन विद्या आरंभ या किसी भी शुभ कार्य के लिए बेहद उत्तम माना जाता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि पंचांग के अनुसार इस साल माघ माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 2 फरवरी 2025 को सुबह 9:14 मिनट से शुरू होगी। इस तिथि का समापन 3 फरवरी को सुबह 6:52 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, 2 फरवरी 2025 को वसंत पंचमी का पर्व मनाया जाएगा। वसंत पंचमी तिथि के बाद से ही वसंत ऋतु की शुरुआत हो जाती है। वसंत पंचमी के दिन विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा-आराधना का विशेष महत्व होता है। वसंत पंचमी के दिन पीले कपड़े पहनने का विशेष महत्व होता है। ऐसी मान्यता है कि इस तिथि पर देवी सरस्वती का जन्म हुआ था।

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि मुहूर्त शास्त्र में वसंत पंचमी की तिथि को अबूझ मुहूर्त माना जाता है, जिसमें किसी भी शुभ कार्य को करने में मुहूर्त का विचार नहीं करते। वसंत पंचमी पर कई तरह के शुभ कार्यों के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है। इस वसंत पंचमी अबूझ मुहूर्त में विद्यारंभ, गृह प्रवेश, विवाह और नई वस्तु की खरीदारी के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। प्रकृति के इस उत्सव को महाकवि कालीदास ने इसे ''सर्वप्रिये चारुतर वसंते'' कहकर अलंकृत किया है। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने ''ऋतूनां कुसुमाकराः'' अर्थात मैं ऋतुओं में वसंत हूँ कहकर वसंत को अपना स्वरूप बताया।

वसंत पंचमी के दिन ही कामदेव और रति ने पहली बार मानव हृदय में प्रेम और आकर्षण का संचार किया था। इस त्योहार को लेकर मान्यता है कि सृष्टि अपनी प्रारंभिक अवस्था में मूक, शांत और नीरस थी। चारों तरफ मौन देखकर भगवान ब्रह्मा जी अपने सृष्टि सृजन से संतुष्ट नहीं थे। उन्होंने अपने कमंडल से जल छिड़का और इससे अद्भुत शक्ति के रूप में मां सरस्वती प्रकट हुईं। मां सरस्वती ने वीणा पर मधुर स्वर छेड़ा जिससे संसार को ध्वनि और वाणी मिली। इसलिए बसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की पूजा का विधान है।

मान्यता है कि इस दिन आराधना करने से माता सरस्वती शीघ्र प्रसन्न होती हैं और ज्ञान का आशीर्वाद प्रदान करती हैं। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव-माता पार्वती के विवाह की लग्न लिखी गई। विद्यार्थी और कला साहित्य से जुड़े हर व्यक्ति को इस दिन मां सरस्वती की पूजा अवश्य करनी चाहिए। इस दिन सच्चे मन से की गई पूजा कभी विफल नहीं जाती। मां सरस्वती की पूजा से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। इस दिन घर में मां सरस्वती की मूर्ति या तस्वीर अवश्य स्थापित करें। घर में वीणा रखने से घर में रचनात्मक वातावरण निर्मित होता है। घर में हंस की तस्वीर रखने से मन को शांति मिलती है और एकाग्रता बढ़ती है। मां सरस्वती की पूजा में मोर पंख का बड़ा महत्व है। घर के मंदिर में मोर पंख रखने से नकारात्मक ऊर्जा का अंत होता है। कमल के फूल से मां का पूजन करें। बसंत पंचमी के दिन विवाह, गृह प्रवेश और अन्य शुभ कार्य संपन्न कराए जाते हैं। बसंत पंचमी के दिन शिशुओं को पहली बार अन्न खिलाया जाता है। इस दिन बच्चों का अक्षर आरंभ भी कराया जाता है। बसंत पंचमी में पीले रंग का विशेष महत्व है। पूजा विधि में पीले रंग की वस्तुओं का प्रयोग करें। पीले रंग के व्यंजन बनाए जाते हैं। बसंत पंचमी के दिन कामदेव और उनकी पत्नी रति की भी पूजा की जाती है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार इस साल माघ माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 2 फरवरी 2025 को सुबह 9:14 मिनट से शुरू होगी। इस तिथि का समापन 3 फरवरी को सुबह 6:52 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, 2 फरवरी 2025 को वसंत पंचमी का पर्व मनाया जाएगा।

सरस्वती पूजा मुहूर्त

इस साल 2 फरवरी 2025 को वसंत पंचमी के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 7:09 मिनट से शुरू होगा, जो दोपहर 12:35 मिनट तक रहेगा। ऐसे में आप इस अवधि के समय देवी सरस्वती की पूजा कर सकते हैं।

शुभ योग

पंचांग के मुताबिक 2 फरवरी को उत्तराभाद्रपद नक्षत्र का निर्माण होगा, जिस पर शिव और सिद्ध योग का संयोग रहेगा। इस तिथि पर सूर्य मकर राशि में रहेगें। इस दौरान अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12:13 से 12:56 मिनट तक रहेगा। अमृतकाल रात 20:24 से 21:53 मिनट तक है।

पूजा विधि

मां सरस्वती की प्रतिमा या मूर्ति को पीले रंग के वस्त्र अर्पित करें। अब रोली, चंदन, हल्दी, केसर, चंदन, पीले या सफेद रंग के पुष्प, पीली मिठाई और अक्षत अर्पित करें। अब पूजा के स्थान पर वाद्य यंत्र और किताबों को अर्पित करें। मां सरस्वती की वंदना का पाठ करें। विद्यार्थी चाहें तो इस दिन मां सरस्वती के लिए व्रत भी रख सकते हैं।

या कुंदेंदुतुषारहारधवला, या शुभ्रवस्त्रावृता।
या वीणा वर दण्डमण्डित करा, या श्वेत पद्मासना।
या ब्रहमाऽच्युत शंकर: प्रभृतिर्भि: देवै: सदा वन्दिता।
सा मां पातु सरस्वती भगवती, नि:शेषजाड्यापहा।।

मां सरस्वती के इस श्लोक से मां का ध्यान करें। इसके पश्चात 'ओम् ऐं सरस्वत्यै नम:' का जाप करें और इसी लघु मंत्र को नियमित रूप से आप अर्थात विद्यार्थी वर्ग प्रतिदिन कुछ समय निकाल कर इस मंत्र से मां सरस्वती का ध्यान करें। इस मंत्र के जाप से विद्या, बुद्धि, विवेक बढ़ता है। वसंतोत्सव नवीन ऊर्जा देने वाला उत्सव है। शिशिर ऋतु के असहनीय सर्दी से मुक्ति मिलने का मौसम आरंभ हो जाता है। प्रकृति में परिवर्तन आता है और जो पेड़-पौधे शिशिर ऋतु में अपने पत्ते खो चुके थे वे पुनः नव-नव पल्लव और कलियों से युक्त हो जाते हैं। वसंतोत्सव माघ शुक्ल पंचमी से आरंभ होकर के होलिका दहन तक चलता है। कहा जाता है कि वसंत पंचमी के दिन जैसा मौसम होता है वैसा पूरे होली तक ऐसा ही मौसम रहता है।

सरस्वती पूजा की सामग्री

बसंत पंचमी के दिन सरस्वती पूजा के लिए सामग्री में आप मां शारदा की तस्वीर, गणेश जी की मूर्ति और चौकी व पीला वस्त्र शामिल करें। इसके अलावा पीले रंग की साड़ी, माला, पीले रंग का गुलाल, रोली, एक कलश, सुपारी, पान का पत्ता, अगरबत्ती, आम के पत्ते और धूप व गाय का घी भी शामिल करें। वहीं कपूर, दीपक, हल्दी, तुलसी पत्ता, रक्षा सूत्र, भोग के लिए मालपुआ, खीर, बेसन के लड्डू और चंदन, अक्षत, दूर्वा, गंगाजल रखना न भूलें।

बसंत पचंमी कथा

सृष्टि के रचनाकार भगवान ब्रह्मा ने जब संसार को बनाया तो पेड़-पौधों और जीव जन्तुओं सबकुछ दिख रहा था, लेकिन उन्हें किसी चीज की कमी महसूस हो रही थी। इस कमी को पूरा करने के लिए उन्होंने अपने कमंडल से जल निकालकर छिड़का तो सुंदर स्त्री के रूप में एक देवी प्रकट हुईं। उनके एक हाथ में वीणा और दूसरे हाथ में पुस्तक थी। तीसरे में माला और चौथा हाथ वर मुद्रा में था। यह देवी थीं मां सरस्वती। मां सरस्वती ने जब वीणा बजाया तो संस्सार की हर चीज में स्वर आ गया। इसी से उनका नाम पड़ा देवी सरस्वती। यह दिन था बसंत पंचमी का। तब से देव लोक और मृत्युलोक में मां सरस्वती की पूजा होने लगी।

31 मई तक मीन राशि में रहेंगे शुक्र

मीन राशि में होंगे वक्री और मार्गी

वैवाहिक सुख के कारक शुक्र 27 जनवरी को कुंभ राशि से मीन राशि में प्रवेश कर गए हैं। इस राशि में शुक्र उच्च का रहता है। ये ग्रह धन-वैभव देने वाला माना जाता है। इस ग्रह की स्थिति का व्यक्ति के वैवाहिक जीवन पर भी सीधा असर होता है। मीन राशि में इस समय शनि की साढ़ेसाती चल रही है, इस राशि में शुक्र 2 मार्च को वक्री हो जाएगा, 13 अप्रैल को मार्गी होगा। 31 मई को ये ग्रह मेष राशि में प्रवेश करेगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि वैवाहिक सुख के कारक शुक्र 27 जनवरी को कुंभ राशि से मीन राशि में प्रवेश कर गए हैं। इस राशि पर गोचर करते हुए ये 02 मार्च की सुबह 06:06 मिनट पर वक्री होंगे। और 13 अप्रैल को मार्गी होकर 31 मई को दोपहर 11:32 मिनट पर मेष राशि में प्रवेश कर जाएंगे। शुक्र का राशि परिवर्तन हर राशि पर कोई न कोई प्रभाव जरूर डालता है। शुक्र को सभी ग्रहों में सबसे चमकदार ग्रह माना जाता है। चूंकि शुक्र एक शुभ ग्रह है इसलिए कुंडली में इसकी अच्छी स्थिति से जातकों को जीवन में कई सुख सुविधाएँ मिलती हैं लेकिन मुख्य रुप से प्रेम, भौतिक सुखों में इसकी मजबूती से वृद्धि होती है।

शुक्र का राशि परिवर्तन हर राशि पर कोई न कोई प्रभाव जरूर डालता है। शुक्र को सभी ग्रहों में सबसे चमकदार ग्रह माना जाता है। चूंकि शुक्र एक शुभ ग्रह है इसलिए कुंडली में इसकी अच्छी स्थिति से जातकों को जीवन में कई सुख सुविधाएँ मिलती हैं लेकिन मुख्य रुप से प्रेम, भौतिक सुखों में इसकी मजबूती से वृद्धि होती है। शुक्र की उच्च राशि मीन है, वहीं धनु राशि में शुक्र का होना सामान्य माना जाता है। हालांकि, शनि, और केतु के साथ शुक्र की मित्रता होती है। वहीं ये बृहस्पति के साथ सामान्य फल देने वाला ग्रह है। ऐसे में शुक्र का राशि परिवर्तन सभी राशियों के लिए खास रहेगा।

ज्योतिष में शुक्र

शुक्र या वीनस को ज्योतिष में स्त्री ग्रह भी माना जाता है। ये वृष और तुला राशि का स्वामी है। शुक्र लाभ के साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि का भी कारक होता है। व्यक्ति की कलात्मकता का भी विकास होता है। किसी की कुंडली में ये ग्रह कमजोर या मजबूत हो, दोनों ही स्थिति में काफी मायने रखता है। ज्योतिष में शुक्र अच्छे कपड़े, विवाह, आमदनी, नारी, ब्राह्मण, पत्नी, यौन जीवन का सुख, फूल, वाहन, चांदी, आनंद, कला, वाद्ययंत्र और राजसी प्रवृत्ति का कारक ग्रह है। शुक्र के राशि परिवर्तन होने से इन मामलों संबंधी बदलाव देखने को मिलते हैं।

क्या होगा प्रभाव

मीन राशि में शुक्र होने से धर्म, अर्थ और काम ये तीन पुरूषार्थ सफल होते हैं। शुक्र के प्रभाव से बड़े समाजिक कार्य पूरे हो सकते हैं। धनु राशि में शुक्र के आने से प्रशासनिक और राजनैतिक मामलों में बड़े बदलाव हो सकते हैं। इन क्षैत्रों से जुड़े लोगों के लिए समय अच्छा कहा जाता है। शुक्र के राशि परिवर्तन से कई लोगों की सेहत में भी उतार-चढ़ाव आ सकते हैं। जॉब और बिजनेस में तरक्की के योग बनेंगे। विपरित लिंग के लोगों के कारण कामकाज में बदलाव होने की भी संभावना है। सुख-सुविधाएं, यात्राएं और शारीरिक सुख संबंधी मामलों में महत्वपूर्ण बदलाव होने की संभावना है। शुक्र के पास अमृत संजीवनी है और शुक्र पृथ्वी के साथ है। वस्तुओं की लागत बढ़ सकती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी शुभ असर देखने को मिलेगा। ललित कलाओं की तरफ आप का रूझान हो सकता है। यदि आप मनोरंजन के क्षेत्र से जुड़े हैं तो आपको शुभ फल प्राप्त होगा। वहीं मीडिया आदि के क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को भी यह शुक्र लाभ कराने वाला होगा। जॉब और बिजनेस से संबंधित परेशानियां दूर होंगी।

शुक्र के उपाय

मां लक्ष्मी अथवा मां जगदम्बा की पूजा करें। भोजन का कुछ हिस्सा गाय, कौवे और कुत्ते को दें। शुक्रवार का व्रत रखें और उस दिन खटाई न खाएं। चमकदार सफेद एवं गुलाबी रंग का प्रयोग करें। श्री सूक्त का पाठ करें। शुक्रवार के दिन सफेद वस्त्र, दही, खीर, ज्वार, इत्र, रंग-बिरंगे कपड़े, चांदी, चावल इत्यादि वस्तुएं दान करें। शुक्र का मीन राशि में प्रवेश करने से राशियों पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

मेष राशि

शुक्र आपके लिए लाभकारी रहेगा। शुक्र की वजह से दिखावटी सामान पर खर्च करेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और नए अवसर प्राप्त होंगे।

वृषभ राशि

शुक्र के मीन राशि में आने से आपके करियर में उन्नति होगी। आपकी पुरानी मेहनत का फल मिलेगा। घर-परिवार और कार्यस्थल पर सुखद समय रहेगा।

मिथुन राशि

कार्य वृद्धि होगी। कम समय में ज्यादा काम करने पड़ेंगे। आपको भाग्य का साथ मिलेगा। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। यात्राओं के योग भी बन सकते हैं।

कर्क राशि

भाग्य का साथ मिलेगा। बहन से सहयोग से बड़ा काम पूरा हो सकता है। आर्थिक लाभ मिल सकता है। स्थायी संपत्ति से लाभ हो सकता है।

सिंह राशि

विवाद हो सकते हैं, सतर्क रहें। सोच-विचार कर काम करें। वैवाहिक जीवन में तनाव रह सकता है।

कन्या राशि

वैवाहिक सुख बना रहेगा। लव लाइफ में सफलता मिलेगी, विवाह से जुड़ी बात तय हो सकती है। कार्यस्थल पर अनुकूल समय रहेगा।

तुला राशि

इस राशि की महिलाओं को थायराइड संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। पुरुषों को कमजोरी का सामना करना पड़ सकता है। तुला राशि के लोग सेहत के मामले में सतर्क रहें।

वृश्चिक राशि

इस राशि के लोगों के जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी। संतान से सुख मिलेगा। धन-संपत्ति से संबंधित मामलों में लाभ होगा।

धनु राशि

माता से सुख मिलेगा। माता के सहयोग से सफलता मिल सकती है। कार्य वृद्धि होगी, लेकिन आय में बढ़ोतरी भी हो सकती है। शुक्र आपके लिए लाभकारी रहेगा।

मकर राशि

इस राशि के लोगों का अपने काम में प्रदर्शन अच्छा रहेगा। भाग्य का साथ मिलेगा, जिससे बड़ी सफलता मिल सकती है।

कुंभ राशि

संपत्ति से लाभ मिलेगा। वाहन सुख मिलेगा। भाग्य का साथ मिलेगा, जिससे अटके काम पूरे हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

मीन राशि

दैनिक कार्यों में लाभ मिलेगा। शुक्र का ये गोचर आपके लिए सुखद वातावरण बनाएगा। स्थायी संपत्ति से लाभ हो सकता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

आध्यात्मिकता-'एक पिरामिड संरचना'

प्राणशक्ति सृष्टि के प्रत्येक कण में विद्यमान है। ब्रह्मा से निकली प्राणशक्ति विभिन्न आवृत्तियों या कंपनों में विभाजित है। सूक्ष्मतर तरंगों ने पृथ्वीलोक से परे, भुव, स्वाहा, मह, जन, तप और सत्य जैसे उच्च आयामों में खुद को स्थिर कर लिया। स्थूल आवृत्तियों ने खुद को निचले आयामों-तालों में स्थिर कर लिया। पृथ्वीलोक या भूलोक ही एकमात्र आयाम है, जहाँ ये सभी आवृत्तियाँ किसी प्राणी के लिए सुलभ हैं और प्राण की ये अलग-अलग आवृत्तियाँ, एक पिरामिड संरचना में मौजूद हैं। सबसे स्थूल आवृत्तियाँ पिरामिड का आधार बनाती हैं, और सबसे सूक्ष्म आवृत्ति नुकीला शीर्ष बनाती है। पिरामिड के आधार पर बहुत सी जगह है - हम जिन लोगों से मिलते हैं और बातचीत करते हैं उनमें से अधिकांश लोग इसी तल में मौजूद हैं। वे अपना जीवन बुनियादी इच्छाओं - भोजन, सेक्स, पैसा आदि की खोज में बिताते हैं। जैसे-जैसे कोई पिरामिड में ऊपर बढ़ता है - लोगों की संख्या कम हो जाती है, जबकि शीर्ष पर केवल एक के लिए जगह होती है, क्योंकि केवल इतने लोगों के पास ही पहुंच का अधिकार होता है।

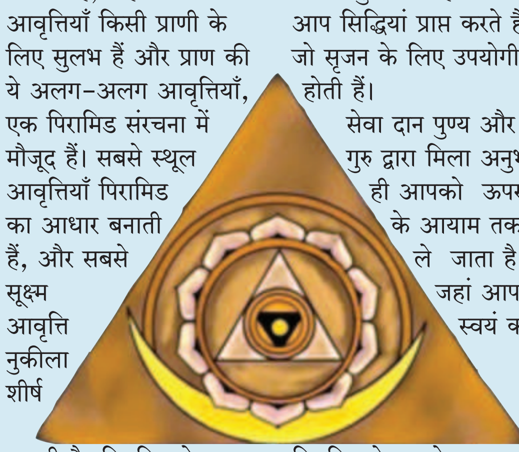

सेवा भाव एवं परोपकार की भावना ही किसी को ऊपर स्थापित कर पाती हैं।

जब आप योग में प्रगति करते हैं तो प्राण पर नियंत्रण आवश्यक है इससे सिद्धियां प्राप्त होती हैं तभी आप संतुलन के स्तर पर जाते हो।पिरामिड में अगर आप तल की तरफरहेंग उतना ही भौतिक दुनिया के करीब होंगे और गुरुत्वाकर्षण के बल से उसी में बांध जायेंगे,और यही बंधन और शक्ति आपको उच्च आयाम पर नहीं पहुंचने देते ।

जब गुरु की सहायता से आप सिद्धियां प्राप्त करते हैं जो सृजन के लिए उपयोगी होती हैं।

सेवा दान पुण्य और गुरु द्वारा मिला अनुभव ही आपको ऊपर के आयाम तक ले जाता है जहां आप स्वयं को पिरामिड के सबसे ऊपर वाले स्थान पर पाते हो।ये कार्य आप अपनी इच्छा से कार्य हैं ।योग के माध्यम से सही आवृति पर पहुंचे।

याद रखे ,आध्यात्मिकता का यह पिरामिड त्रिआयामी हैं जो संपूर्ण प्रकट सृष्टि को समग्रता में और उस से दूर के मार्ग को दर्शाता है।

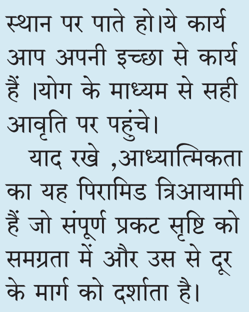

-अश्विनी गुरुजी
मार्गदर्शक, ध्यान फ़ाउण्डेशन

ऐश्वर्या के साथ रोमांस, करिश्मा से टूटी थी सगाई, तमिलनाडू की मुख्यमंत्री को करना चाहता था डेट

49 की उम्र में आज भी हैं कुंवारें अक्षय खन्ना

कई सुपरहिट फिल्में दे चुके इस एक्टर को बॉलीवुड का सबसे अंडररेटेड एक्टर कहें तो गलत नहीं होगा। इन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी, लेकिन इंडस्ट्री में कभी उन्हें वो जगह नहीं मिली, जिसके वो हकदार थे। वह कई बार फिल्मों से दूर हुए और हर बार दमदार अंदाज में कमबैक किया। 49 साल के हो चुके अक्षय खन्ना ने आज तक शादी नहीं की है, लेकिन अक्षय खन्ना का नाम उस दौर की कई बड़ी अभिनेत्रियों के साथ जुड़ा....और क्या आप जानते हैं कि अभिनेत्री करिश्मा कपूर के साथ उनकी शादी होते होते रह गई।।कम ही लोगों को पता होगा कि वह आमिर खान की कल्ट फिल्म दंगल के लिए मेकर्स की पहली पसंद थे।

हम बात कर रहे हैं अक्षय खन्ना की। 28 मार्च 1975 को मुंबई में जन्मे अक्षय खन्ना 80 के दशक के स्टार विनोद खन्ना के बेटे हैं। उन्होंने बॉम्बे इंटरनेशनल स्कूल और लॉरेंस स्कूल लवडेल, ऊटी से पढ़ाई की। अक्षय पढ़ाई में कमजोर थे, लेकिन स्पोर्ट्स में माहिर थे। 17 साल की उम्र में अक्षय खन्ना ने सिर्फ इसीलिए कॉलेज का एग्जाम नहीं दिया, क्योंकि वो जानते थे कि वो फेल हो जाएंगे। अक्षय महीनों तक पिता विनोद खन्ना को सच्चाई बताने की हिम्मत नहीं जुटा पाए कि उन्हें पढ़ाई छोड़नी है। एक दिन हिम्मत करके उन्होंने पिता को सच बता दिया। तभी यह तय हुआ कि अक्षय फिल्मों में करियर बनाएंगे। ऐसा अक्षय ने मिड-डे से बातचीत में शेयर किया था। हीरो बनने के लिए उन्होंने

किशोर नमित स्कूल से एक्टिंग सीखी।

अक्षय खन्ना ने 1997 में रिलीज हुई फिल्म हिमालय पुत्र से बॉलीवुड डेब्यू किया था। ये फिल्म उन्हें इसीलिए मिली, क्योंकि उनके पिता विनोद खन्ना के इसमें पैसे लगे थे। विनोद खन्ना फिल्म शुरू होने से पहले गोदरेज सिंथॉल सुपरमॉडल कॉन्टेस्ट के जज बने थे। इस कॉन्टेस्ट में बिपाशा बसु ने जीत हासिल की थी, उस समय वो फिल्मों में नहीं आई थीं।विनोद खन्ना ने बिपाशा का टैलेंट पहचानते हुए उन्हें हिमालय पुत्र का ऑफर दिया, लेकिन उन्होंने वो ऑफर ठुकरा दिया। बिपाशा के इनकार के बाद अंजला झावेरी ने अक्षय खन्ना के साथ डेब्यू किया।

हिमालय पुत्र बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा सकी, लेकिन इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट मेल डेब्यू एक्टर के लिए स्टार स्क्रीन अवॉर्ड मिला। बाद में अक्षय बॉर्डर, लावारिस, आ अब लौट चलें जैसी फिल्मों में नजर आए, लेकिन ये फिल्में उनके लिए फायदेमंद साबित नहीं हुईं। 1999 में हिट फिल्म ताल से अक्षय को पॉपुलैरिटी मिली। 1999 में ही अक्षय की दहक भी फ्लॉप हो गई और उन्होंने एक साल का ब्रेक ले लिया। बाद में 2001 में आई फिल्म दिल चाहता है उन्होंने दमदार वापसी की। आगे वह रेस, आपकी खातिर, गांधी माय फादर, गली-गली चोर है जैसी फिल्मों में नजर आए।

अक्षय अपने बाल्ड लुक को लेकर भी बेहद चर्चा में रहते हैं। यह समस्या अक्षय के साथ 19 साल की उम्र से ही शुरू हो गई थी। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि एक एक्टर के लिए उसका लुक सबसे ज्यादा मायने रखता है। ठीक वैसे ही जैसे किसी फुटबॉलर के लिए उसके पैर। बाल झड़ने के बावजूद अक्षय ने कभी दूसरे अभिनेताओं की तरह विग और पैच लगाने के बारे में नहीं सोचा। उन्होंने अपनी कमी को अपना लिया। आज अक्षय का बाल्ड लुक ही उनका आइकॉनिक लुक है।

पर्सनल लाइफ की बात करें तो 48 साल के हो चुके अक्षय आज भी बॉलीवुड के मोस्ट एलिजिबल बैचलर्स की लिस्ट में शामिल हैं। ना उन्होंने शादी की और ना करना चाहते हैं। हालांकि उनका नाम करिश्मा कपूर, तारा शर्मा जैसी अभिनेत्रियों के साथ जुड़ा। करिश्मा कपूर के पिता रणधीर कपूर चाहते थे कि उनकी बेटी की शादी उनके करीबी दोस्त विनोद खन्ना के बेटे अक्षय खन्ना से हो जाए। जब ये प्रस्ताव उन्होंने विनोद खन्ना को दिया तो वो मान गए। दोनों ने शादी तय कर दी, लेकिन जैसे ही ये बात करिश्मा की मां बबीता तक पहुंची तो उन्होंने इनकार कर दिया। बबीता के इनकार के बाद दोनों की शादी टूट गई।

बता दें कि अक्षय एक समय साया फेम एक्ट्रेस तारा शर्मा के साथ रिलेशनशिप में थे। अक्षय अपनी प्राइवेट लाइफ को मीडिया से दूर रखते हैं। हालांकि जब वो कॉफी विद करण के दूसरे सीजन में पहुंचे तो उन्होंने अपने रिश्ते पर खुलकर बात की थी। रिपोर्ट्स की मानें तो अक्षय खन्ना और तारा के ब्रेकअप का कारण जॉन अब्राहम थे। तारा ने जॉन के लिए अक्षय से रिश्ता तोड़ा था।सिमी गरेवाल के चैट शो में अक्षय ने खुलासा किया था कि वो तमिलनाडु की पूर्व सीएम और दिवंगत जे। जयललिता को डेट करना चाहते थे। अक्षय ने बताया कि उनमें कई खूबियां हैं जो उन्हें आकर्षित करती थीं।

आपको जान कर हैरानी होगी कि आमिर खान के करियर की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक तारे जमीन पर पहले अक्षय को मिली थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रोड्यूसर अमोल गुप्ते अक्षय को फिल्म में टीचर राम निकुंज का रोल देना चाहते थे, लेकिन उनकी सीधी बातचीत नहीं थी। एक दिन प्रोड्यूसर आमिर से मिले तो उनसे कहा कि अक्षय खन्ना से मुलाकात करवा दो, क्योंकि दिल चाहता है के बाद से अक्षय- आमिर दोस्त थे। आमिर ने प्रोड्यूसर से कहा जब तक मैं खुद फिल्म को पसंद न करूं तो मैं किसी और को उस फिल्म के लिए सलाह कैसे दे सकता हूं। तब प्रोड्यूसर ने आमिर को वो स्क्रिप्ट सुनाई तो आमिर को वो इतनी पसंद आई कि उन्होंने खुद रोल करने की बात कही।2012 से 2016 तक इंडस्ट्री से दूरी बनाने के बाद अक्षय ने फिल्म ढिशूम से कमबैक किया। इसके बाद वह मॉम, इत्तेफाक, सेक्शन 375 जैसी फिल्मों में नजर आए।2022 में रिलीज हुई दृश्यम 2 में अक्षय के रोल को खूब पसंद किया गया। उन्होंने सिनेमा में हर तरह के रोल किए। कभी हीरो तो कभी विलेन में उन्होंने दर्शकों का दिल जीता। अब वह 'छावा' में औरगंजेब के रोल में दिखाई देंगे। दर्शकों को बेसब्री से उनकी फिल्म के रिलीज का इंतजार है।

राम लखन के 36 साल पूरे

अनिल कपूर ने उन दोस्ती को याद किया जिसने फिल्म को खास बनाया

अनिल कपूर ने आज इंस्टाग्राम पर पुरानी यादों को ताजा करने वाले मील के पत्थर- कल्ट क्लासिक राम लखन की 36वीं वर्षगांठ को चिह्नित किया। अपने भावुक विचारों को साझा करते हुए, अभिनेता ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे यह फिल्म उनके शानदार करियर का एक महत्वपूर्ण अध्याय बनी हुई है, यह न केवल इसकी शानदार सफलता के लिए बल्कि फिल्म के निर्माण के दौरान उनके द्वारा बनाई गई स्थायी दोस्ती के लिए भी।

सुभाष घई द्वारा निर्देशित राम लखन भारतीय सिनेमा में एक प्रतिष्ठित फिल्म बनी हुई है, जो अपने शानदार कलाकारों, अविस्मरणीय साउंडट्रैक और दिल छू लेने वाली कहानी के लिए जानी जाती है। 1989 में रिलीज हुई यह फिल्म न केवल बॉक्स-ऑफिस पर सफल रही बल्कि एक सांस्कृतिक घटना भी बन गई।

इस साल मेगास्टार को देखने बहुत कुछ को है, खासकर सुरेश त्रिवेणी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सुबेद्दार' जो प्राइम वीडियो पर रिलीज़ होने वाली है। पिछले महीने, निर्माताओं ने एक्शन-ड्रामा का टीज़र जारी किया था जिसमें कपूर को एक गहन और दिलचस्प अवतार में दिखाया गया था।

इंटरनेशनल लेवल पर जलवा बिखेरेगी छावा, भारत के साथ रूस में भी रिलीज होगी विक्की-रश्मिका की फिल्म

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना स्टारर छावा 14 फरवरी को में दस्तक देने जा रही है. उसके पहले फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है. दरअसल फिल्म इंटरनेशनल बनने वाली है इसकी शुरुआत रूस में फिल्म की रिलीज से हो रही है. छावा भारत के साथ ही रूस में 14 फरवरी को रिलीज होगी.विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना की अपकमिंग पीरियड फिल्म छावा को मेकर्स रूस में रिलीज करने के लिए तैयार हैं. लक्ष्मण उटेकर द्वारा निर्देशित यह पीरियड ड्रामा 14 फरवरी को रूस और भारत में एक साथ रिलीज होने वाली है. यह फिल्म छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित है. ट्रेलर रिलीज के बाद ही दर्शक अब 14 फरवरी का इंतजार कर रहे हैं. देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म रुस में कैसा प्रदर्शन करती है.रिलीज से पहले छावा को विरोध का सामना करना पड़ा है, हालांक यह पहली बार नहीं है जब कोई हिस्टोरिकल फिल्म विवादों में पड़ी हो. इसके पहले भी कई फिल्मों के खिलाफ आवाज उठाई गई है. इसी बीच छावा का ट्रेलर रिलीज होते ही छत्रपति संभाजी महाराज को नृत्य करते हुए दिखाने पर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई और महाराष्ट्र में फिल्म की रिलीज रोकने की मांग उठाई.ट्रेलर रिलीज के बाद पूर्व राज्यसभा सांसद संभाजी राजे ने कहा छत्रपति संभाजी महाराज को लेजिम बजाते हुए दिखाना ठीक है लेकिन उन्हें नाचते हुए दिखाना गलत. वहीं महाराष्ट्र के मंत्री उदय सामंत ने फिल्म के मेकर्स को चेतावनी दी कि अगर फिल्म में कोई भी आपत्तिजनक सीन दिखाया गया जिसमें संभाजी महाराज की इमेज को नुकसान पहुंचा तो इसे नहीं होने देंगे. जिसके बाद छावा के डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकर ने एमएनएस चीफ राज ठाकरे से मुलाकात कर आश्वासन दिया कि फिल्म से विवादित सीन हटा दिए जाएंगे.

अर्जुन कपूर की नई फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी का ऐलान, रकुल प्रीत सिंह बनीं जोड़ीदार

पिछली बार अर्जुन कपूर फिल्म सिंघम अगेन में नजर थे, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। वह इसमें अजय देवगन से भिड़ते हुए दिखाई दिए। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।सिंघम अगेन के बाद अब अर्जुन की नई फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका नाम मेरे हसबैंड की बीवी है।इस फिल्म में भूमि पेडनेकर रकुल प्रीत सिंह भी नजर आएंगे। तीनों की तिकड़ी देखने के लिए दर्शक बेताब हैं।मेरे हसबैंड की बीवी की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है। यह फिल्म 21 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।इस फिल्म के निर्देशन की कमान मुदस्सर अजीज ने संभाली है, जिन्हें पति पत्नी वो, हैप्पी भाग जाएगी और खेल खेल में जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।वाशु भगनानी और जैकी भगनानी इस फिल्म के निर्माता हैं। मेरे हसबैंड की बीवी की कहानी प्रेम त्रिकोण पर आधारित होगी।निर्माता वाशु भगनानी, जैकी भगनानी और दीपशिखा देशमुख ने रिश्तों की एक हास्यपूर्ण खोज में कलाकारों की टोली को प्रस्तुत किया है। हालाँकि कथानक के विवरण अभी गुप्त रखे गए हैं, लेकिन फिल्म के स्वर और कलाकारों ने जिज्ञासा जगाई है।एक संपूर्ण मनोरंजन की अपेक्षा करें जो परिवारों और दोस्तों को एक साथ लाता है, उन्हें हँसाता है और रिश्तों के मज़ेदार पक्ष की करता है। मेरे हसबैंड की बीवी का अनूठा कोण और कॉमेडी टाइमिंग इसे देखने के लिए एक रोमांचक अनुभव बनाती है।

श्वेता तिवारी की हॉटनेस ने इंटरनेट का चढ़ाया पारा

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्वेता तिवारी हमेशा अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग पोज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। श्वेता तिवारी हमेशा अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस के कारण फैंस बीच सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।हाल ही में एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने एक बार फिर से अपनी हॉटनेस से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।श्वेता तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान पर्पल कलर की थाई स्लिट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक पोज देती हुई नजर आ रही हैं।खुले बाल, लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार से कंप्लीट किया है।

उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर तबाही मचा रहा है।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अपनी पतली कमर फ्लॉन्ट करती हुई बेहद सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच रही हैं।श्वेता तिवारी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, पर उनकी उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। वो जब भी अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक को फॉलो करते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने खान–पान का विशेष ध्यान रखें। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा।समय का अच्छा इस्तेमाल करने के लिए आज आप पार्क में घूमने का प्लान बना सकते हैं लेकिन वहां किसी अनजान शख्स से आपकी बहस होने की अशंका है जिससे आपका मूड खराब हो जाएगा। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें और वे काम करें जिन्हें आप वाक़ई पसंद करते हैं। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें।इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

पैसा अचानक आपके पास अएगा, नए पारिवारिक व्यवसाय को शुरू करने के लिए शुभ दिन है। इसे सफल बनाने के लिए दूसरे सदस्यों की भी मदद लें। आपका प्रिय को आपसे भरोसे और वादे की ज़रूरत है। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं। अपने साथी पर किया गया संदेह एक बड़ी लड़ाई का रूप ले सकता है। आज आप अपने दोस्तों से जुड़ी कुछ जानकारियों को जानकर चकित हो सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन–शैली में बदलाव लाने का सही समय है। दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज के दिन भूलकर भी किसी को पैसे उधार न दें और यदि देना जरुरी हो तो देने वाले से लिखित में लें कि वो पैसा वापस कब करेगा। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

निश्चित तौर पर वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा– लेकिन साथ ही ख़र्चों में भी इज़ाफ़ा होगी। अपना अतिरिक्त समय निःस्वार्थ सेवा में लगाएँ। यह आपको और आपके परिवार को ख़ुशी और दिली सुकून देगा। चीज़ों और लोगों को तेज़ी–से परखने की क्षमता आपको दूसरों से आगे बनाए रखेगी। आपके जीवनसाथी की बेरुख़ी दिन भर आपको उदास रख सकती है। किसी ऐसे शख़्स का फ़ोन आ सकता है जिससे आप बहुत लंबे समय से बात करना चाहते थे। बहुत–सी पुरानी यादें ताज़ा हो जाएंगी और आप समय में पीछे लौट जाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शारीरिक व्यायाम और वज़न घटाने की कोशिशें आपके रूप–रंग को निखारने में फ़ायदेमंद साबित होंगी। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। अपने दिल की बात ज़ाहिर करके आप ख़ुद को काफ़ी हल्का और रोमांचित महसूस करेंगे। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. उतावलापन अच्छा नहीं है, आपको किसी भी काम को करने में उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए। इससे काम के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपको अपनी सेहत के प्रति ज़्यादा सावधानी बरतने की ज़रूरत है, ख़ास तौर पर रक्तचाप के मरीज़ों को। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस समय जो समस्याएँ आपको झेलनी पड़ रही हैं, वे क्षणिक हैं और समय के साथ वे ख़ुद–ब–ख़ुद ख़त्म हो जाएंगी। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक़्त बचाकर रखें। जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है। आज भी आपकी मन स्थिति ऐसी ही रह सकती है। आज के दिन बाहर का भोजन आपके पेट की हालात खराब कर सकता है। इसलिए बाहर खाने से आज बचें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपके जीवन–साथी का प्यारा बर्ताव आपका दिन ख़ुशनुमा बना सकता है। माली सुधार की वजह से ज़रूरी ख़रीदारी करना आसान रहेगा। परिवार की किसी महिला सदस्य की सेहत चिंता की वजह बन सकती है। छात्र–छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आश–ाओं को पूरा कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी–दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें। यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है। आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उड़ेलेगा। छुट्टी के दिन भी दफ़्तर का काम करने से बुरा और क्या हो सकता है। परन्तु परेशान न हों, क्योंकि काम करके आप अपने अनुभव को और बढ़ा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

परिवार के इलाज से जुड़े ख़र्चों में इज़ाफ़े को नकारा नहीं जा सकता है। अपने ख़र्चों पर क़ाबू रखें और आज हाथ खोलकर व्यय करने से बचें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आपका साहस आपको प्यार दिलाने में सफल रहेगा। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उड़ेलेगा। अकेलेपन को अपने ऊपर हावी न होने दें, इससे बेहतर होगा कि आप कहीं घूमने के लिए निकल सकते हैं।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 01 फरवरी 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ, शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया प्रातः 11:40 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपदा रात्रि 02:33 तक
योग : परिघ दोपहर 12:24 तक
करण : गर प्रातः 11:40 तक
चन्द्रराशि : कुंभ रात्रि 08:59 तक
सूर्योदय : 06:47 , सूर्यास्त 06:11 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:45 , सूर्यास्त 06:20 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 06:11 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 06:04 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक चालू है , वरद तिल चतुर्थी
भद्रा रात्रि 10:27 सेफ

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में कश्मीर पर टकराव : सिनेमा की भूमिका पर बड़ा सवाल

जयपुर,31 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में इस बार कला और सिनेमा की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। 'मेमोरीज फ्रॉम द स्क्रीन एंड स्टेज' सेशन के दौरान थिएटर अभिनेता–निर्देशक एमके रैना और अभिनेत्री–गायिका इला अरुण के बीच कश्मीर को लेकर बहस छिड़ गई। एमके रैना, जो थिएटर और सिनेमा के जरिए सामाजिक सच्चाइयों को उभारने के लिए जाने जाते हैं, फिल्मों में कश्मीर की छवि को तोड़–मरोड़ कर पेश किए जाने से इतने व्यथित हुए कि उन्होंने मंच ही छोड़ दिया। वहीं, इला अरुण ने उनके गुस्से को अनुचित ठहराते हुए कहा कि उन्हें अपनी असहमति ज़ाहिर करने का कोई और तरीका अपनाना चाहिए था।

एमके रैना की नाराजगी कश्मीर की वास्तविकता को तोड़–मरोड़ कर पेश करने को लेकर थी। उन्होंने यह चिंता जताई कि कई फिल्मों में कश्मीर की जटिल राजनीतिक–सामाजिक परिस्थितियों को सरलीकृत और पूर्वाग्रह से ग्रसित तरीके से दिखाया जाता है। उनका यह आरोप कोई नया नहीं है, बल्कि लंबे समय से कला और राजनीति के गलियारों में यह बहस चल रही है कि क्या मुख्यधारा की फिल्में और वेब सीरीज़ कश्मीर के मुद्दे को संतुलित रूप से प्रस्तुत कर रही हैं या फिर महज एक नैरेटिव को स्थापित करने का जरिया बन रही हैं?

इसके विपरीत, इला अरुण का मानना था कि कला को केवल एक कोण से देखना उचित नहीं। उन्होंने अपने नाटक के अनुभव साझा करते हुए यह संदेश देने की कोशिश की कि संवाद और कला को एक खुले मंच पर बहस और समझ के साथ देखना चाहिए, न कि भावनाओं के आवेग में आकर मंच छोड़ देना चाहिए।

सिनेमा हमेशा से समाज का आईना माना गया है, लेकिन जब राजनीतिक मुद्दों की बात आती है, तो वह एक शक्तिशाली माध्यम बन जाता है। बीते वर्षों में 'हैदर', 'द कश्मीर फाइल्स' और 'शिकारा' जैसी फिल्मों ने कश्मीर को अलग–अलग नजरियों से पेश किया है। कुछ आलोचक मानते हैं कि ये फिल्में या तो सरकार के नैरेटिव को सपोर्ट कर रही हैं या फिर किसी एक पीड़ित वर्ग के नजरिए से पूरी कहानी कह रही हैं।

मुख्यमंत्री घुमन्तु आवास योजना 2024
आवेदन के लिए हुआ ऑनलाइन पोर्टल का शुभारंभ

कोटपूतली,31 जनवरी (एजेंसियां)। बहरोड़। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के हर वर्ग के विकास को लेकर कृत संकल्पित है. इसी क्रम में बजट घोषणा वर्ष 2024–25 के बिन्दु संख्या 83 के अनुसरण में विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्वघुमन्तु समुदाय के स्थाई आश्रय और आवास से वंचित परिवारों के लिए मुख्यमंत्री घुमन्तु आवास योजना 2024 के ऑनलाईन पोर्टल का शुभारम्भ किया जा चुका है। जिसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में मकान बनवाने के लिए अनुदान सहायता हेतु आवेदक को संबंधित विकास अधिकारी पंचायत समिति में आवेदन करना होगा एवं शहरी /नगरीय क्षेत्र में मकान बनवाने के लिए संबंधित आयुक्त नगर परिषद /अधिशाषी अधिकारी के कार्यालय में आवेदन करना होगा , सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा सक्षम स्तर से प्रशासनिक वित्तीय स्वीकृति जारी कर आवश्यक राशि अंतरित की जाएगी.

जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी विपिन ने बताया कि उक्त योजनान्तर्गत आ–वेदन करने के लिए ई–मित्र कियोस्क/स्वयं की एस.एस.ओ आई.डी के माध्यम से राज्य सरकार के मुख्यमंत्री घुमन्तु आवास योजना के पोर्टल पर जनाधार संख्या दर्ज कर ऑनलाईन आवेदन कर सकते है।अधिक जानकारी हेतु संबंधित विकास अधिकारी/आयुक्त नगरपरिषद/ अधिशाषी अधिकारी/ जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में संपर्क करें।

राज्यपाल बागडे से नार्वे की राजदूत ने की मुलाकात

जयपुर,31 जनवरी (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से शुक्रवार को नार्वे की राजदूत मे.एलिन स्टेनर ने राजभवन में मुलाकात की। इस दौरान राज्यपाल ने उनसे दुग्ध उत्पादन और पशुधन संपदा के बारे में जानकारी प्राप्त की। दोनों ने प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में विकास योजनाओं के समन्वय और निवेश संभावनाओं के संबंध में चर्चा की। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वीराज भी इस दौरान मौजूद रहे। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

महाकुंभ भगदड़ के पीछे साजिश की आशंका जांच में सच्चाई आएगी सामने : मीणा

जयपुर,31 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में भगदड़ की घटना पर राजस्थान सरकार में मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि जब सब कुछ ठीक चल रहा था, तो अचानक यह घटना कैसे हो गई। मुझे लगता है कि इसके पीछे कहीं न कहीं साजिश है।

उन्होंने कहा, 'हमें भी लगता है कि जब सब कुछ ठीक चल रहा था, तो अचानक ये कैसे हो गया। विपक्ष और दूसरे देशों के लोग इस बात से खुश नहीं थे कि यह आयोजन इतना भव्य कैसे हो रहा है। सब कुछ ठीक चल रहा था। फिर इस तरह की घटना हो जाती है। कुछ न कुछ साजिश है। जांच होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश सरकार ने जांच के आदेश दे दिए हैं। जांच में घटना की सच्चाई सामने आ जाएगी।

कुंभ में मौनी अमावस्या पर हुई भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 90 से ज्यादा घायल हो गए। मृतकों के परिजनों के लिए राज्य सरकार द्वारा 25–25 लाख रुपये के मुआवजे का ऐलान किया गया है। वहीं, भगदड़ में घायल हुए श्रद्धालुओं का इलाज किया जा रहा है। राजस्थान में सूर्य नमस्कार पर विपक्ष के हंगामे पर किरोड़ी लाल मीणा ने कहा, सूर्य पूरे विश्व को प्रकाश प्रदान करता है और जीवन में प्रकाश लाता है। हमें ऊर्जा देता है। सूर्य को नमस्कार करने और योगाभ्यास करने से लाभ प्राप्त किया जा सकता है। इसका विरोध करने वाले लोग सनातनी परंपरा का मखौल उड़ा रहे हैं। पीएम मोदी के फिट इंडिया वाले बयान पर उन्होंने कहा कि मोदी जी ने जो कहा, वह सही कहा है। हम रोज फैटी एसिड खा रहे हैं, इससे बीमारियां बढ़ रही हैं।

बीएड कॉलेज का प्राचार्य व कंप्यूटर ऑपरेटर रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

हनुमानगढ़,31 जनवरी (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के निर्देश पर. एसीबी चौकी हनुमानगढ़ ईकाई द्वारा शुक्रवार कार्रवाई की। इसमें आरोपी डॉ. रामावतार प्राचार्य बाबा मस्तनाथ बीएड कॉलेज हनुमानगढ़ टाउन व करण कम्प्यूटर ऑपरेटर बाबा मस्तनाथ बीएड कॉलेज हनुमानगढ़ टाउन को 5000/– रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी चौकी हनुमानगढ़ को एक शिकायत इस आशय की मिली कि आरोपी प्राचार्य रामावतार द्वारा बीएड के ऑफलाईन फार्म जमा करवाने की एवज में यूनिवर्सिटी के नाम से परिवादी से 5000/– रूपये रिश्वत की मांग परेशान कर रहा था।

दीनबंधु सर छोटूराम ने जीवन पर्यंत विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिए किया संघर्ष : सैनी

चंडीगढ़,31 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार दीनबंधु सर छोटूराम के आदर्शों पर चलते हुए प्रदेश को विकास और जनकल्याण के मामले में देश का मॉडल राज्य बनाने के लिए कृतसंकल्प है। रहबर–ए–आजम चौ. छोटूराम ने जीवन पर्यंत किसानों, मजदूरों व गरीबों के कल्याण के लिए संघर्ष किया। उन्होंने किसानों, मजदूरों और छोटे दुकानदारों के हितों के लिए कार्य किये।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को रोहतक जिला में अखिल भारतीय जाट सूरमा स्मारक महाविद्यालय परिसर में रहबर–ए–आजम चौ. छोटूराम के 144 वें जन्मोत्सव में बतौर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने जाट शिक्षण संस्थान परिसर में स्थित चौ. छोटूराम के स्मारक पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने भी पुष्प अर्पित चौ. छोटूराम को नमन किया। अतिथियों ने जाट कॉलेज के सभागार में हरियाणवी विरासत पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

नायब सिंह सैनी ने अपने स्वैच्छिक कोष से जाट शिक्षण संस्था को 31 लाख रुपए देने की घोषणा की। इसके अलावा, शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने भी संस्था को 21 लाख रुपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने संस्था की मांगों के संदर्भ में कहा कि महारानी किशोरी महिला महाविद्यालय में होस्टल के लिए संस्था द्वारा नियमानुसार मैचिंग ग्रांट के रूप में पैसा जमा करवाने उपरांत सरकार की ओर से 10 करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके अलावा, संस्था द्वारा रखी गई अन्य मांगों की फिजिबिलिटी चैक करवाई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चौ. छोटूराम का जीवन एक संदेश है कि अगर हम संकल्प लें और मेहनत करें, तो कोई भी चुनौती बड़ी नहीं होती। चौधरी छोटूराम बहुमुखी प्रतिभा , विचारशील, विवेक एवं सिद्धांतवादी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने गरीबों, दलितों, शोषितों एवं उपेक्षित लोगों के उत्थान एवं सम्मान के लिए जीवनभर लड़ाई लड़ी। गरीबों के सच्चे हमदर्द होने के कारण ही वे दीनबंधु कहलाए।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि चौ. छोटूराम ने किसानों की आवाज को बुलंद करने के लिए जाट गजट अखबार भी शुरू किया था। चौधरी छोटूराम ने किसानों को फसल का उचित मूल्य दिलवाने के लिए कृषि उत्पाद मंडी अधिनियम बनवाया था। किसानों को कर्जों से मुक्ति दिलवाई और गिरवी रखी हुई जमीनें उन्हें वापस दिलवाई। चौधरी छोटूराम ने सिंचाई सुविधाओं के विस्तार पर भी बल दिया। भाखड़ा बांध परियोजना भी उन्ही की देन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत के लिए किसान, गरीब, नारी और युवा शक्ति को चार स्तंभ माना है। चौ. छोटूराम की किसान व मजदूर हितैषी नीतियों पर चलते हुए प्रदेश सरकार कृषि के विकास और किसानों की भलाई के लिए समर्पित भाव से काम कर रही है। हाल ही में, राज्य सरकार ने किसान हित में कदम उठाते हुए पट्टेदार किसानों और भूमि मालिकों के बीच विश्वास बहाल करते हुए कृषि भूमि पट्टा एक्ट लागू करके पट्टेदारों को मालिकाना हक दिया है। सरकार फसल से लेकर बाजार तक जुड़ी सभी सुविधाएं किसानों को उपलब्ध करवा रही है। किसानों को पराली प्रबंधन के लिए विभिन्न कृषि यंत्रों पर 122 करोड़ रुपए का अनुदान प्रदान किया गया है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार द्वारा प्रदेश में शत–प्रतिशत फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने का फैसला किया है तथा 72 घंटे में फसल का भुगतान किसान के खाते में किया जा रहा है। प्रदेश के लगभग 12 लाख किसानों के खाते में एक लाख 25 हजार करोड़ रुपए की राशि डाली गई है। खरीफ मौसम के दौरान कम बारिश की वजह से किसानों की लागत राशि को कम करने के उद्देश्य से किसानों को 2000 रुपए प्रति एकड़ सहायता राशि दी गई है। इसके तहत प्रदेश के किसानों को 1345 करोड़ रुपए की राशि दी गई है। उन्होंने कहा कि किसानों को कृषि इनपुट आदान खरीदने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि के तहत 6 हजार रुपए वार्षिक उपलब्ध करवाए जा रहे है। अब तक 18 किस्तों में प्रदेश के किसानों को 342 करोड़ रुपए तथा देशभर के किसानों को 6203 करोड़ रुपए की राशि दी गई है। उन्होंने किसानों का आह्वान किया कि वे बागवानी फसलों को अपनाएं। सरकार द्वारा बागवानी को बढ़ावा देने के लिए करनाल जिला के उचानी में 65 एकड़ में 700 करोड़ रुपए की लागत से महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय स्थापित किया जा रहा है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने अभिभावकों का आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को नशे की लत से बचाने के लिए संकल्प लें।

हरियाणा में 7 आईएएस और एक आईआरएस अधिकारी के तबादले

चंडीगढ़,31 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने तुरंत प्रभाव से 7 आई.ए.एस. और एक आई.आर.एस. अधिकारी के नियुक्ति व स्थानान्तरण आदेश जारी किए हैं।

मौलिक शिक्षा विभाग के महानिदेशक तथा स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव रिपुदमन सिंह ढिल्लों को आदित्य दहिया के स्थान पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, हरियाणा का मिशन निदेशक तथा स्वास्थ्य विभाग का सचिव लगाया गया है। सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग के विशेष सचिव तथा निदेशक अजय सिंह तोमर को पार्थ गुप्ता के स्थान पर अम्बाला का उपायुक्त लगाया गया है। यमुनानगर के उपायुक्त मनोज कुमार–1 को आई.आर.एस. अधिकारी विवेक अग्रवाल के स्थान पर हरियाणा कौशल विकास मिशन का मिशन निदेशक, कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग का निदेशक तथा विशेष सचिव लगाया गया है। अम्बाला के उपायुक्त पार्थ गुप्ता को मनोज कुमार–1 के स्थान पर यमुनानगर का उपायुक्त लगाया गया है। सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग कल्याण एवं अंत्योदय (सेवा) विभाग के निदेशक तथा विशेष सचिव प्रशांत पंवार को मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के मिशन निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। कॉन्फेड के प्रबंध निदेशक राहुल नरवाल को अजय सिंह तोमर के स्थान पर सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग का निदेशक और विशेष सचिव तथा कॉन्फेड का प्रबंध निदेशक लगाया गया है।

हरियाणा कौशल विकास मिशन के मिशन निदेशक, कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के महानिदेशक तथा सचिव विवेक अग्रवाल को रिपुदमन सिंह ढिल्लों के स्थान पर मौलिक शिक्षा विभाग का महानिदेशक तथा स्कूल शिक्षा विभाग का सचिव लगाया गया है।

डॉ. अरविंद शर्मा ने गजेंद्र सिंह शेखावत से की मुलाकात

सूरजकुंड मेले का दिया निमंत्रण

चंडीगढ़,31 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात की और उन्हें आगामी 38वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले के लिए औपचारिक निमंत्रण दिया। यह मेला हरियाणा की सांस्कृतिक पहचान और शिल्पकला को वैश्विक मंच पर स्थापित करने के लिए एक महत्वपूर्ण आयोजन माना जा रहा है।

बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए 7 फरवरी 2025 को मेले के उद्घाटन के लिए अपनी सहमति दी। हर साल सूरजकुंड मेले में दुनिया भर से शिल्पकार, कलाकार और पर्यटक आते हैं, जिससे हरियाणा का पर्यटन उद्योग नई ऊंचाइयों पर पहुंचता है।

बैठक के दौरान दोनों मंत्रियों के बीच सूरजकुंड मेले की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इस वर्ष मेले में बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। चर्चा के दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि मेले में भाग लेने के लिए अधिक से अधिक देशों को आमंत्रित किया जाना चाहिए ताकि वैश्विक स्तर पर हरियाणा के पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत को मजबूती मिल सके।

मुक्केबाज मनोज कुमार ने बॉक्सिंग से लिया संन्यास

चंडीगढ़,31 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के कैथल के दिग्गज मुक्केबाज मनोज कुमार ने आखिरकार मुक्केबाजी से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का नाम रोशन करने वाले मनोज अब कोचिंग की दुनिया में कदम रखेंगे। दो बार के ओलंपियन रह चुके मनोज ने 2012 लंदन ओलंपिक और 2016 रियो ओलंपिक में भाग लिया था, जहां वह दोनों बार प्री–क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे। मनोज कुमार ने 1997 में जूनियर स्तर पर मुक्केबाजी करियर की शुरुआत की थी। उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें भारतीय मुक्केबाजी का बड़ा चेहरा बना दिया। 2010 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। हालांकि, 2018 के गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों के बाद उनके अंतरराष्ट्रीय करियर पर ब्रेक लग गया।मनोज कुमार ने अपने संन्यास को लेकर कहा कि मैं 40 साल का हो गया हूं, और अंतरराष्ट्रीय नियमों के मुताबिक एमेच्योर प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले सकता। इसलिए मैंने सोच–समझकर संन्यास लेने का फैसला किया है।

स्नेहमयी कृष्णा चेक बाउंस मामले में दंडित

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सूचना का अधिकार (आरटीआई) कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा को चेक बाउंस मामले में दंडित किया गया है। कृष्णा कथित मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले में शिकायतकर्ता के रूप में चर्चा में रहे हैं, जिसमें कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया मुख्य आर-ोपी हैं।

अब, अगर कृष्णा तुरंत राशि चुकाने में विफल रहते हैं, तो उन्हें छह महीने के कारावास की सजा काटनी होगी। स्नेहमयी कृष्णा ने 2015 में मैसूरु शहर के बाहरी इलाके ललिताद्रिपुरा के कुमार से ऋण लिया था और बदले में कृष्णा ने मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक का चेक दिया था। जब कुमार ने बैंक में चेक जमा किया, तो वह बाउंस हो गया। उन्होंने कृष्णा के खिलाफ अदालत में मामला दायर किया। गुरुवार को, प्रथम श्रेणी के तृतीय न्यायिक मजिस्ट्रेट (जेएमएफसी) अदालत ने चेक धोखाधड़ी मामले में कृष्णा को दोषी पाया। बाद में उन्होंने कहा कि वह उच्च न्यायालय के समक्ष फैसले के खिलाफ अपील करेंगे।

मेट्रो का विस्तार तावरेकेरे तक किया जाएगा: एस.टी. सोमशेखर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा विधायक एस.टी. सोमशेखर ने कहा कि सरकार ने होसाहल्ली से कडाबगेरे तक मेट्रो लाइन के तीसरे चरण को तावरेकेरे गांव तक विस्तारित करने का निर्णय लिया है। हीरोहाली वार्ड के भारत नगर स्थित अपने कार्यालय केम्पेगौड़ा भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बीडीए निर्वाचन क्षेत्र में मैसूरु रोड और मगदी मेन रोड के बीच केम्पेगौड़ा लेआउट विकसित कर रहा है। मेट्रो ट्रेन मैसूरु रोड से चल्लेघाट

तक चल रही है। इसी प्रकार, मगदी मेन रोड पर नम्मा मेट्रो (ऑरेंज लाइन) के तीसरे चरण सहित मेट्रो से संबंधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, भूमि सर्वेक्षण, मिट्टी परीक्षण और अन्य प्रक्रियाएं प्रगति पर हैं और 2029 तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके अलावा, डीसीएम ने निर्देश दिया है कि यातायात की भीड़ से बचने के लिए नई मेट्रो लाइनों पर डबल डेकर बनाए जाएं और मेट्रो के तीसरे चरण में डबल डेकर जोड़े जाएंगे। इससे मगदी मेन रोड पर मेट्रो लाइन के नीचे एक एलिवेटेड रोड बन जाएगी, जिससे यातायात की भीड़ कम हो जाएगी। इससे इस क्षेत्र के तीव्र विकास में भी योगदान मिलेगा। इस संबंध में उन्होंने कहा कि वह निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की ओर से सीएम सिद्धरामैया और डीसीएम डी.के. शिवकुमार को बधाई देते हैं।

मधुगिरी के पास भालू के हमले में महिला गंभीर रूप से घायल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दिनदहाड़े खेत में बकरियां चरा रही महिला पर भालू ने हमला कर दिया। पुरावरा होबली की भाग्यम्मा के सिर में गंभीर चोटें आईं और उसे बेंगलूरु के विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोपहर में जब वह खेत में अपनी बकरियां चरा रही थी, तभी अचानक तीन भालू आ गए, जिनमें से एक ने उस पर हमला कर दिया। जब वह चिल्लाई, तो उसके पति नागराजू और आसपास के अन्य लोग जंगली जानवर को भगाने के लिए दौड़े। हमले में महिला का सिर लगभग पूरी तरह से जख्मी हो गया और उसके हाथ भी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। रेंज फॉरेस्ट

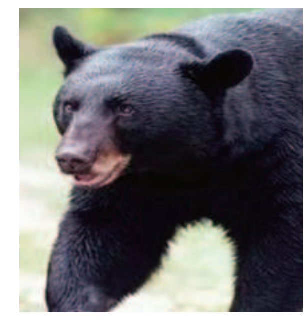

ऑफिसर मुथुराजू ने घटनास्थल का दौरा किया और महिला को विक्टोरिया अस्पताल ले जाने के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था की। फॉरेस्ट ऑफिसर सुरेश ने कहा कि वे महिला के इलाज में मदद करेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि घटनास्थल पर हड्डी रखकर भालू को पकड़ने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

सीतामढ़ी में मेयर और उप मेयर के बीच जंग, बैठक के दौरान हुई तीखी बहस

सीतामढ़ी (एजेंसियां)।

सीतामढ़ी नगर निगम में मेयर और उप मेयर की लड़ाई थमने का नाम नहीं ले रही है। बात यहीं तक नहीं है, मेयर का विरोध डिप्टी मेयर के साथ-साथ अन्य कई पार्षद भी करते हैं। बता दें कि सामान्य बोर्ड की बैठक में मेयर और डिप्टी मेयर के बीच तीखी बहस हुई। इस बैठक का आयोजन मेयर रौनक जहां परवेज की अध्यक्षता में नगर निगम के सभागार में किया गया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य नगर निगम क्षेत्र में विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का कार्यान्वयन करना था, जिसमें स्ट्रीट लाइट, सफाई उपकरणों की खरीद, सीसीटीवी कैमरा स्थापित करना और अतिक्रमण के मुद्दे शामिल थे। इस दौरान मेयर और डिप्टी मेयर के बीच कई मुद्दों पर विवाद उत्पन्न हुआ, जबकि आधा दर्जन वार्ड पार्षदों ने भी सफाई से संबंधित मुद्दों पर जोरदार हंगामा किया। डिप्टी मेयर ने आरोप लगाया कि मेयर वार्ड पार्षदों के प्रश्नों का उचित उत्तर नहीं देते हैं और उन्हें नियमों के अनुसार खारिज कर देते हैं।

उनका यह भी कहना था कि नियम यह

नहीं कहता कि मेयर कार्यालय के कर्मियों को अपने निवास पर बुलाकर फाइल पर हस्ताक्षर कराएं। डिप्टी मेयर ने मेयर पर सीधे आरोप लगाते हुए कहा कि बोर्ड की बैठक में जो निर्णय लिया जाता है, वह डिप्टी मेयर की अनुमति के बिना ही लिखा जाता है। इसके परिणाम स्वरूप पार्षदों को समान लाभ से वंचित किया जाता है। बैठक में अतिथि के रूप में उपस्थित जेडीयू एमएलसी रेखा कुमारी ने निगम की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि नगर निगम क्षेत्र में गंदगी का ढेर लगा हुआ है और कहीं भी उचित सफाई नहीं की जा रही है।

डिप्टी मेयर आशुतोष कुमार ने इस पर सहमति जताते हुए बुडको के कार्यों पर असंतोष व्यक्त किया। इस पर एमएलसी ने बुडको के अभियंता को फोन कर कड़ी फटकार लगाई। वार्ड पार्षद अंशुल प्रकाश ने यहां तक कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी योजना जलजीवन हरियाली है, जिसके लिए सूची देने के बावजूद कार्य नहीं किया जा रहा है और पूरी फाइल को रद्द कर दिया जाता है, जिस पर डिप्टी मेयर ने भी अपनी चिंता व्यक्त की।

50 हजार का इनामी नक्सल कमांडर उमेश रविदास गिरफ्तार, 10 साल से था फरार

नवादा (एजेंसियां)।

नवादा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है, जहां 10 साल से फरार 50 हजार का इनामी नक्सली कमांडर को पुलिस ने गिरफ्तार किया। गुरुवार को पुलिस अधीक्षक सभाकक्ष में पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बताया कि नवादा पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है।कौआकोल थाना क्षेत्र में 10 साल से फरार इनामी नक्सल कमांडर उमेश रविदास को पुलिस ने नवादा के सदर अस्पताल के समीप से गिरफ्तार किया है।

उन्होंने बताया कि नवादा के कौआकोल थाना क्षेत्र में 30.01.15 को आज से ठीक 10 साल पहले कौआकोल थाना क्षेत्र अंतर्गत सेखोदेरा में करीब 150 से 200 नक्सलियों द्वारा आधुनिक हथियार से लैश होकर दो ट्रैक्टर को बीच बाजार में जला दिया गया था। स्थानीय लोगों से

मोटरसाइकिल छीन लिया गया था। इन नक्सलियों के द्वारा बस्तर में सरकार द्वारा चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियान का विरोध किया जा रहा था और बंद घोषित कर स्थानीय लोगों से मारपीट भी किया गया था।

इनका नेतृत्व करने वालों में अन्य कमांडर के साथ कौआकोल का रहने वाला उमेश रविदास भी था।

पुलिस द्वारा घटना की प्राथमिकी दर्जकर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। प्राथमिकी में नामजद अभियुक्त के गिरफ्तारी हेतु पुलिस लगातार छापामारी कर रही थी। इनमें से नक्सल कमांडर चिराग दा और सिद्दू कोड़ा की मृत्यु हो चुकी है। जबकि तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। इसमें एक अभियुक्त उमेश रविदास कई वर्षों से फरार चल रहा था। पुलिस की गिरफ्त से बाहर था। उमेश रविदास कोलकाता इको पार्क थाना क्षेत्र में रहकर चावल का खरीद बिक्री का कारोबार कर रहा था।पुलिस इसके मूवमेंट को लगातार ट्रेस कर रही थी। फरार रहने की स्थिति में पुलिस द्वारा इनके ऊपर 50,000 इनामी राशि भी घोषित की गई थी।

दिनांक 29.01.25 को गुप्त सूचना मिली कि उमेश रविदास किसी कारणवश नवादा आया हुआ है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस अधीक्षक नवादा के निर्देशानुसार एसडीपीओ पकरीबरावां महेश चौधरी एवं कौआकोल थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस दल द्वारा घेराबंदी कर उमेश रविदास को सदर अस्पताल नवादा के पास से गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार कर उसे थाना परिसर लाया गया एवं उससे सघन पूछताछ की गई। उसने 10 वर्ष पूर्व उस घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार किया। उमेश रविदास के विरुद्ध कई कांड दर्ज हैं, जिनका अवलोकन किया जा रहा है। गिरफ्तार नक्सल कमांडर नवादा और जमुई ऐक्सेस के बीच क्षेत्र में पूर्व में सक्रिय था। 2009 में कौआकोल थाना प्रभारी सहित पुलिस कर्मियों को नक्सलियों ने घेरकर मार दिया था और उनके हथियार छीन लिए थे, उस मामले को लेकर भी पुलिस पूछताछ कर रही है।

खेल की प्रतिभा के आधार पर खिलाड़ी सरकारी नौकरी कर सकते हैं हासिल : बेतिया कलेक्टर

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार के बेतिया में रोजगार सह मार्गदर्शन मेले का आयोजन किया गया। यह आयोजन बगहा पुलिस जिले के बगहा-2 प्रखंड अंतर्गत हरनाटांड़ के राजकीयकृत राज्य सम्पोषित प्लस टू के खेल मैदान में दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के अंतर्गत किया गया। रोजगार सह मार्गदर्शन मेले का विधिवत शुभारंभ डीएम दिनेश कुमार राय ने दीप प्रज्जवलित कर किया।

मौके पर उन्होंने कहा कि हरनाटांड़ जैसे थारू बहुल क्षेत्र में जहां युवक-युवतियां पढ़ने-लिखने में ज्यादा रूचि रखते हैं, उनके लिए रोजगार सह मार्गदर्शन मेले का आयोजन उनके करियर बनाने के लिए एक बेहतर अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के युवक-युवतियों को कौशल विकास एवं प्रशिक्षण लेकर अपने करियर को संवार कर अपने सपनों को साकार करना चाहिए। उन्होंने मेले को सफल बनाने के लिए डीपीएम, जीविका,

जीविका दीदियों, विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों का आभार प्रकट किया। साथ ही उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के आठ युवकों का चयन सब इंस्पेक्टर के पद पर हुआ है, जो गौरव की बात है। यहां के युवाओं में खेल की प्रतिभा भी अपार है और अपने खेल की प्रतिभा के आधार पर खिलाड़ी सरकारी नौकरी हासिल कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार की अत्यंत ही महत्वाकांक्षी योजना सतत जीविकोपार्जन योजना से जुड़कर जीविका दीदियां अपना रोजगार बखूबी कर रही हैं और आर्थिक उन्नति की ओर अग्रसर हैं। मेडिकल कॉलेज, अनुमंडल अस्पतालों, अनुसूचित जाति-जनजाति विद्यालयों में दीदी की रसोई का सफल संचालन कर अपनी उद्यमिता सिद्ध कर दी हैं। मौके पर अपर समाहर्ता पश्चिम चम्पारण राजीव कुमार सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी बगहा गौरव कुमार, भूमि सुधार उप समाहर्ता बगहा एंजेलिका कृति, विशेष कार्य पदाधिकारी जिला गोपनीय शाखा सुजीत कुमार, डीपीएम जीविका आरके निखिल सहित सैकड़ों की संख्या में युवक-युवतियां तथा जीविका दीदी आदि उपस्थित रहे।

इधर, अपर समाहर्ता राजीव कुमार सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दिया। उन्होंने कहा कि जीविका की शुरूआत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने से हुई थी लेकिन वर्तमान में जीविका दीदियों के परिवार के कम से कम एक सदस्य को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में भी तेजी के साथ कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक नियोजन दिलाते हुए आपके परिवारों के उत्थान में जिला प्रशासन सहभागी बनने हेतु सार्थक प्रयास कर रहा है।व।वही अनुमंडल पदाधिकारी बगहा गौरव कुमार ने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा की ठंड के मौसम रहने के बावजूद इतनी संख्या में युवक-युवतियां, जीविका दीदियां यहां उपस्थित हैं, यह अत्यंत ही सराहनीय है। इसके लिए जीविका को धन्यवाद है। उन्होंने कहा कि यहां पर विभिन्न कंपनियों का काउंटर लगा हुआ है, आप लोग यहां रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। स्किल के अनुरूप उन्हें कंपनियों द्वारा रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा।

रोजगार सह मार्गदर्शन मेला में सेल्स एंड मार्केटिंग, सिक्योरिटी एजेंसी, जीवन बीमा की अग्रणी कंपनी, नर्सिंग आदि के फिल्ड में बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर प्रदान किये। इस मौके पर शिवशक्ति बायोटेक, नवभारत फर्टिलाईजर्स, अरविंद मिल्स जैसी कंपनियों से सेल्स एंड मार्केटिंग के क्षेत्र में कंपनियों ने रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान किए। जबकि एलएनजी जैसी कंपनी केवल युवतियों को सिलाई कटाई में दो महीने का निःशुल्क प्रशिक्षण के बाद रोजगार के अवसर प्रदान कर रही थी। इन्फो वैली जैसी कंपनी एयरहोस्टेस का प्रशिक्षण देकर युवतियों को एयरलायंस कंपनी में रोजगार के अवसर प्रदान की वहीं सेंट मेरी कंपनी नर्सिंग की ट्रेनिंग देकर युवतियों के कॅरियर के लिए बेहतर अवसर प्रदान कर रही थी।

जदयू नेता को चचेरे भाई ने मारी गोली मूर्ति विसर्जन के दौरान हुई घटना

पूर्णिया (एजेंसियां)।

कटिहार में जदयू के नगर अध्यक्ष प्रकाश मेवार को उनके चचेरे भाई ने ही गोली मार दी। गोली उनके पेट में लगी है। स्थानीय लोगों की मदद से घायल जदयू नेता को तत्काल मनिहारी अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

घटना मनिहारी थाना क्षेत्र के मेदिनीपुर की है। जहां मां काली की प्रतिमा विसर्जन के दौरान फायरिंग की घटना हुई।घटना की सूचना मिलते ही मनिहारी थाना पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल जेडीयू नेता के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

घटना के संबंध में घायल प्रकाश मेवार ने बताया कि वह मां काली की मूर्ति विसर्जन के लिए जा रहे थे। तभी मेरा चचेरा भाई मृत्युंजय मेवार वहां पहुंचा

और उनके साथ बहस करने लगा। धीरे धीरे बात बढती चली गई और फिर उसने बहस के दौरान मुझ पर गोली चला दी। गोली पेट में लगी है। आरोपी मृत्युंजय मेवार गोली मारकर वहां से फरार हो गया। जदयू के नगर अध्यक्ष प्रकाश मेवार ने पुलिस से आर-ोपी मृत्युंजय मेवार के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

घायल प्रकाश मेवाड़ का कहना है कि उन लोगों के बीच जमीन विवाद चल रहा है। यह विवाद बहुत दिनों से चल रहा था। आज मूर्ति विसर्जन के दौरान भीड़ का फायदा उठाकर आपस में विवाद करते हुए पहले हवाई फायरिंग किया। फिर उन पर गोली चला दिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्रकाश मेवार ने बताया कि आरोपी के पास लाइसेंसी बंदूक भी है, जिससे इस घटना को अंजाम दिया गया। घटना के बाद से इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस ने आरोपी चचेरे भाई की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी तेज कर दी है। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि आरोपी ने पहली गोली हवा में चलाई। दूसरी गोली जदयू नेता के पेट में मारी। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर पड़े। स्थानीय लोगों की मदद से उनको मनिहारी अनुमंडल अस्पताल के जाया गया।

ढुंगेश्वरी पहाड़ी से महाबोधि मंदिर तक निकली ज्ञान यात्रा, देश-विदेश के बौद्ध श्रद्धालु शामिल

गया (एजेंसियां)।

बिहार के बोधगया में गुरुवार को ढुंगेश्वरी पहाड़ी की तलहटी से विश्व धरोहर महाबोधि मंदिर तक ज्ञान यात्रा शुरू हुई। पदयात्रा में देश-विदेश के बौद्ध धर्म गुरु और बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। यह यात्रा भगवान बुद्ध के पद चिह्नों पर चलने और उनके संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से हर साल निकाली जाती है।

मालूम हो कि करीब ढाई हजार वर्ष पूर्व राजकुमार सिद्धार्थ ने ज्ञान प्राप्ति की खोज के लिए में ढुंगेश्वरी पहाड़ी पर छह साल तक तपस्या की थी। तपस्या करने के बाद भगवान बुद्ध बोधगया पहुंचे। जहां उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई। यह पद यात्रा को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन के साथ बोधगया के स्थानीय लोग भी इसमें हिस्सा लिया।

बता दें कि करीब सुबह सात बजे ढूंगेश्वरी पहाड़ी से नौ किलोमीटर की पैदल यात्रा करते हुए बौद्ध श्रद्धालु सुजाता स्तूप

पहुंचे। वहां श्रद्धालुओं को खीर खिलाया गया। 31 जनवरी से तीन दिवसीय बौद्ध महोत्सव समारोह आयोजित की जाएगी। महोत्सव का उद्घाटन गया जिले के प्रभारी मंत्री करेंगे।

31 जनवरी की शाम बोधगया के कालचक्र मैदान में तीन दिवसीय बौद्ध महोत्सव का उद्घाटन होगा। सर्वप्रथम बौद्ध भिक्षुओं के मंत्रोच्चार के साथ महोत्सव का शुभारंभ किया जाएगा। उद्घाटन के बाद मुख्य अतिथियों का संबोधन, बिहार गौरव गान, विदेशी कलाकारों और वॉलीवुड के पार्श्व गायक अंकित तिवारी की प्रस्तुति होगी।

दूसरे दिन शनिवार को कालचक्र मैदान के मंच पर स्थानीय व बिहार के कलाकारों की प्रस्तुति होगी। तीसरे दिन यानि दो फरवरी को बौद्ध महोत्सव का समापन होगा। समापन के दिन रविवार की शाम वॉलीवुड के प्रसिद्ध पार्श्व गायक अभिजीत की धमाकेदार गायकी का आनंद लोग उठाएंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com